हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024

सुमीत बाजार™

78 में सबसे बेहतर

17 Aug. to 31 Aug.

आओ मनाएं, खुशियों वाली तीज

₹899/- की साड़ी सिर्फ ₹78/- में

₹3499/- मूल्यों के साड़ियों की खरीदारी पर

*condition apply

ऑफर सुमीत बाजार के सभी स्टोर्स पर

फैंसी एवं डिजाईनर साड़ियाँ • सलवार सूट • सूटपीस • मेन्स वियर • किड्स वियर • टीन्स वियर
सुटिंग शर्टिंग एवं गृह साज-सज्जा के लिये होम फर्निशिंग आयटम्स का शानदार कलेक्शन

छत्तीसगढ़ – रायपुर • बिलासपुर • भिलाई • दुर्ग • राजनांदगांव • डोंगरगढ़ • भाटापारा • सिमगा • बेमेतरा • कवर्धा
आरंग • महासमुंद • सराईपाली • नयापारा राजिम • कांकेर • कोंडागांव • खरोरा • बालोद • धमतरी • बागबाहरा
मध्यप्रदेश – बालाघाट • धामनोद • सतना • उड़ीसा – खरियार रोड • नुआपाड़ा

हुड्डा से मिली विनेश फोगाट, कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा से नई दिल्ली में मुलाकात की। कहा जा रहा है कि विनेश जल्द ही कांग्रेस ज्वाइन कर सकती है। अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि कांग्रेस विनेश फोगाट को उनकी चचेरी बहन और भाजपा नेता बबीता फोगाट के सामने विधानसभा चुनाव लड़ाने की योजना बना रही है। पेरिस ओलम्पिक में निर्धारित वजन से ज्यादा वजन के चलते अयोग्य घोषित की गई पहलवान विनेश फोगाट को लेकर हरियाणा प्रदेश में सहानुभूति की लहर है और कांग्रेस नेतृत्व को मालूम है की विधानसभा चुनाव में इसका राजनैतिक फायदा मिल सकता है।

■ विनेश के कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर भूपेंद्र बोले यह काल्पनिक सवाल

हुड्डा परिवार से मुलाकात के दौरान विनेश के साथ उनके पति सोमबीर राठी भी थे। भूपेंद्र हुड्डा ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। दीपेंद्र हुड्डा की पत्नी श्वेता हुड्डा ने विनेश का स्वागत किया। पहलवान विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर भूपेंद्र हुड्डा ने मीडिया से कहा कि यह एक काल्पनिक सवाल है। लेकिन एथलीट सिर्फ एक पार्टी के नहीं होते हैं, वे पूरे देश के होते हैं। अगर कोई पार्टी में शामिल होता है तो आपको पता चल जाएगा। जो भी पार्टी में शामिल होता है, हम उसका स्वागत करते हैं। लेकिन यह एक काल्पनिक सवाल है।

विधानसभा चुनाव से पहले 'आया राम गया राम' की फिर चर्चा

हरियाणा में दलबदलुओं ने बढ़ाया पार्टियों का सिरदर्द

हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही चुनावी हलचल तेज हो गयी है। राज्य में "आया राम, गया राम" की कहावत को सही साबित करते हुए वहां के दल-बदलू नेता पार्टी की परवाह किए बिना, अपने लिए जगह बनाने की तलाश में हैं।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कुछ लोग जहां हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में सीट पाने में कामयाब रहे, वहीं कई अन्य नेता 1 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनावों पर नजर गड़ाए हुए हैं। बुधवार को दो पार्टी हॉपर्स ने सुर्खियां बटोरीं। तोशाम विधायक किरण चौधरी, जिन्होंने जून में कांग्रेस के साथ अपना 45 साल पुराना रिश्ता खत्म कर दिया था। उन्हें भाजपा ने राज्य की खाली राज्यसभा सीट के लिए नामांकित किया था। वहीं दुष्यन्त चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के शाहबाद विधायक राम करण काला कांग्रेस में शामिल हो गए। किरण चौधरी द्वारा भाजपा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ विधानसभा सचिवालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद सैनी ने घोषणा की कि जेजेपी के दो बागी-नरवाना विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा और बरवाला विधायक जोगी राम सिहाग किरण के नामांकन का समर्थन कर रहे हैं। सुरजाखेड़ा और सिहाग दोनों के आने वाले दिनों में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने की संभावना है।

नामांकन की अंतिम तिथि है 12 सितंबर

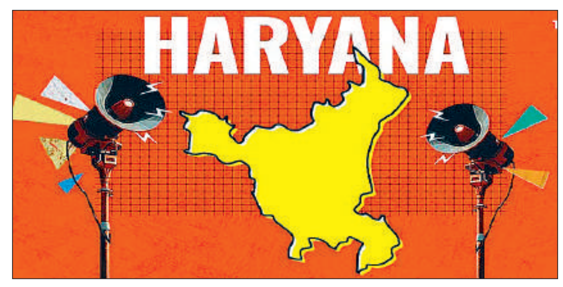

जेजेपी को सबसे ज्यादा नुकसान

नेताओं के पाला बदलने से जेजेपी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। काला, सुरजाखेड़ा और सिहाग के भाजपा में शामिल होने के अलावा, चार अन्य बागियों – नारनौंद विधायक राम कुमार गौतम, उकलाना विधायक अनूप धनक, टोहाना विधायक देवेंद्र सिंह बबली और गुहला विधायक ईश्वर सिंह ने अभी तक अपने अगले कदम की घोषणा नहीं की है। लेकिन उनका झुकाव भाजपा की तरह है।

भाजपा भी दलबदल से अछूती नहीं

सत्तारूढ़ भाजपा भी दलबदल से अछूती नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह और उनके बेटे और हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह अप्रैल में कांग्रेस में शामिल हुए थे। बृजेंद्र हिसार लोकसभा सीट के लिए सबसे आगे थे लेकिन कांग्रेस ने जय प्रकाश को चुना जिन्होंने भाजपा के रणजीत चौटाला को हराया। अब कांग्रेस द्वारा बृजेंद्र को विधानसभा चुनाव में उतारे जाने की संभावना है। भाजपा को देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला के विद्रोह से भी जूझना पड़ सकता है। रंजीत ने कहा है कि चाहे उन्हें बीजेपी का टिकट मिले या नहीं, वह अपनी रनिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

कांग्रेस के लिए भी चुनौती

इस साल मई में, तीन निर्दलीय विधायकों – दादरी से सोमबीर सांगवान, पुंडरी से रणधीर सिंह गोलेन, और नीलोखेड़ी से धर्मपाल गोंदर ने भाजपा से अपना समर्थन वापस ले लिया और कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा की। इस बार उनकी नजर अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कांग्रेस से टिकट पर है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का अहम फैसला

अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ-साथ पूर्व मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों का राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया है। अंतरिम सरकार ने यह कदम विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा इस्तीफा देने और भारत चले जाने के लगभग दो सप्ताह बाद उठाया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' की खबर के मुताबिक गृह मंत्रालय के सुरक्षा सेवा प्रभाग ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी कर बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री के सलाहकारों, पूर्व मंत्रिमंडल के सदस्यों और हाल में भंग की गई संसद के सभी सदस्यों को मिले राजनयिक पासपोर्ट तत्काल रद्द कर दिए जाएंगे।

45 दिन की पात्रता

ढाका से प्रकाशित अखबार 'डेली स्टार' की खबर के मुताबिक भारतीय वीजा नीति के अनुसार राजनयिक या आधिकारिक पासपोर्ट रखने वाले बांग्लादेशी नागरिक वीजा-मुक्त प्रवेश करने और 45 दिन तक रहने के पात्र हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अगस्त में 76 वर्षीय हसीना के देश छोड़कर चले जाने के बाद 12वीं संसद को भंग कर दिया था। वर्तमान में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के कारण पांच अगस्त को इस्तीफा देने के बाद हसीना भारत आ गई थीं।

प्रत्यर्पित करने की बढ़ी आशंका

बृहस्पतिवार को हसीना के भारत में रहते 18 दिन हो गए हैं। सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है कि हसीना के पास उनके नाम से जारी राजनयिक पासपोर्ट के अलावा कोई अन्य पासपोर्ट नहीं है। हसीना के राजनयिक पासपोर्ट और उससे संबंधित वीजा विशेषाधिकारों को रद्द करने से उन्हें प्रत्यर्पित किये जाने की आशंका बढ़ सकती है। बीएसएस की खबर के मुताबिक हसीना का प्रत्यर्पण बांग्लादेश और भारत के बीच हस्ताक्षरित प्रत्यर्पण संधि के कानूनी ढांचे के अंतर्गत आता है।

महिला पहलवान उत्पीड़न केस में पेश हुए बृजभूषण

एजेंसी ▶▶| गोंडा

उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। महिला पहलवानों के उत्पीड़न केस में बृजभूषण शरण सिंह को उपस्थित हुए। यौन शोषण केस में अब सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट की ओर से महिला पहलवानों को बयान दर्ज करवाने के दो विकल्प दिए। विकल्प में कहा गया कि अगर महिला कोर्ट रूम में गवाही देने में सहज हैं तो इसकी इजाजत दी जा सकती है। दूसरा विकल्प कोर्ट रूम में गवाही का था। कोर्ट ने महिला पहलवानों की सहममि के बाद कहा कि उनकी गवाही जज के समाने होगी। इसमें बृजभूषण शरण सिंह के वकील भी शामिल नहीं होंगे। यह बयान कोर्ट रूम के साथ वाले कमरे में दर्ज कराया जाएगा।

■ राउज एवेन्यू कोर्ट में उठा सुरक्षा हटाने का मामला

कोर्ट के इस निर्णय पर बृजभूषण शरण सिंह के वकील ने भी पक्ष रखा। वकील ने कोर्ट को कहा कि महिला पहलवानों की गवाही जज के आगे जरूर हो, लेकिन कोर्ट रुम में गवाह के अलावा दूसरा कोई मौजूद नहीं रहे। सुनवाई के दौरान बृजभूषण सिंह भी कोर्ट में हाजिर रहें।

अमेरिका में बनाया गया 'हिंदू फॉर कमला हैरिस' ग्रुप

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन करने के लिए देश के कुछ हिंदुओं ने मिलकर 'हिंदू फॉर कमला हैरिस' समूह बनाया है। उनका मानना है कि वह भारत, अमेरिका और दुनिया के लिए अच्छी नेता होंगी। 'हिंदू फॉर कमला हैरिस' समूह के संस्थापक सदस्यों ने कहा कि 'कमला देवी हैरिस को अमेरिका की 47वीं राष्ट्रपति' नियुक्त होने में मदद के वास्ते के यह समूह बनाया गया है।

■ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैं भारतीय मूल की कमला

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस (59) ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी औपचारिक रूप से बृहस्पतिवार को स्वीकार कर ली। समूह के एक सदस्य ने कहा, "हमें कमला हैरिस को जीतने में मदद करनी चाहिए। यह अमेरिका, भारत और दुनिया के लिए सबसे अच्छा परिणाम होगा! ट्रंप एक आपदा हैं !'एक अन्य सदस्य ने कहा, ''जीत का एक सरल रास्ता है। दूसरे पक्ष को खारिज किए बिना, हैरिस की उम्मीदवारी को इसलिए समर्थन दें, जिसके लिए वह खड़ी हैं।''

भारत ने कतर के समक्ष उठाया 'गुरु ग्रंथ साहिब' को कब्जे में लेने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने कतर के समक्ष गुरु गोविंद साहिब के पवित्र स्वरूपों को कब्जे में लेने के मामले को उठाया है। इनमें से एक स्वरूप को कतर के अधिकारियों ने वापस लौटा दिया है। जबकि दूसरे स्वरूप को सम्मान के साथ रखने का आश्वासन दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया द्वारा इस मामले पर पूछे गए सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही इस मामले को कतर के समक्ष उठाया है और दोहा में भारतीय दूतावास ने समूचे घटनाक्रम से सिख समुदाय को अवगत कराया है। हम शीघ्र समाधान की आशा करते हैं। दरअसल यह पूरा मामला उस वक्त सामने आया। जब शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर और कतर में भारतीय राजदूत से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की थी।

■ विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी जानकारी

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com रायपुर, शनिवार 24 अगस्त 2024

शाह आज जाएंगे चंपारण, फिर शुरू होगा बैठकों का सिलसिला

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार 24 को सुबह 10 बजे चंपारण में महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम जाएंगे। इसके बाद सुबह 10:30 बजे इंटरस्टेट कोऑर्डिनेशन की बैठक लेंगे। शनिवार को दोपहर 2 से 3 बजे तक छत्तीसगढ़ के पुलिस के अधिकारियों की बैठक लेकर लॉ एंड आर्डर की समीक्षा करेंगे। शाम 4.30 बजे से 6 बजे तक स्टेट डेवलपमेंट रिव्यू मीटिंग लेंगे। रात 8 बजे 7 राज्यों के पुलिस महानिदेशक से वन टू वन चर्चा करेंगे। 25 अगस्त को सुबह ▶शेष पेज 2 पर

नक्सलवाद पर यह कहा पूर्व और वर्तमान गृहमंत्रियों ने

नेताम ने कहा, हम संघर्ष करते रहे कांग्रेस थी केंद्र में नहीं था सहयोग

छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती रमन सरकार के कार्यकाल में गृहमंत्री का दायित्व निभाने वाले तथा मौजूदा सरकार के मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि जब वे गृह मंत्री थे, तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की ▶शेष पेज 2 पर

संचार और विकास के लिए कई बड़े काम किए- पैकरा

गृह मंत्री रहे रामसेवक पैकरा ने कहा कि जब वे गृह मंत्री थे, राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में बहुत से पुलिस कैंप खोलने की शुरुआत की गई थी। इससे सुरक्षा का वातावरण बना। ▶शेष पेज 2 पर

शर्मा ने कहा- शाह दिखाएंगे दिशा

छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा किहम पूरी ताकत से नक्सलियों के खिलाफ लड़ रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ कुशलता और सफलता के साथ हमारी फोर्स मोर्चा ले रही है।अब केंद्रीय मंत्री अमित शाह आ रहे हैं। उनके साथ नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई पर बात करेंगे। ▶शेष पेज 2 पर

नक्सल मुक्ति की ओर छत्तीसगढ़, निर्णायक प्रहार की बनेगी रणनीति, शाह दिखाएंगे दिशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को यहां इंटरस्टेट कोऑर्डिनेशन की बैठक लेंगे और दोपहर 2 से 3 बजे तक छत्तीसगढ़ के पुलिस के अधिकारियों की बैठक लेकर लॉ एंड आर्डर की समीक्षा करेंगे। श्री शाह के इस कदम से राज्य को नक्सल मुक्त बनाने की दिशा में निर्णायक सफलता की उम्मीद है। दरअसल, राज्य में भाजपा सरकार बनने के आठ माह के भीतर ही नक्सल मोर्चे पर ▶शेष पेज 2 पर

जिन गांवों में काला झंडा फहरता था, इस बार तिरंगा लहराया

- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और आक्रामक रणनीति से बैकफुट पर नक्सली
- आठ माह में जवानों ने मार गिराए 146 बड़े नक्सली
- बारिश में भी चल रहा ऑपरेशन मानसून

केंद्रीय गृहमंत्री शाह पहुंचे सीएम साय ने किया स्वागत

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास पर राजधानी रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर केंद्रीय गृहमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू सहित छत्तीसगढ़ मंत्री परिषद के सदस्य, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रायपुर पहुंचे शाह, मुख्यमंत्री ने किया स्वागत।

करोड़ों के ईनामी नक्सली मार गिराए

छत्तीसगढ़ में भाजपा नेतृत्व की सरकार बनने के बाद पुलिस को सबसे बड़ी सफलता इन मायनों में मिली है कि राज्य में सक्रिय कई बड़े नक्सली नेताओं को पुलिस ने अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया है। इनमें कई नक्सली लाखों रुपए के इनामी थे। छत्तीसगढ़ ही नहीं अन्य राज्यों की पुलिस को भी इनकी तलाश थी। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के पहले बस्तर के छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के गांवों में अप्रैल में पुलिस ने एक बड़ी मुठभेड़ में 29 नक्सलियों को मार गिराया था। जानकारों के मुताबिक ये देश की सबसे बड़ी नक्सली मुठभेड़ की घटना थी। इस घटना में नक्सलियों के कई सीनियर कमांडर ढेर हो गए थे। इस मुठभेड़ में नक्सली कमांडर शंकर राव मारा गया था। यह 25 लाख का इनामी नक्सलियों की मिलिट्री इंटेलीजेंस का प्रमुख था। इसी मुठभेड़ में महिला नक्सली ललिता भी मारी गई थी उस पर भी 25 लाख का ▶शेष पेज 2 पर

inh 24x7 छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें TATA PLAY चैनल नं. 1155 airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रुद्रप्रयाग में भूस्खलन से चार मजदूरों की मौत

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के फाटा गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में नेपाल के चार मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिवादन बल ने मलबे से मजदूरों के शव बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि गांव में एक 'खाट गदेरा वर्षा जल तालाब' के पास यह घटना घटी।

महिला पहलवानों की सुरक्षा हटाना मात्र अफवाह

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आज यहां की एक अदालत को बताया कि उसने उन महिला पहलवानों की सुरक्षा वापस लेने के बारे में पैदा हुई गलतफहमी को दूर कर दिया है, जो भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ गवाही देने वाली हैं। बता दें कि विनेश फोगाट ने 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि दिल्ली पुलिस ने पहलवानों की सुरक्षा वापस ले ली है।

पांढुर्ना में बस पलटने से पांच की मौत, 40 घायल

पांढुर्ना। भोपाल से हैदराबाद जा रही एक निजी बस महाराष्ट्र की सीमा से लगे मध्यप्रदेश के नवगठित पांढुर्ना जिले में पलट गई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 40 अन्य लोग घायल हो गए। एसडीओपी बृजेश भार्गव ने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे मोहित घाट पर डिवाइडर से टकराने के बाद बस पलट गई।

भाजयुमो के प्रदर्शन पर अश्रु गैस के गोले, पानी की बौछारें

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन सरकार के कथित अन्याय और 'चुनावी वादों को पूरा न कर पाने के खिलाफ रांची में शुक्रवार को आयोजित रैली के दौरान अवरोधक तोड़ दिए जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें छोड़ीं।

सीएम स्क्वॉड के नाम से मारे छापे, दो गिरफ्तार

भिवानी। हरियाणा में फर्जी मुख्यमंत्री उड़नदस्ता बनाकर पांच जिलों की छह दवा दुकानों पर छापेमारी कर पैसे ऐंठने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि गिरोह के सरगना और दो सदस्यों को दादरी की अपराध अन्वेषण एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीन आरोपी अब भी फरार हैं।

केंद्र ने कहा- एक जुलाई से पूर्व दर्ज अपराधों पर बीएनएस की धारा 479 देशभर में होगी लागू

सजा का एक-तिहाई वक्त हिरासत में काट चुके कैदियों को मिलेगी जमानत

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (बीएनएस) की धारा 479 को 1 जुलाई से पहले दर्ज किए गए सभी विचाराधीन मामलों में लागू किया जाएगा। जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता की बेंच ने देशभर के जेल अधीक्षकों से कहा- वे धारा 479 में दी गई हिरासत की अवधि का एक तिहाई समय पूरा कर चुके कैदियों के आवेदनों पर कार्रवाई करें। इसे 3 महीने के अंदर निपटाएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट देश की जेलों में भीड़भाड़ से निपटने के लिए अक्टूबर 2021 से नजर बनाए हुए है। इस मामले पर खुद ही संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। केंद्र की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष पेश हुए। केंद्र की ओर से पीठ को बताया कि बीएनएसएस की धारा 479, जिसने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436ए का स्थान लिया है, सभी विचाराधीन कैदियों पर लागू होगी, भले ही अपराध एक जुलाई, 2024 से पहले दर्ज किया गया हो। ये कानून 1 जुलाई से प्रभावी हुए थे, जिन्होंने क्रमशः ब्रिटिश कालीन दंड प्रक्रिया संहिता, भारतीय दंड संहिता और 'इंडियन एविडेंस एक्ट' का स्थान लिया है।

- नई धारा ने पुरानी धारा का लिया है स्थान जो इसी साल से हुई है लागू

जेल में बंद लाखों बंदियों को मिलेगी राहत

1 जुलाई से लागू हुए 3 नए कानून

देश में अंग्रेजों के जमाने से चल रहे कानूनों की जगह 3 नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1 जुलाई से लागू हो गए हैं। इन्होंने आईपीसी (1860), सीआरपीसी (1973) और एविडेंस एक्ट (1872) की जगह लाया गया है।

जेलों में आधे कैदी गैर संगीन अपराध के

गृह मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि देश की जेलों में साढ़े पांच लाख कैदी हैं। कैदियों की कुल संख्या में करीब आधे ऐसे गैर संगीन अपराधों के कैदी हैं। गैर संगीन अपराध के अंडर ट्रायल वालों की संख्या 2 लाख है। इनमें ज्यादातर तो अधिकतम सजा से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं।

जेल में बढ़ रही भीड़ से मिलेगी मुक्ति

मामले में न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने इससे पहले पीठ से कहा था कि विचाराधीन कैदियों को हिरासत में रखने की अधिकतम अवधि से संबंधित धारा 479 को जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। धारा 479 में प्रावधान है कि ▶शेष पेज 2 पर

ई-प्रिजन मॉड्यूल की जरूरत पर जोर

मामले में न्यायमित्र के तौर पर काम कर रहे सीनियर वकील विजय हंसारिया ने कैदियों में लॉ अवेयरनेस की कमी का हवाला देते हुए कहा कि दोषियों को बताया नहीं जाता कि वे कानूनी सेवा प्राधिकरण के जरिए अपीलीय अदालतों में जाकर अपने मामले से जुड़ी कमियों ▶शेष पेज 2 पर

सुप्रीम कोर्ट ने जेल अधीक्षकों को दिया निर्देश

शीर्ष अदालत ने इस अभिवेदन पर गौर किया और देश भर के जेल अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे प्रावधान की उपधारा में उल्लिखित अवधि का एक तिहाई पूरा होने पर संबंधित अदालतों के माध्यम से विचाराधीन कैदियों के आवेदनों पर कार्रवाई करें। न्यायालय ने कहा कि कदम यथाशीघ्र, संभवतः तीन महीने के भीतर उठाए जाने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने ओपन जेल का सुझाव दिया था

इसी मामले को लेकर 9 मई को कोर्ट ने कहा था कि ओपन या सेमी ओपन जेल कैदियों को दिनभर जेल परिसर से बाहर काम करने और शाम वापस जेल में लौटने का ऑप्शन देती है। ओपन जेल कैदियों को समाज में घुलने-मिलने और उनके साइकोलॉजिकल प्रेशर को कम करने में भी मदद करेगी। साथ ही कैदियों की आजीविका में भी सुधार करेगा।

अनिल अंबानी पर सेबी ने लगाया पांच साल का बेन 25 करोड़ का जुर्माना भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी तथा रिलायंस होम फाइनेंस के पूर्व प्रमुख अधिकारियों समेत 24 अन्य को कंपनी से धन के हेर-फेर के मामले में प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अंबानी को किसी भी सूचीबद्ध कंपनी या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी इकाई में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय पद (केएमपी) लेने से भी पांच साल के लिए रोक लगा दी है।

अनिल अंबानी के अलावा 24 इकाइयों पर 21 करोड़ रुपये से लेकर 25 करोड़ रुपये तक का जुर्माना ▶शेष पेज 2 पर

- 24 कंपनियों पर भी लगा प्रतिबंध और जुर्माना, शेयर्स हुए धड़ाम!

पूरे मामले पर एक नजर

- अनिल अंबानी और 24 संस्थाओं को सिक्योरिटीज मार्केट से बैन किया
- किसी भी लिस्टेड कंपनी, उसके सहयोगियों के बोर्ड में शामिल नहीं हो सकेंगे
- किसी कंपनी में डायरेक्टर या प्रमुख मैनेजेरियल पद नहीं ले सकेंगे
- सेबी ने अनिल अंबानी पर ये प्रतिबंध 5 साल के लिए लगाया गया
- अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया
- रिलायंस होम फाइनेंस पर 6 महीने का बैन, 6 लाख रुपये का जुर्माना
- साल 2018-19 में आरएचएफएल में वित्तीय गड़बड़ियों के चलते बैन
- सेबी की जांच में कई खामियों का पता चला

युद्ध भूमि यूक्रेन पहुंचे मोदी

पीएम बोले- समस्या का अंत हिंसा नहीं, कूटनीति से संभव

भारतीय समुदाय से भी मिले प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने कीव के एवी फोमिन बॉटनिकल गार्डन में महात्मा गांधी की कांस्य प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस प्रतिमा को महात्मा गांधी की 151वीं जयंती पर स्थापित किया गया था। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की। करीब 200 भारतीयों ने यहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और भारत माता की जय के नारे लगाए। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रीय संग्रहालय का दौरा भी किया।

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच यूक्रेन पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जेलेंस्की से बातचीत के दौरान मोदी ने कहा कि 'युद्ध में भारत का रुख कभी भी न्यूट्रल नहीं था बल्कि वह हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध और हिंसा समस्या का समाधान नहीं हैं और क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। पीएम ने कहा कि भारत शांति स्थापित करने के प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाएगा। यही बात मैंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से भी कही है।

मोदी ने संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास मैरिंस्की पैलेस में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ▶शेष पेज 2 पर

- मोदी मिले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से

युद्ध खत्म करने हमारी साइड ले भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हम चाहते हैं कि युद्ध समाप्त करने के लिए भारत हमारी तरफ आए, न कि कोई बैलेंसिंग कदम उठाए। उन्होंने कहा, 'अगर भारत रूसी तेल नहीं खरीदता है, तो इससे रूसी युद्ध समाप्त हो जाएगा।

'युद्ध से समस्या का समाधान नहीं होता है'

उन्होंने कहा, 'युद्ध से समस्या का समाधान नहीं होता है। दोनों पक्ष आपस में बातचीत शुरू करें। बिना समय गंवाए रूस-यूक्रेन बात करें। शांति के प्रयास में भारत सक्रिय भूमिका निभाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध में भारत का रुख कभी भी न्यूट्रल नहीं था बल्कि वह हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है।

गाय का शिकार करते कैमरे में कैद हुआ तेंदुआ, मेचका जंगल की घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

रिजर्व फॉरेस्ट के ग्राम मेचका में एक तेंदुआ गाय का शिकार करते ट्रैप कैमरा में कैद हुआ है। सीतानदी उदंती टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन ने बताया कि 19 अगस्त की शाम 4:27 बजे वन विभाग के ट्रैप कमरे में एक सीन कैद हुआ है। जिसमें एक तेंदुआ द्वारा गाय का शिकार किया गया।

यह वही मादा तेंदुआ है, जो नगरी क्षेत्र के ग्राम मेचका की पहाड़ी में शिकारियों द्वारा लगाए गए फंदे में फंस गई थी। फंदा तोड़कर मादा तेंदुआ जंगल में भाग गई थी। उल्लेखनीय है कि नगरी क्षेत्र के जंगल में तेंदुए की दहशत बनी हुई है। गत दिनों एक तेंदुआ सिहावा थाना अंतर्गत वन परिक्षेत्र के कोरमुड़ गांव में घर के बाहर खेल रहे 3 साल की मासूम ऋतिक पिता योगेश कमार को उठा ले गया था। 40 घंटे के बाद खोजबीन के दौरान बच्चे का सिर मिला। शेष शरीर नहीं मिला।

घर पर नहीं रख सकेंगे तोता-मैना, हफ्तेभर में छोड़ना होगा अन्यथा दर्ज होगा केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

घरों में तोता-मैना, लव बर्ड्स सहित कई संरक्षित प्रजातियों का पक्षी पालना आसान नहीं होगा। अरसे बाद वन विभाग ने घरों में इन पक्षियों को कैद रखने वालों को हफ्तेभर का अल्टीमेटम दिया है। इन पक्षियों को वन विभाग के सुपुर्द करने कहा है, अन्यथा केस दर्ज करने की चेतावनी भी दी है। इसके साथ ही दुकानों में तोता बेचने वालों के खिलाफ वनबल प्रमुख वी.श्रीनिवास ▶▶शेष पेज 2 पर

अरसे बाद जागा वन विभाग, वन मंडलों को लिखी चिट्ठी

कानून पहले से, सख्ती अब

तोता मैना समेत संरक्षित प्रजाति की पक्षियों को कैद करने पर सजा का प्रावधान है। कानून पहले से बना हुआ है, पर कार्रवाई अब तक नहीं हो रही थी। यही वजह है कि शहर में खुलेआम पक्षियों की बिक्री होती रही है और लोग बिना रोक टोक इसे पालते भी रहे हैं।

शिकायत के लिए नंबर जारी करेंगे

वन अफसर के अनुसार जिन लोगों के घरों में तोता तथा अन्य किसी भी प्रकार की संरक्षित प्रजाति की पक्षी है। इसकी शिकायत करने के लिए हर वनमंडल में मोबाइल नंबर जारी किया जाएगा। जारी किए गए मोबाइल नंबर में ऐसे व्यक्ति जो ▶शेष पेज 2 पर

केंद्र सरकार का दवा कंपनियों को झटका, एफडीसी से हो सकता है इंसानों को खतरा

दर्द, बुखार, सर्दी में इस्तेमाल होने वाली 156 दवाइयों पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुखार, दर्द, सर्दी और एलर्जी जैसी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 156 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगाया है। इन दवाओं में दो या दो से अधिक सक्रिय तत्वों का निश्चित अनुपात में कॉम्बिनेशन होता है, जिन्हें कॉकटेल दवाओं के रूप में भी जाना जाता है। बता दें कि 2016 में भी सरकार ने 344 एफडीसी दवाओं पर रोक लगाई थी, जिनके इस्तेमाल के साइंटिफिक एविडेंस ▶शेष पेज 2 पर

- फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन मेडिसिन को भी कहा जाता है कॉकटेल दवाएं

एफडीसी से हो सकता है इंसानों को खतरा

अधिसूचना में कहा गया है, एफडीसी से इंसानों को खतरा हो सकता है। इसलिए व्यापक जनहित में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 की धारा 26 ए के तहत इस एफडीसी के निर्माण, बिक्री या वितरण पर रोक लगाना जरूरी है। बता दें कि शीर्ष पैनल ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी इन एफडीसी की जांच की सिफारिश की थी।

एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों पर लिया गया फैसला

नोटिफिकेशन में बताया गया कि केंद्र सरकार ने एक एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों के आधार पर यह फैसला लिया, जिसने इन दवाओं को अतार्किक करार दिया। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी इन एफडीसी दवाओं को इलाज के लिए उपयोगी नहीं माना था और इन्हें इंसानों के स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण बताया।

'मौजूद हैं विकल्प'

केंद्र द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, केंद्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवा के इस्तेमाल से इंसानों को खतरा हो सकता है, जबकि उक्त दवा के सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। इसमें कहा गया है कि इस मामले की जांच केंद्र द्वारा नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई थी जिसने इन एफडीसी को तर्कहीन माना था।

पेरासिटामोल 125 एमजी टैबलेट समेत इन दवाओं पर रोक

प्रतिबंधित दवाओं की सूची में 'एसिक्लोफेनाक 50एमजी पेरासिटामोल 125एमजी टैबलेट' शामिल है, जो दर्द निवारक के रूप में काफी लोकप्रिय थी। इसके अलावा 'मेफेनामिक एसिड पेरासिटामोल इंजेक्शन', 'सेटिरिजिन एचसीआई पेरासिटामोल फेनिलएफ्रिन एचसीआई', 'लेवोसेटिरिजिन फेनिलएफ्रिन एचसीआई पेरासिटामोल', 'पेरासिटामोल क्लोरफेनिरामाइन मेलीएट फेनिल प्रोपानोल अमाइन', और 'कैमायलोफिन डाइहाइड्रोक्लोराइड 25 एमजी, पेरासिटामोल 300एमजी' जैसी दवाएं भी शामिल हैं। सरकार ने पेरासिटामोल, ट्रामाडोल, टॉरीन और कैफीन के संयोजन वाली दवाओं पर भी प्रतिबंध लगाया है, जिसमें ट्रामाडोल एक ओपिओइड-आधारित दर्द निवारक दवा है।

चिंतन

यूक्रेन को भारत का संदेश शांति में ही विश्व का हित

यूक्रेन दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ वार्ता में साफ-साफ कहा कि भारत का एक ही पक्ष है, वह है शांति का। भारत शांति का पैगाम लेकर यूक्रेन आया है। इससे पहले जुलाई में जब पीएम मोदी रूस गए थे, तब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता में स्पष्ट कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है, वार्ता से ही समस्या का हल संभव है। रूस और यूक्रेन वर्ष 2022 से युद्धरत हैं। इस दौरान भारत ने अनेक बार दोनों मुल्कों से युद्ध समाप्त कर वार्ता के जरिये मुद्दे सुलझाने की अपील की, लेकिन यूक्रेन जहां अमेरिका व यूरोप के सहयोगी देशों के इशारे पर रूस के साथ युद्ध खत्म करने के तरीकों की खोज नहीं करता, वहीं रूस अमेरिका व कुछेक यूरोपीय देशों की मंशा को समझते हुए अपने कदम पीछे नहीं हटा रहा है। वर्ष 1991 में सोवियत संघ से अलग होने के बाद 33 वर्ष में किसी प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा पर गए पीएम मोदी का यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गर्मजोशी से स्वागत किया, उनके साथ व्यापक वार्ता की, इस दौरान जेलेंस्की भावुक भी हुए। भारत के साथ कृषि, रक्षा, शिक्षा, औषधि व ट्रेड के क्षेत्र में चार समझौते भी हुए, लेकिन पीएम मोदी ने यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए एक-दूसरे से बातचीत की जरूरत पर ही बल दिया। प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की को यूक्रेन में शांति बहाली के लिए 'हर संभव तरीके' से योगदान करने की भारत की इच्छा से अवगत कराया। हालांकि जब मोदी रूस गए थे, तो जेलेंस्की ने तीखी आलोचना की थी व कहा था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता का पुतिन से ऐसे गले लगना शांति वार्ताओं की कोशिशों को झटका है। मोदी ने इस दौरे से जेलेंस्की को भारत के वैश्विक शांति के पक्ष से अवगत कराया है। यूक्रेन वैश्विक शांति सम्मेलन में भारत की भागीदारी जारी रखना चाहता है। जुलाई में पीएम मोदी जब रूस के दौरे पर थे, तब यूक्रेन समेत कुछ पश्चिमी देशों ने इसे तिरछी निगाह से देखा था। ये दौरा ऐसे वक़्त में भी हो रहा है, जब यूक्रेन ने रूस के अंदर कुछ इलाक़ों को अपने नियंत्रण में ले लिया है। माना जा रहा है कि रूस भी जल्द यूक्रेन पर बड़ी कार्रवाई कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने उम्मीद जताई है कि प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने में मदद कर सकती है। युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने रूस से संबंधों को कायम रखा है। ठीक इसी समय में भारत ने पश्चिमी देशों से अपने संबंधों को भी बनाए रखा है। पश्चिमी देशों ने भी भारत पर बहुत ज़्यादा दबाव नहीं डाला या डालने की कोशिश की तो भारत झुका नहीं है। इस वर्ष मार्च में यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा भारत दौरे पर आए थे। युद्ध ख़त्म होने के बाद यूक्रेन दुनिया की सबसे बड़ी कंस्ट्रक्शन साइट बन सकता है और इसके लिए भारतीय कंपनियों को भी बुलाया जा सकता है। भारत की चिंता वैश्विक स्तर पर खाद्य आपूर्ति की भी है, ऐसे में रूस व यूक्रेन में युद्ध का खत्म होना जरूरी है। दरअसल, कूटनीतिक रूप से भारत भू-राजनीतिक स्तर पर तेज़ी से ताक़तवर बन रहा है। रूस व यूक्रेन के बीच जंग शुरू होने के बाद से भारत ने अब तक किसी एक का पक्ष नहीं लिया है। भारत की कूटनीति निष्पक्ष व निरपेक्ष रही है। अब राष्ट्रपति जेलेंस्की को देखना है कि वे यूक्रेन के हित में युद्ध खत्म कर शांति व विकास की राह अपनाते हैं या यूएस व नाटो के हित के लिए युद्ध के परिणाम का इंतजार करते हैं। भारत का संदेश शांति के मार्ग का है।

दो टूक
आर.के. सिन्हा

लेटरल एंट्री पर हंगामा करना गलत

> संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए 'प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों' की तलाश है। न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लेटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया 'पीछे के दरवाजे से भर्ती' है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे ? उन्हें किस आधार पर सरकार में लेटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी?

केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लेटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लेटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लेटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए। बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए 'प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों' की तलाश है।

इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के पद शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक महसूस नहीं की। वैसे भी राहुल गांधी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं। काश, राहुल गांधी को यह पता होता कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से लेटरल एंट्री से मोंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमैन बना दिया था।

उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ. मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है। न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लेटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया 'पीछे के दरवाजे से भर्ती' है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे ? उन्हें किस आधार पर सरकार में लेटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी? अब जान लेते हैं कि लेटरल एंट्री होता क्या है?

दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लेटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लेटरल एंट्री करने वाले

व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके। यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थी : संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं।

लेटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना। यूपीएससी में लेटरल एंट्री स्कीम में प्राइवेट सेक्टर में 15 साल काम करने के एक्सपीरियंस वाले आवेदन कर सकते थे। यह लेटरल एंट्री का विचार नया नहीं है। 2005 में कांग्रेस सरकार के समय वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में एक कमीशन बना था जिसने सरकार को सुझाव दिया था। 2017 में नीति आयोग ने अपने तीन वर्षीय कार्य एजेंडा में और शासन पर सचिवों के क्षेत्रीय समूह (एसजीओएस) ने फरवरी में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में केंद्र सरकार की नौकरशाही में मध्यम और वरिष्ठ प्रबंधन पदों के लिए अखिल भारतीय सेवाओं से बाहर के कर्मियों की भर्ती की सिफारिश की थी। ये लोग डोमेन विशेषज्ञ होंगे और निजी कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र की उपयोगिताओं और राज्य सरकारों से हो सकते हैं। पहली लैटरल-एंट्री भर्ती एनडीए सरकार के तहत 2018 में हुई थी। लेटरल एंट्री की भर्ती में आरक्षण लागू नहीं होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नौकरशाही में लेटरल एंट्री एकल-कैडर नियुक्तियां हैं, जिन पर आरक्षण लागू नहीं होता है, केंद्रीय मंत्री ने 2019 में राज्यसभा को बताया था।

आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खड़गे जी कह रहे हैं कि लेटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लेटरल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लेटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लेटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है। इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं।

दरअसल, यह तो कहना पड़ेगा कि देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष मखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जाएगा।

(लेखक स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

बाढ़
पंकज चतुर्वेदी

भूमि कटाव से संकट में असम का अस्तित्व

बाढ़ तो असम में सदियों से चार महीने डेरा डाले रही है फिर भी वहां नदी से डर कर पलायन नहीं हुआ। बीते कुछ दशकों के दौरान पानी के बढ़ते भूमि कटाव ने इस राज्य में नए किस्म का विग्रह पैदा कर दिया है। असम में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे गांव-कस्बे साल दर साल सिकुड़ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के गहराते संकट के चलते जब बारिश और गर्मी के अतिरेक व हिमनद पर निर्भर नदियों में अनियमित और बेमौसम तेज प्रवाह के चलते तटों का घुलकर पानी में समा जाना, बेहद गंभीर पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक स्थिति को उपजा रहा है। इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के हाल ही के अंक 17 में केवल 'मोरईगांव' जिले में नदी से हो रहे कटाव के आंकड़ों का जो विश्लेषण किया गया है, उससे साफ जाहिर होता है कि जिले का बड़ा हिस्सा नदी उदरस्थ कर चुकी है और कोई बड़ी बात नहीं कि जल्दी इसका नामों-निशान मिट जाए। आंकड़े बताते हैं कि इस जिले में नदी के बाएं तट पर सालाना भूमि कटाव 81. 54 मीटर है जबकि दायें तट पर हर साल 83.59 मीटर धरती कट कर नदी में समा रही है। यहां कटाव के चलते नदी तेजी से अपनी राह बदल रही है और यह खेत,घर और सरकारी इमारतों को तबाह करती जा रही है। सदियों पहले नदियों के साथ बहकर आई जिस मिट्टी ने कभी असम राज्य का निर्माण किया, अब वही द्रुत, व्यापक जलधाराएं इस राज्य को बाढ़ व भूमि कटाव से श्रापित कर रही हैं।

इस साल बरसात की शुरुआत में ही डिब्रूगढ़ जिले में ऐथन के पास तिनखानग, माटिकाता में जमीन नदी में समा गई। करीमगंज जिले के बराईगांव का अस्तित्व भी संकट में है। वैसे असम की लगभग 25 लाख आबादी ऐसे गांवो में रहती है जहां हर साल नदी उनके घर के करीब आ रही है। दुनिया का सबसे बड़ा नदी-द्वीप माजुली का अस्तित्व ब्रह्मपुत्र व उसकी सखा-सहेली नदियों की बढ़ती लहरों से मिट्टी क्षरण या तट कटाव की गंभीर समस्या के चलते ही खतरे में हैं। हाल ही में रिमोट सेंसिंग से किए गए एक सर्वेक्षण में ब्रह्मपुत्र के अपने ही किनारों को निगलने की भयावह तस्वीर सामने आई हैं। सन 2019 में संसद में एक प्रश्न के उत्तर में जल संसाधन राज्य मंत्री रतनलाल कटारिया ने जानकारी दी थी कि अभी तक राज्य में 86536 लोग कटाव के चलते भूमिहीन हो गए। सोनितपुर जिले में 27,11 लोगों की जमीन नदी में समा गई तो मोरीगांव में 18,425, माजुली में 10500, कामरूप में 9337 लोग अपनी भूमि से हाथ धो बैठे हैं। पिछले 50 सालों के दौरान नदी के पश्चिमी तट की 758.42 वर्ग किलोमीटर भूमि बह गई। इसी अवधि में नदी के दक्षिण किनारों का कटाव 758.42 वर्ग किमी रहा।

भारत सरकार की एक रिपोर्ट बताती है कि असम में नदी के कटाव को रोकने के लिए बनाए गए अधिकांश तटबंध जर्जर हैं और कई जगह पूरी तरह नश्ट हो गए हैं। एक मोटा अनुमान है कि राज्य में कोई 4448 किलोमीटर नदी तटों पर पक्के तटबंध बनाए गए थे ताकि कटाव को रेका जा सके लेकिन आज इनमें से आधे भी बचे नहीं हैं। बरसों से इनकी मरम्मत नहीं हुई, वहीं नदियों ने अपना रास्ता भी खूब बदला। भूमि कटाव का बड़ा कारण राज्य के जंगलों व आर्द्र भूमि पर हुए अतिक्रमण भी हैं। सभी जानते हैं कि पेड़ मिट्टी का क्षरण रोकते हैं और बरसात को भी सीधे धरती पर गिरने से बचाते हैं। आर्द्र भूमि पानी की मात्रा को बड़े स्तर पर नदी के जल-विस्तार को सोखते थे। राज्य की हजारों पुखरी-धुबरी नदी से छलके जल को साल भर सहेजते थे। दुर्भाग्य है कि ऐसे स्थानों पर अतिक्रमण का रोग ग्रामीण स्तर पर संक्रमित हो गया और तभी नदी को अपने ही किनारे काटने के अलावा कोई रास्ता नही दिखा। बेशक असम की भौगोलिक स्थिति जटिल है और वहां आने वाली तेज बाढ़ का असली कारण उसके पड़ोसी राज्य के पहाड़ों से आने वाला पानी का तेज बहाव है। चीन ने भी अपने कब्जे वाले ब्रह्मपुत्र के उद्गम पर कई विशाल बांध बनाए हैं और जैसे ही वहाँ क्षमता के अनुरूप पानी एकत्र हो जाता है, पानी को अनियमित तरीके से छोड़ दिया जाता है।

नदियों का अपना बहाव और फिर साथ में बांध से छोड़ा गया जल, इनकी गति तेज होती है और इससे जमीन का कटाव होना ही है। आज जरूरत है कि असम की नदियों में ड्रेजिंग के जरिये गहराई को बढ़ाया जाए। इसके किनारे से रेत उत्खनन पर रोक लगे। सघन वन भी कटाव रोकने में मददगार होंगे। असम का अस्तित्व बचाने के लिए उसके तटों की सुरक्षा के लिए दूरगामी योजना अनिवार्य है, जो यहां के जल और जन दोनों को बचा सके।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

समय के साथ 'धर्म व अध्यात्म' के अर्थ बदलते जा रहे

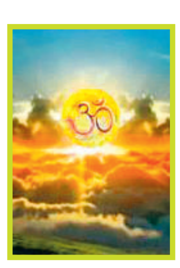

संकलित
दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है-फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

संकलित
प्रेरणा

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास जी लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास जी बोले कि मेरे राम को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिरे या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अशांत मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

अंतर्मन

आज की पाती

अंतरिक्ष की ओर बढ़ते भारत के कदम

23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 को चांद पर इसरो ने उतारकर देश का मान बढ़ाया था। इसी तारीख को यादगार बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को अब राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की घोषणा की और जहां चंद्रयान-3 का मून लैंडर उतरा है, उस जगह को शिवशक्ति का नाम दिया। चंद्रयान-3 को संचालित करने में हमारे देश की महिला वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने जो भूमिका निभाई, उसने उन लोगों को आईना दिखाया जो बेटियों को कमजोर समझते हैं। चंद्रयान-2 की असफलता के बाद इसरो के वैज्ञानिकों ने नए सिरे से काम किया और चंद्रयान-3 को चांद पर स्थापित कर दिया। **- वैभव डांगे**, भिलाई

ट्रेंड

श्रद्धांजलि अर्पित की

मैंने कीव में मार्टिरोलॉजिस्ट प्रदर्शनी में श्रद्धांजलि अर्पित की। संघर्ष विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए विनाशकारी है। मेरी संवेदना उन बच्चों के परिवारों के साथ है जिन्होंने अपनी जान गंवाई, और मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अपना दुख सहने की शक्ति मिले।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

आज प्रथम 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर हमारे मेधावी वैज्ञानिकों का अभिनंदन, जिन्होंने भारत को विश्व के नक्शे पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। आप सभी को ढेरों बधाई और शुभकामनाएं !
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र.

मिलकर अच्छा लगा

मैरी कॉम दीदी, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। आपकी शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद और आइए जल्द ही एक संयुक्त वर्कआउट सेशन की योजना बनाएं।
-मनु भाकर, ओलंपिक पदक विजेता

वह एक विवाद

कोई याद नहीं रखेगा, आपकी सबसे लोकप्रिय फिल्म, आपके कितने फॉलोअर्स थे , आपकी ली गई पपराज़ी तस्वीरों की संख्या, लोग याद रखेंगे- वह एक विवाद।
-पूनम पांडे, मॉडल व अभिनेत्री

करंट अफेयर

जर्मनी में नाटो के 'एयर बेस' पर सुरक्षा बढ़ाई गई

पश्चिम जर्मनी में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के 'एयर बेस' पर 'संभावित खतरे' की खुफिया सूचना के मद्देनजर इसकी सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और मिशन के लिए गैर-जरूरी सभी कर्मचारियों को एहतियात के तौर पर घर भेज दिया गया है। नाटो ने यह जानकारी दी है। नीदरलैंड की सीमा के पास गिलेनकिर्चेन एयर बेस वह जगह है, जहां नाटो के 'एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम' (अवाक्स) विमान हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर नाटो अवाक्स बेड़े के हैंडल से बृहस्पतिवार को जारी एक पोस्ट में कहा गया है, ''हमने सुरक्षा स्तर बढ़ा दिया है।'' हालांकि संभावित खतरे की प्रकृति के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया।

इसमें कहा गया कि ''ऑपरेशन योजना के अनुसार जारी है।'' गिलेनकिर्चेन बेस ने शुक्रवार को कहा कि उसके पास इसके अलावा जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कुछ नहीं है और 'फिलहाल स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।' जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने कहा कि एक रिपोर्टर ने 'एयर बेस' के मैदान पर पुलिस की गाड़ियां देखीं। पिछले हफ़्ते, कोलोन के पास स्थित एक प्रमुख जर्मन वायुसेना बेस को इस आशंका के बीच कई घंटों तक बंद रखा गया था कि संभवत: इसकी जलापूर्ति में छेड़छाड़ की गई है।

ऑफ बीट

'हमेशा रहने वाले रसायन' से हमें क्या मुक्ति मिलेगी

वातावरण में हमेशा बने रहने वाले रसायन, जिन्हें तकनीकी रूप से पॉली-फ्लोरो एल्किल पदार्थ (पीएफएएस) के रूप में जाना जाता है, को कैंसर से जोड़ा गया है। यह हमारे जल में उनकी व्यापक उपस्थिति को विशेष रूप से चिंताजनक बनाता है। लेकिन वास्तव में किस प्रकार के रसायनों को 'हमेशा रहने वाले रसायन' माना जाता है? और हमें उनके बढ़ते ख़तरे से कैसे निपटना चाहिए? एक विस्तृत समूह शब्द 'फॉरएवर केमिकल्स' एक विकसित परिभाषा के साथ रासायनिक यौगिकों के एक विस्तृत समूह को संदर्भित करता है। अपने पानी, तेल और दाग-प्रतिरोधी गुणों के कारण इनका उपयोग रोजमर्रा के कई उत्पादों, जैसे मेकअप, कुकवेयर और कपड़ों में किया जाता है। 2018 में, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के नेतृत्व में एक समूह ने परिभाषा को अद्यतन किया, जिसमें लगभग 5,000 रासायनिक पदार्थ शामिल किए गए। जनवरी 2023 में, पांच यूरोपीय देशों से पीएफएएस की पूरी श्रेणी पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव में 10,000 से अधिक रसायन शामिल थे। हालाँकि, सिडनी वॉटर की हालिया रिपोर्ट में मुख्य रूप से तीन प्रसिद्ध प्रकार के /"हमेशा रहने वाले रसायन/" शामिल हैं। इसलिए, /"फॉरएवर केमिकल्स/" - या पीएफएएस - का उपयोग करने से कई जटिलताएँ दूर हो जाती हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से **aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

रायपुर

शनिवार, 24 अगस्त 2024

भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी
वर्ष : 23, अंक : 37
पृष्ठ : 12+4+4 = 20, मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 31.2
न्यून. 23.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

04
महिला सुरक्षा के लिए उठाई आवाज

विचार पेज
लेटरल एंट्री पर हंगामा करना गलत

डहरिया
गुरु वंश में जन्म लेने वाला हर कोई गुरु बनने के काबिल नहीं

रुद्र कुमार
डहरिया को सतनामी समाज की गुरु परंपरा की समझ नहीं

खास खबर

डहरिया बोले- सतनामी समाज में खत्म हो गुरु प्रथा, गुरु रुद्र कुमार भड़के, खुशवंत ने दे डाली इलाज कराने की सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में बाबा गुरु घासीदास के मनखे मनखे एक समान की विचारधारा पर विश्वास करने वाले सतनामी समाज में पूर्व मंत्री शिव डहरिया के बयान ने नई बहस छेड़ दी है। पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने गुरु प्रथा को खत्म करने की बात कही। उन्होंने दावा किया कि समाज के 80 से 90 फीसदी लोग चाहते हैं कि गुरु परंपरा खत्म हो। समाज की आस्था बाबा गुरु घासीदास में है। ▶▶|शेष पेज 2 पर

सतनामी समाज के सिर्फ एक गुरु

पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा कि सतनामी समाज के सिर्फ एक गुरु हैं, वह बाबा गुरु घासीदास जी हैं। उनमें सभी की आस्था है। इसीलिए समाज के जो पढ़े लिखे लोग हैं, वे गुरु प्रथा बंद करने के पक्षधर हैं। जहां तक बलौदाबाजार हिंसा मामले में जो गुरुओं की बात कर रहे हैं, वे अवसरवादी हैं। कांग्रेस की सरकार थी तो कांग्रेस के साथ थे, बाद में भाजपा में चले गए।

सतनामी समाज गुरु प्रधान

शिव डहरिया के बयान पर पूर्व मंत्री और सतनामी समाज के गुरु रुद्र कुमार जमकर भड़के। उन्होंने कहा कि सतनामी समाज गुरु प्रधान समाज है। बाबा गुरु घासीदास के बनाए नियमों पर समाज चलता है। समाज मूर्ति पूजा नहीं करता। गद्दी की पूजा की जाती है और जैतखाम को बाबाजी का प्रतीक माना जाता है। शिव डहरिया को सतनामी समाज, गुरु परंपरा की समझ नहीं है।

मानसिक स्थिति ठीक नहीं

पूर्व मंत्री शिव डहरिया के बयान पर भाजपा विधायक और सतनामी समाज के गुरु खुशवंत साहेब ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि शिव डहरिया का दो चुनावों में हार के बाद मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। इसलिए वे सतनामी समाज का अपमान कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

जेल में ही रहेंगे केजरीवाल जमानत पर 6 को सुनवाई

नई दिल्ली। शराब नीति मामले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। उनकी जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज होने वाली सुनवाई 5 सितंबर तक टल गई है। केजरीवाल की जमानत याचिका और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर अब 6 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी।

रिजॉर्ट की छत गिरने से ठेकेदार सहित पांच की मौत

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में तेज बारिश के बाद चोरल क्षेत्र में एक रिजॉर्ट के निर्माणाधीन कॉटेज की छत का स्लैब गिरने के कारण मलबे में दबने से एक ठेकेदार और चार मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाई शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि कार्य के दौरान हाल ही में सीमेंट-कंक्रीट की छत की स्लैब भरी गई थी और वहां काम कर रहे पांच लोग इसके नीचे सो गए थे।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, आरोपी ने लिया यू-टर्न, बोला- मैं निर्दोष हूं, जांच में करूंगा सहयोग

आरोपी, पूर्व प्रिंसिपल व डिनर में मौजूद डॉक्टरों का होगा पॉलीग्राफी टेस्ट, बयानों में विरोधाभास

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में लेडी डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या करने के बाद आरोपी संजय रॉय ने यू टर्न ले लिया है। उसका कहना है कि वो पूरी तरह से निर्दोष है। वो इस मामले की जांच कर रही सीबीआई को हर तरह से सहयोग देने के लिए तैयार है, ताकि असली अपराधी पकड़ा जा सके। आरोपी के इस बयान के बाद अब सीबीआई आरोपी समेत 6 का पॉलीग्राफी टेस्ट कराएगी। इनमें कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के अलावा पीड़ित डॉक्टर के साथ 8 अगस्त की रात डिनर करने वाले 4 डॉक्टर भी शामिल हैं। बता दें कि सीबीआई की हिरासत में आए अस्पताल के पांच स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए जा रहे अलग-अलग बयानों के बाद पॉलीग्राफी टेस्ट का निर्णय लिया गया है।

लेडी डॉक्टर के साथ हैवानियत करने के आरोपी संजय रॉय का यू-टर्न हैरान कर देने वाला है क्योंकि गिरफ्तारी के बाद उसने खुद अपना गुनाह कबूल किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इम मामले में अहम सुनवाई के दौरान कोलकाता पुलिस की ▶▶|शेष पेज 2 पर

इन लोगों ने सबूतों से छेड़छाड़ की या नहीं सीबीआई लगाएगी पता

पूछताछ में आरोपी ने कबूला था अपना गुनाह

बता दें कि पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान उसने कहा था, हां मैंने अपराध किया है, मुझे फांसी दे दो। संजय रॉय की वकील कबीता सरकार का कहना है कि वो इस अपराध में शामिल नहीं है। इसलिए किसी भी तरह के टेस्ट के लिए तैयार है। इस मामले की सभी जांच में सहयोग करेगा। गौरतलब है कि शुक्रवार को सीबीआई ने मुख्य आरोपी संजय रॉय को सियालदह की स्पेशल कोर्ट ने पेश किया। जहां कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सुनवाई के दौरान ही संजय पॉलीग्राफी टेस्ट के लिए भी तैयार हो गया था।

वकील बोलीं- आरोपी को मैंने राजी किया टेस्ट के लिए

संजय रॉय की वकील कबीता सरकार ने मीडिया से बातचीत में कहा जब संजय की पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए सहमति ली गई, तब मैं वहां मौजूद थी। उसने टेस्ट के लिए अपनी सहमति दे दी थी। मैंने उसे व्यक्तिगत रूप से समझाया कि पॉलीग्राफ टेस्ट क्या होता है। इसके बाद वो जांच में सहयोग करने सहमत हो गया।

सीबीआई ने कहा- इसलिए कराया जा रहा पॉलीग्राफ टेस्ट

सीबीआई को कुछ और मेडिकल रिपोर्ट्स मिले हैं, इसलिए सीबीआई उनके बयानों को कंफर्म करना चाहती है। हालांकि ये लोग इस वारदात में शामिल नहीं लगते हैं। सीबीआई यह पता लगाना चाहती है कि क्या इन 4 लोगों ने सबूतों से छेड़छाड़ की या किसी और साजिश में शामिल तो नहीं हैं।

इन सवालों को लेकर जांच कर रही सीबीआई

डॉक्टर रेप-मर्डर केस की जांच कर रही सीबीआई की जांच के घेरे में कई सवाल हैं। सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि इस अपराध को बिना किसी बाधा के सेमिनार हॉल में अंजाम दिया गया। उस हॉल के दरवाजे का टॉवर बोल्ट टूटा हुआ मिला। सीबीआई यह भी पता लगाने की कोशिश में है कि क्या कोई दूसरा शख्स सेमिनार हॉल के बाहर तैनात था। इसकी पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। अधिकारी इसकी जांच भी कर रहे हैं कि जब घटना को अंजाम दिया जा रहा था, तो सेमिनार हॉल के अंदर से कोई आवाज क्यों नहीं सुन सका।

चारों के बयानों में विरोधाभास

सेमिनार रूम के सामने ही स्लीप रूम है, जहां डॉक्टर आराम करते हैं। उस रात पॉलीसोम्नोग्राफी टेस्ट चल रहा था, जो 1.30 बजे से 2 बजे तक चला। इसके बाद अर्का और सौमित्र स्लीप रूम में चले गए, जबकि पीड़िता सेमिनार रूम में आराम करने लगी। गुलाम ने 2.45 बजे तीसरी मंजिल पर जाने की बात कही, जबकि सुभदीप ने कहा कि वह इंटर्न रूम में था। तीनों कमरे सेमिनार हॉल, स्लीप रूम और इंटर्न रूम तीसरी मंजिल पर एक दूसरे के आसपास हैं।

शिवपुर चरचा नपा अध्यक्ष लालमुनी की कुर्सी छिनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बैकुण्ठपुर

जिले की शिवपुर चरचा नगर पालिका की अध्यक्ष लालमुनी यादव की कुर्सी अविश्वास प्रस्ताव में चली गई है। 23 अगस्त को सुबह से नगर पालिका क्षेत्र में गहमागहमी की स्थिति बनी हुई थी। दोपहर 12 बजे के बाद अविश्वास प्रस्ताव के सम्मिलन में वोटिंग की प्रक्रिया चुनाव अधिकारी और अपर कलेक्टर ▶▶|शेष पेज 2 पर

- 15 पार्षदों की नगर पालिका में 12 वोट अध्यक्ष के खिलाफ पड़े

स्वास्थ्य मंत्री व विधायक रहे मौजूद

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वयं नगर पालिका शिवपुर चरचा क्षेत्र में पहुंच कर अविश्वास प्रस्ताव पर नजर बनाए हुए थे। इस परिणाम पर उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के ▶▶|शेष पेज 2 पर

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर बेचते महिला कांस्टेबल पकड़ाई

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

उत्तरप्रदेश में 60244 पदों के लिए पुलिस की सिपाही भर्ती परीक्षा आज से शुरू हो गई है जो 31 अगस्त तक चलेगी। गोरखपुर में महिला कांस्टेबल समेत 4 को एसटीएफ ने उठाया है। महिला कांस्टेबल के मोबाइल पर 5 प्रवेश पत्र मिले हैं। पूछताछ चल रही है। बता दें कि गुरुवार को कुछ व्हाट्सऐप ▶▶|शेष पेज 2 पर

- पेपर लीक की अफवाह पर एफआईआर, 31 अगस्त तक चलना है परीक्षा

फरवरी में लीक हो गया था पेपर

बता दें कि यूपी पुलिस भर्ती का पेपर फरवरी 2024 में लीक हो गया था। पुलिस अभ्यर्थियों ने सरकार से परीक्षा रद्द करने की मांग की थी। सरकार ने पेपर रद्द कर दिया था। जिसके बाद अब पुलिस भर्ती की परीक्षा 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को आयोजित की जा रही है। प्रशासन और पुलिस ने एग्जाम को लेकर कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए हैं।

बैज और डॉ. महंत भी गए थे साथ

पायलट जेल में मिले देवेंद्र से कहा- षड्यंत्र के तहत गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने शुक्रवार को रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचकर वहां बंदी कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत भी मौजूद थे। कांग्रेस विधायक को पिछले दिनों बलौदाबाजार ▶▶|शेष पेज 2 पर

विधायक की गिरफ्तारी से गरमाई है राजनीति

भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी को लेकर राज्य कांग्रेस की राजनीति गरमाई है। इस मामले को लेकर कांग्रेस शनिवार को एक बड़ा प्रदर्शन और आंदोलन करने की तैयारी में है। जेल में मुलाकात के बाद कांग्रेस की एक बैठक राजीव भवन में की गई। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी भी मौजूद थे। बैठक में शनिवार के प्रदर्शन को लेकर ▶▶|शेष पेज 2 पर

13 छात्राओं के यौन शोषण के मुख्य आरोपी ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में फर्जी राष्ट्रीय कैडेट कोर शिविर लगाकर 13 छात्राओं के साथ कथित यौन शोषण के मुख्य आरोपी शिवरामन ने शुक्रवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। शिवरामन को मेडिकल जांच के लिए सलेम सरकारी अस्पताल में लाया गया था, जहां पुलिस से भागने के प्रयास के दौरान वह गिर गया और उसका पैर फ्रैक्चर होने के कारण भर्ती था।

- लगाया था फर्जी एनसीसी शिविर

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया 90 लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

डीजीसीए ने एअर इंडिया पर नॉन क्वालिफाइड क्रू मेंबर्स के साथ फ्लाइट ऑपरेट करने के लिए 90 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एअर इंडिया के ऑपरेशन डायरेक्टर पर 6 लाख रुपए और ट्रेनिंग डायरेक्टर पर 3 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

- नॉन-क्वालिफाइड क्रू के साथ ऑपरेट की उड़ान

उड़ान में हुई गंभीर चूक डीजीसीए ने उठाए सवाल

डीजीसीए की रिपोर्ट के अनुसार, एअर इंडिया ने एक ऐसी फ्लाइट ऑपरेट की जिसके पायलट और क्रू मेंबर पूरी तरह से ट्रेंड नहीं थे। डीजीसीए ने इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन माना है। एयर इंडिया में नॉन क्वालिफाइड क्रू मेंबर मिलने की इस बड़ी चूक के लिए एअर इंडिया को चेताया गया है। कंपनी को अपनी सुरक्षा प्रक्रियाओं को और मजबूत करने का निर्देश दिया है।

हत्यारे ने कहा- अक्षत ने खुद दी थी अपनी हत्या की सुपारी

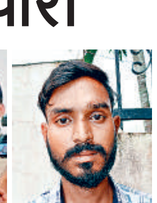

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

अक्षत केडिया हत्याकांड में पुलिस की जांच आरोपी के बयान पर ही आकर टिक गई है। अक्षत के हत्यारे ने पुलिस बयान में कहा है कि अक्षत ने ही खुद अपनी हत्या की सुपारी उसे दी थी। आरोपी के इस बयान पर न पुलिस को यकीन है और न ही परिवार के सदस्य विश्वास कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस ▶▶|शेष पेज 2 पर

की जा रही जांच

आखिर वह खुद की सुपारी क्यों देगा, परिजन के भी आरोपी के बयान पर यकीन नही है। सभी बिंदुओं पर जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई है। आरोपी को रिमांड में लेकर पूछताछ के जाएगी।

- योगेश पटेल
एसपी, सरगुजा

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP. Black glass on the vehicle is due to lighting effect.

SKY AUTOMOBILES
RAIPUR: MAHOBA BAZAR: CALL: 9893307422,9584433191. AVANTI VIHAR: CALL: 9109900120, 9584433131. DHAMTARI: CALL: 9893307417. BALODA BAZAR: CALL: 9584433123, 9111107004. SARAIPALI: CALL: 9584433874. KANKER: 8889998604. KASDOL: 9584433135. SARSIWA: 9584433874. TILDA: 9584465301. KHARORA: 9584465301. ABHANPUR: 9584466869. JAGDALPUR: 9584433110, 9584465281. KONDAGAON: 7909903505.

SPARSH AUTOMOBILES
RAIPUR: PACHPEDI NAKA: CALL: 9669800435, 9039632618. MAHASAMUND: CALL: 8319900585. RAJIM: CALL: 9926104449. BHATAPARA: CALL: 8269428131. GARIYABAND: 8435119922. PITHORA: 8224949998. CHARODA: CALL: 9644824911. DURG: CALL: 6202384986. RAJNANDGAON: CALL: 9977039992. DONGARGARH: CALL: 9827643832. BHILAI: CALL: 9111107268, 9294603353. KHAIRAGARH- 9827643832.

VISHWABHARTI AUTOMOBILES
RAIPUR: MOWA: 6262620000, 6262620012, 6262620047. BASNA: 6262620031. ARANG: 6262620007/14.

HDN MOTORS
RAIPUR: TATIBANDH: CALL: 7909800007, 7909800005. BAGBAHRA : 7909800034. KURUD: 7909800050. SIMGA: 7909800070.

CHOUHAN AUTOMOBILES
BHILAI: 7222910011, 22, 33. KAWARDHA: 7222910044. BEMETERA: 7222910025. BALOD: 7222910012. DALLIRAJHARA: 7222910029

*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/ variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. **Terms and conditions apply. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 31st August, 2024.

जैकेट के शेष

नक्सल मुक्ति की ....

जो सफलताएं मिली हैं, उसमें केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में श्री शाह का सशक्त मार्गदर्शन भी शामिल है। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और आक्रामक रणनीति ने नक्सलियों को बैकफुट पर धकेल दिया है। आठ माह में पुलिस और सुरक्षा बलों ने 146 से अधिक बड़े नक्सलियों को मार गिराने में सफलता हासिल की है। राज्य ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा चक्र को मजबूत बनाने के लिए 32 कैंप खोले हैं और जल्द ही 29 नए कैंप खोलने की तैयारी में है।

नक्सल प्रभावित अन्य राज्यों को मिलेगा बल : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान देश के सात नक्सल प्रभावित राज्यों के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिवों के साथ भी बैठक कर चर्चा करेंगे और प्रभावित राज्यों में नक्सल खात्मे की रणनीति पर काम करेंगे। इस इंटरस्टेट को-आर्डिनेशन कमेटी की बैठक में नक्सल प्रभावित राज्यों में सुरक्षा और विकास को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। माना जाता है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के सबसे बड़ी सफलता नक्सलियों के क्षेत्रों में सुरक्षा कैंपों की स्थापना करना है। जिस तरह छत्तीसगढ़ में 32 नए सुरक्षा कैंप शुरू किए गए तथा 29 नए कैंप खोलने की तैयारी है, वैसी ही रणनीति अन्य प्रभावित राज्यों के लिए बनाई जाएगी।

फोर्स नक्सल क्षेत्र में है सक्रिय : छत्तीसगढ़ के नक्सल मोर्चे पर पुलिस और सुरक्षा बलों की सफलता और क्षमता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के सबसे दुर्गम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब पुलिस घुस चुकी है। यही नहीं, दुर्दांत नक्सली नेता हिड़मा के गांव तक पुलिस की पैठ बन चुकी है। पुलिस की यह सबसे बड़ी कामयाबी मानी जाएगी कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नक्सली जहां काले झंडे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया करते थे, वहां अब गांव-गांव में तिरंगा लहरा रहा है। माना जा रहा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आक्रामक रणनीति और दृढ़ता के भाव की वजह से यह सफलता मिली है।

शाह आज जाएंगे ....

11 बजे से 12.30 बजे तक नारकोटिक्स रिव्यू मीटिंग लेंगे, इस दौरान एनसीबी के नए कार्यालय का शुभारम्भ करेंगे। दोपहर 3.50 बजे दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

करोड़ों के ईनामी ....

इनाम था। इधर हाल ही में जून में नारायणपुर अबूझमाड़ क्षेत्र में पुलिस ने आठ नक्सलियों को मार गिराया था। खास बात ये है कि पुलिस ने मारे गए नक्सलियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार, उनके खाने-पीने के सामान, दवाएं और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की थी। सबसे अहम यह भी है कि पुलिस ने अधिकांश नक्सल मुठभेड़ की घटनाओं के बाद नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। इस बरामदगी से पुलिस की सफलता सिद्ध होती है।

नेताम ने कहा, ...

सरकार थी। केंद्र सरकार ने राज्य की नक्सल समस्या हल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाए। सबसे बड़ी बात ये रही कि उस दौर में कांग्रेस सरकार ने राज्य सरकार को नक्सल समस्या हल करने के लिए अपेक्षित सहयोग नहीं दिया। तत्कालीन रमन सरकार ने अपनी इच्छा शक्ति के बल पर राज्य सरकार को कई सफलताएं मिलीं। आज खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नक्सल समस्या को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं। मोदी-शाह के मार्गदर्शन के आधार पर प्रदेश सरकार निर्णायक कदम उठा रही है। इसका परिणाम जल्द दिखाई देगा।

संचार और विकास के लिए....

इसके साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में विकास के लिए सड़कें बनाई गईं। नक्सलियों पर दबाव बढ़ाए जाने की वजह से बड़ी संख्या में समर्पण भी हुआ। लेकिन इसके अलावा ये महत्वपूर्ण बात है कि नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र में संचार की व्यवस्था मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में मोबाइल टावर बनाए गए। श्री पैकरा ने कहा कि अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस मुद्दे पर बात करने यहां आ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार को चिंता है। उम्मीद है कि राज्य में नक्सल समस्या समाप्त होगी।

शर्मा ने कहा- शाह ....

आत्मसमर्पण के लिए उचित माहौल बनाने और लॉ एंड ऑर्डर सभी मुद्दों पर चर्चा उनसे की जाएगी। पड़ोसी राज्यों के सीएम और डीजी आ रहे हैं। रणनीति तैयार की जाएगी। उम्मीद है कि देश नक्सलवाद से जल्द मुक्त होगा।

जेल में बढ़ ...

यदि कोई व्यक्ति, किसी विशेष कानून के तहत किसी अपराध के लिए तय सजा का एक तिहाई वक्त हिरासत में रह चुका है, तो उसे कोर्ट जमानत पर रिहा करे। उन्होंने कहा कि यह कि इससे जेलों में भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। शीर्ष अदालत अक्टूबर 2021 से जेलों में भीड़भाड़ के मुद्दे पर सक्रिय रूप से निगरानी कर रही है, जब उसने इस समस्या का स्वतः संज्ञान लिया था।

ई-प्रिजन मॉड्यूल की ....

को दूर करवा सकते हैं और सजा से बच सकते है। हंसरिया के तर्क पर कोर्ट ने देश में यूनिफॉर्म ई-प्रिजन मॉड्यूल की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ई प्रिजन मॉड्यूल इस तरह की समस्याओं को आसानी से निपटाया जा सकता है।

अनिल अंबानी पर ....

लगाया गया है। साथ ही नियामक ने रिलायंस होम फाइनेंस को छह महीने के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है और उसपर छह लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अनिल अंबानी नीत रिलायंस समूह की कंपनी को इस संबंध में भेजे ई-मेल का कोई जवाब नहीं मिला है।

किन पर कितना लगा जुर्माना? : सेबी ने जिन 24 लोगों/संस्थाओं पर बैन लगाया है, उनमें रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व प्रमुख अधिकारी अमित बापना, रवींद्र सुधालकर और पिंकेश आर शाह शामिल हैं। रेगुलेटर ने उनकी भूमिका के लिए जुर्माना भी लगाया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये, बापना पर 27 करोड़ रुपये, सुधालकर पर 26 करोड़ रुपये और शाह पर 21 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया।

घर पर नहीं ....

राव ने कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में राज्य के सभी वनमंडलों को पत्र जारी किया गया है। वन मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के मुताबिक तोते तथा अन्य संरक्षित पक्षियों को कैद में रखना तथा खरीदी बिक्री करना वन्यजीव अधिनियम के तहत अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें तीन साल तक सजा एवं जुर्माने का प्रावधान है। वन मुख्यालय ने अपने घरों में तोता तथा संरक्षित पक्षी रखने वालों को सात दिन के भीतर अपने नजदीक वन कार्यालय के अधिकारी अथवा जू के अधिकारी से संपर्क कर उनके सुपुर्द करने का निर्देश जारी किया। ऐसा नहीं करने पर वन विभाग की उड़नदस्ता टीम द्वारा जिन घरों में तोता होने वहां जाकर जब्ती करने के साथ ही कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

शिकायत के लिए ....

अपने घरों में तोता तथा अन्य संरक्षित प्रजाति के पक्षी पाल कर रखे हैं, वे भी संपर्क कर पक्षी तथा तोता को जमा करा सकते हैं।

पीएम बोले- समस्या ....

जेलेंस्की की मुलाकात हुई। बता दें कि भारत और यूक्रेन ने चार अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देश मानवीय मदद, कृषि, चिकित्सा और सांस्कृतिक क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

दर्द, बुखार, सर्दी ....

नहीं थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गजट नोटिफिकेशन में बताया कि इन दवाओं का उपयोग इंसानों के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है और इनके सुरक्षित विकल्प मौजूद हैं।

शाह ने राहुल से पूछे जम्मू-कश्मीर को लेकर 10 सवाल

'कांग्रेस ने एनसी से गठबंधन कर स्पष्ट कर दिए अपने मंसूबे'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में एक दशक बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इस चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन कर लिया है। अब बीजेपी के सीनियर नेता और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर जबरदस्त हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने वाली कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की 'नेशनल कांफ्रेंस' के साथ गठबंधन करके फिर से अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है।

गृहमंत्री शाह के 10 सवाल

- क्या कांग्रेस 'नेशनल कांफ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है?
- क्या राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी धारा 370 और आर्टिकल 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के जेकेएनसी के निर्णय का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी, पाकिस्तान के साथ 'एलओसी ट्रेड' शुरू करने के नेशनल कांफ्रेंस के निर्णय से फिर से बॉर्डर पार से आतंकवाद और उसके इकोसिस्टम का पोषण करने का समर्थन करते हैं?
- क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल लोगों के परिजनों को फिर से सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर से लाने का समर्थन करती है?
- इस गठबंधन से कांग्रेस पार्टी का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने आया है। क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने केजेकेएनसी के वादे के साथ है?
- क्या कांग्रेस चाहती है कि 'शंकराचार्य पर्वत' 'तख़्त-ए-सुलिमान' और 'हरि पर्वत' 'कोह-ए-मारन' के नाम से जाने जाएं?
- क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को एक बार फिर से भ्रष्टाचार की आग में झोंक कर पाकिस्तान समर्थित गिने चुने परिवारों के हाथों में सौपने का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस पार्टी जेकेएनसी के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस और राहुल गांधी कश्मीर को ऑटोनॉमी देने की जेकेएनसी की विभाजनकारी सोच और नीतियों का समर्थन करते हैं?

सर्बिया : घर में आग लगने से छह की मौत

बेलग्राद। उत्तरी सर्बिया के एक शहर में शुक्रवार को सुबह एक घर में आग लगने से चार बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। गृह मंत्री इविका डेसिक ने बताया कि आग लगने की यह घटना राजधानी बेलग्राद से 90 किमी उत्तर में नोवी साद में तड़के करीब तीन बजे की है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर, जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
-: राजस्व नोटिस / ईश्तहार :-
अ.प्र.क्र 202207060700049/0603/ Apl /अ-27 / 2023-24
क्रमांक 2045 / अ.वि.अ./ रीडर - 1/2024
जांजगीर दिनांक 23/08/2024
पक्षकार भूपेन्द्र कुमार बनाम केशवनंद वगैरह ग्राम सरखों
प्रति, 1. विधात्री पिता स्व. रघुवीर पति रमेश पाण्डेय, निवासी निपनिया रेलवे स्टेशन के पास जिला बलौदा बजार भाठापारा (छ.ग.)
अपीलार्थी भूपेन्द्र कुमार पिता स्व. हेमदत्त पाण्डेय, निवासी ग्राम-सरखों, तहसील-जांजगीर जिला जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.) के द्वारा तहसीलदार जांजगीर के रा.प्र.क्र. 202207060700049/अ-27 / 2021-22 पक्षकार केशवनंद पाण्डेय बनाम भूपेन्द्र कुमार वगैरह में पारित आदेश दिनांक 03.03.2024 के विरूद्ध प्रथम अपील प्रस्तुत किया गया है।
उक्त मामले की सुनवाई के लिए आपको नोटिस जारी किया गया किन्तु तामिल नहीं होने से दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से उपस्थिति हेतु नोटिस / ईश्तहार प्रकाशन किया जा रहा है। इस प्रकरण में उपस्थिति होना है तो इस मामले की सुनवाई दिनांक 10.09.2024 को इस न्यायालय जांजगीर में प्रातः 11:00 बजे से होगी। अतः आप अपना पक्ष पेश करने स्वतः / अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा / जवाब पेश कर सकते है।
समयावधि बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 20.08. 2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जांजगीर, जिला जांजगीर-चाम्पा

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रिसाली
रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006
Website : risali.urbanecg.gov.in
क्र./लो.क.वि./2024/897 रिसाली, दिनांक 23/08/2024
निविदा सूचना
नगर पालिक निगम, रिसाली की ओर से कुल 12 कार्यो हेतु लोक कर्म विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से लो.क.वि. भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015 एवं रोड एसओआर 01.01.2015 के आधार पर प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।
नियम एवं शर्ते तथा कार्यो का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in एवं विभागीय risali.urbanecg.gov.in में भी देखी जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, रिसाली

पेज एक के शेष

डहरिया बोले- सतनामी...

उनके वंश में जन्म लेने से ही कोई गुरु बनने के काबिल नहीं हो जाता। शिव डहरिया ने बलौदाबाजार हिंसा मामले में आयोजित कांग्रेस की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ये बातें कही।

इस पर भाजपा विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने तो उनके मानसिक संतुलन पर सवाल उठाया। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे सतनामी समाज के गुरु रुद्र कुमार भी डहरिया के बयान पर जमकर भड़के।

आरोपी, पूर्व प्रिंसिपल...

जांच और सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए थे। साथ ही सीबीआई को निर्देश दिया था कि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल संदीष घोष और 4 अन्य जूनियर डॉक्टरों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया जाए। इसके बाद कोलकाता की विशेष अदालत ने गुरुवार को सीबीआई को पॉलीग्राफ टेस्ट की मंजूरी दी। सीबीआई ने इस मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय का भी पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की मांग की थी। इस तरह का टेस्ट सिर्फ कोर्ट की अनुमति और संदिग्ध की सहमति से ही किया जा सकता है।

शिवपुर चरचा नपा...

अंकिता सोम के नेतृत्व में शुरू हुई। मतदान पश्चात 15 वोटों में 12 अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में और मात्र 3 वोट विरुद्ध में पड़े। इस परिणाम के बाद कांग्रेस पार्टी से नपाध्यक्ष श्रीमती यादव अविश्वास प्रस्ताव को जीतने में सफल नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका शिवपुर चरचा में कुल 15 वार्डो में 8 कांग्रेस, 5 भाजपा और 2 निर्दलीय पार्षदों ने जीत हासिल की थी।

स्वास्थ्य मंत्री व विधायक...

कार्यकाल में आम जनता और पार्षदों की लगातार उपेक्षा की जा रही थी, इसी का परिणाम अब सामने आया है। हमने एक तरफा 12 पार्षदों का समर्थन हासिल किया है। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक भईयालाल राजवाड़े समेत कई नेता मौजूद रहे।

यूपी पुलिस भर्ती...

चैनल पर पेपर के बदले 15 से लेकर 20 हजार रुपए भी मांगे जा रहे हैं। वहीं लखनऊ में पेपर लीक की अफवाह फैलाने पर सपा के पूर्व मंत्री यासर शाह के एक्स एकाउंट के खिलाफ एफआईआर की गई है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही उनसे इस बारे में पूछताछ कर सकती है। बता दें कि 31 अगस्त तक चलने वाली परीक्षा के पहले दिन शुक्रवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे। रात से ही रेलवे-बस स्टेशन परीक्षार्थियों से फुल हो गए। प्रयागराज में इतनी भीड़ थी कि बस में छात्रों ने खिड़की से एंट्री की। ट्रेनों में परीक्षार्थियों की भीड़ की वजह जमकर धक्का-मुक्की हुई।

पायलट जेल में ....

पुलिस ने भिलाई से गिरफ्तार किया था, उन पर बलौदाबाजार हिंसा मामले से जुड़े गंभीर आरोप हैं।

राजनीतिक षडयंत्र के तहत गिरफ्तारी

प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट ने जेल में देवेंद्र यादव से मुलाकात के बाद मीडिया से चर्चा में कहा कि बलौदाबाजार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। प्रशासन की नाकामी के कारण ऐसे हालत बने, सरकार समाज को सुरक्षा और संरक्षण नहीं दे पा रही है। साथ ही श्री पायलट ने कहा- राजनीतिक षड्यंत्र के तहत देवेंद्र यादव को गिरफ्तार किया गया है। समाज की भावनाएं आहत हुईं, उस पर सरकार नाकाम रही।

विधायक की गिरफ्तारी ....

रणनीति बनाई गई है। उल्लेखनीय है कि 10 जून को बलौदाबाजार में सतनामी समाज के प्रदर्शन के दौरान भीड़ हिंसक हो गई थी। भीड़ ने बलौदाबाजार कलेक्टर-एसपी कार्यालय को जला दिया था। सैकड़ो वाहनों को जला दिया गया था। इस मामले में सतनामी समाज व भीम आर्मी से जुड़े करीब 150 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिस दिन यह घटना हुई वहां बलौदाबाजार में सतनामी समाज की एक बड़ी सभा हुई थी। इस सभा में भिलाई विधायक देवेंद्र शामिल हुए थे। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ करने देवेंद्र यादव को चार बार नोटिस देकर बुलाया था, लेकिन वे थाने में हाजिर नहीं हुए थे। पिछले दिनों बलौदाबाजार पुलिस ने भिलाई स्थित निवास से श्री यादव के गिरफ्तार किया था। कोर्ट के आदेश पर वे रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद हैं।

हत्यारे ने कहा- अक्षत...

ने इसी बयान के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। युवा व्यवसायी अक्षत केडिया हत्याकांड को लेकर एसपी सरगुजा योगेश पटेल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मामले का खुलासा करते हुए बताया है कि पटपरिया निवासी अम्बिका स्टील संचालक अक्षत महेश केडिया ने गांधीनगर थाने में यह सूचना दर्ज कराई थी कि उनका पुत्र अक्षत केडिया 20 अगस्त की शाम 6 बजे घर से सफेद रंग की एस्टर कार क्रमांक सीजी 10 बीएस 4184 से बिना बताए घर से निकला था और घर नहीं लौटा। युवक का मोबाइल फोन भी बंद है ऐसे में पुलिस ने गुम इंसान कायम कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने अक्षत द्वारा उपयोग किए गए मोबाइल फोन की तकनीकी जानकारी हासिल कर संदेही भगवानपुर निवासी 29 वर्षीय संजीव मंडल उर्फ भानु हो हिरासत में लेकर पूछताछ की।

राशिफल

मेष: वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष: धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन: माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क: आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या: स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मिेदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला: वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक: शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु: कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर: कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ: कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन: दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (TRANS.)
QTR. NO.-C-08/11, FIRST FLOOR, DANGANIYA, RAIPUR (C.G.) -492 013
Website- www.cspc.co.in e-mail:- cetrans.raipur@cspc.co.in Ph.No. 0771-2574411,4450
No.02-19/Tender/P-41/534 Raipur, Dtd. 22.08.2024
NOTICE INVITING TENDER (Through e-bidding in SAP SRM System)
Sealed tenders are invited from eligible bidders for following work:-

Sl. No.	Tender No.	Particulars of works	E.M.D. (in Rs.)	Due date of opening
1	02-19/ Tender/ P-41/534 dtd. 22.08.2024 (RFx No. – 8100038892)	Tender for providing 02 No. Peon & 01 No. Sweeper through Out sourcing for the period of 01 year	Rs.6,350/-	13/09/2024 14:30Hrs.

Note: Other terms & condition, details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in
"Electricity saved is electricity Generated"
Executive Director (Trans.)
CSPTCL: Raipur (C.G.)

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
contact us : 07726 – 299374, E-mail id - bmosimga@gmail.com
क्रमांक/एन.एच.एम./2024-25/1490 सिमगा, दिनांक 22.08.2024
-:: निविदा आमंत्रण ::-
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विकासखंड सिमगा में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत प्रसुता महिला तथा अंतः रोगी भर्ती मरीजों हेतु सुबह शाम भोजन एवं नास्ता की व्यवस्था हेतु दिनांक 22/08/2024 से 11/09/2024 तक मुहरबंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा शर्ते एवं अन्य जानकारी इस कार्यालय के कार्यालयीन समय पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक इकाई कक्ष क्रं. 26 से प्राप्त किया जा सकता है।
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिमगा
जिला - बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग सिलतरा
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लि.
सी.एस.आई.डी.सी. भवन, प्रथम तल सिलतरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्र./051-5500/सिल./2024-25/758 सिलतरा, दिनांक 23.08.2024
// आम सूचना //
समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओ को सूचित किया जाता है कि (संचा/संधा.) संभाग छ. स्टेट.पा.डि.कं.लि. सिलतरा के अंतर्गत 220/132/33 के.व्ही सिलतरा उपकेन्द्र से निर्गमित 33 के.व्ही. एपीआई फीडर जो कि वर्तमान में बंद है, पुनः ऊर्जीकृत की जावेंगी। उक्त 33 के.व्ही. लाईन को महेन्द्र चौक से टेपिंग करके 33/11 के.व्ही उपकेन्द्र सिलतरा से निर्गमित वर्तमान विद्यमान 33 के.व्ही. कुम्हारी आऊट-गोइंग फीडर से जोड़ने के लिए 0.95 किलोमीटर 33 के.व्ही. लाईन का निर्माण कार्य किया गया है। उक्त 33 के.व्ही लाईन महेन्द्रा चौक में वर्तमान विद्यमान 33 के.व्ही एपीआई फीडर से टेपिंग करके मे. वन्दना ग्लोबल, मे. नकोड़ा इस्पात, मे. महेन्द्र स्पंज, ग्राम-सोण्डरा होते हुए सांकरा-सोण्डरा - नकोड़ा तिराहा के समीप 33 के.व्ही. कुम्हारी आऊट गोइंग फीडर तक विस्तारित है। उक्त नवीन 33 के.व्ही लाईन (एपीआई - कुम्हारी फीडर) से 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कुम्हारी को विद्युत आपूर्ति प्रदाय की जायेगी, जो ग्राम- सोण्डरा, चिखली एवं ग्राम-कुम्हारी बस्ती होते हुए 33 के.व्ही. उपकेन्द्र कुम्हारी तक विस्तारित है, जिसकी लंम्बाई लगभग 10 किलोमीटर है। उक्त 33 के.व्ही एपीआई-कुम्हारी फीडर दिनांक 24.08.2024 के बाद कभी भी ऊर्जीकृत की जा सकती है। अतः समस्त ग्रामवासियों से अनुरोध है कि उपरोक्त 33 के.व्ही. लाईन से सुरक्षित दूरी बनाये रखें एवं लाईन के नीचे किसी भी प्रकार का निर्माण व कृषि सम्बंधित कार्य (मिजाई-मिसाई, धान उड़ाई) आदि कार्य ना करें एवं अपने मवेषियों आदि को खम्भे स्टे सेट से न बांधे एवं लाईन से दूर रखें।
अतः उक्त नई 33 के.व्ही एपीआई-कुम्हारी फीडर को दिनांक 24.08.2024 के बाद कभी भी ऊर्जीकृत करने बाबत सूचना प्रसारित की जा रही है।
(आर. के. तिवारी 91338242)
कार्यपालन अभियंता(सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सिलतरा

मान. मुख्यमंत्री महोदय छ.ग. | मान. नगरीय प्रशासन मंत्री छ.ग. | मान. प्रभारी मंत्री | मान. महापौर महोदय ना.पा.नि. भिलाई | मान. प्रभारी सदस्य लो.क.वि. न
नगर पालिक निगम भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
प्रधान मंत्री आवास योजना-शहरी Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban Chhattisgarh
प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास मिशन (शहरी)
स्लम/गैर स्लम में किराये के मकान में रह रहे हितग्राहियों को नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में मोर मकान मोरे आस योजना अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने की योजना
विज्ञापन क्र. 138 दिनांक 23/08/2024
प्रधानमंत्री आवास योजना के "मोर मकान ..मोर आस" घटक अंतर्गत किरायेदारी में निवासरत परिवारों के वरिष्ठ नागरिकजन एवं दिव्यांगजन हेतु चतुर्थ चरण में 349 निर्मित / निर्माणाधीन भूतल के आवासों में लॉटरी द्वारा आवास आबंटन किया जाना है। कार्यालयीन दिवस में दिनांक 27.08.2024 से प्रतिदिन शाम 04:00 बजे तक नगर पालिक निगम, भिलाई मुख्य कार्यालय के कक्ष क्रमांक 16 योजना शाखा (आवास आवंटन शाखा) के प्रधानमंत्री आवास योजना काउंटर से भिलाई निगम क्षेत्र का आधारकार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत कर तथा 100/- रू. का नगद भुगतान कर आवेदन प्राप्त किया जा सकता है। निम्नानुसार पात्रता संबंधी सम्पूर्ण आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भर कर निर्धारित स्थल कक्ष क्रमांक 16 योजना शाखा के प्रधानमंत्री आवास योजना काउंटर में दिनांक 30.09.2024 तक जमा लिया जाना है।

स. क्र.	परियोजना स्थल का नाम	स्थलवार भूतल पर उपलब्ध आवासों की संख्या	कारपेट एरिया (वर्ग मीटर में)	हितग्राही अंशदान की राशि (लाख में)
1	सूर्या विहार के पीछे, खम्हरिया, निलाई (667/435)	49	30.00	3.06
2	अविनाश मेट्रोपॉलिश, कोहका (667/116)	2	30.00	3.06
3	कृष्णा इंजी. कॉलेज के पीछे खम्हरिया (338/322)	56	30.00	3.20
4	आम्रपाली वनांचल सिटी, हा.बो. (444/444)	32	30.00	3.61
5	स्वप्निल बिल्डर्स, कुरुद (444/416)	12	30.00	3.61
6.	माइल स्टोन स्कूल के पास, खम्हरिया (896)	109	33.53	2.98
7	ग्रीन वेली खम्हरिया (896)	9	33.53	2.98
8.	सूर्या विहार के पीछे, खम्हरिया, भिलाई (1120)	63	33.53	2.98
9	एनार स्टेट खम्हरिया (476/600)	17	33.53	3.29
	कुल योग :-	349		

पात्रता की शर्तें:-

क्र.	पात्रता की शर्त	आवश्यक दस्तावेज
1.	दिव्यांग व्यक्ति की पुष्टि हेतु मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र की कापी तथा वरिष्ट नागरिकजन की पुष्टि हेतु जन्म प्रमाण पत्र आवश्यक है?	1. दिव्यांगजन हेतु मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांग प्रमाण पत्र 2. वरिष्ट नागरिकजन की हेतु जन्म प्रमाण पत्र अथवा सक्षम अधिकारी द्वारा जारी वरिष्ठ नागरिकजन प्रमाण पत्र (प्रमाण पत्र की पुष्टि हेतु सत्यापित प्रति संलग्न करें)
2.	क्या आवेदक प्रदेश का मूल निवासी है?	मूल निवासी प्रमाण-पत्र या जन्म प्रमाण-पत्र था जाति प्रमाण-पत्र या वंशावली (तहसीलदार या राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त जारी प्रमाण पत्र) (इनमें से कोई एक दस्तावेज)
3.	क्या आवेदक निकाय क्षेत्र में दिनांक 31.08.2015 के पूर्व से निवासरत है?	मतदाता सूची या किरायानाम या निवास प्रमाण-पत्र या अन्य शासकीय दरतावेत या वर्ष 2011 की जनगणना सूची में नाम। (इनमें से कोई एक दस्तावेज)
4.	क्या आवेदक के पूरे परिवार (पति, पत्नी, एवं अवयस्क बच्चे) की वार्षिक आय राशि रू. 3.00 लाख से कम है?	नियोक्ता द्वारा प्रदत्त आय प्रमाण-पत्र या राशन कार्ड या सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र (इनमें से कोई एक दस्तावेज)
5.	क्या आवेदक एवं उसके परिवार के सदस्यों के नाम से देश में किसी भी स्थान पर पक्का आवास है?	आवेदक का शपथ-पत्र (नोटरी से सत्यापित)

* देश में किसी भी स्थान पर पक्का आवास न हो एवं पी.एम.ए.वाय. के एमआईएस पोर्टल में तथा सीएलएसएस पोर्टल में एन्ट्री कराकर पंजीयन की प्रति संलग्न करना आवश्यक है।
* उपरोक्त आवासों में शासन के निर्देशानुसार दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक हेतु शासन के नियमानुसार आरक्षण का लाभ दिया जावेगा। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर प्रमाण पत्र प्रस्तुत कराकर भूतल में लॉटरी द्वारा आबंटन की कार्यवाही की जावेगी।
* व्यवस्थापन प्रकरण को प्राथमिकता से लॉटरी द्वारा आबंटन उपरांत किरायेदारी में निवासरत परिवारों का प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर पात्रता अनुसार आबंटन की कार्यवाही किया जावेगा।
* भविष्य में प्रोजेक्ट लागत की राशि में वृद्धि होने पर प्रति आवास हितग्राही अंशदान की राशि में भी वृद्धि की जायेगी। जिसको सभी हितग्राहियों से समान रूप से आधिपत्य के पूर्व जमा कराया जाना अनिवार्य होगा।
* किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई को होगा। जिसे सर्वमान्य करना होगा।
* पात्र हितग्राहियों को प्रथम किश्त अनुदान राशि जमा करने तथा लॉटरी द्वारा आबंटन की सूचना पत्र एवं दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से पृथक से दिया जावेगा।
* विज्ञापित आवासों का स्थान एवं संख्या कम / अधिक संभाव्य है।
* जिन आवेदकों के द्वारा पूर्व में जारी विज्ञापन क्रमांक अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना, कक्ष क्र. 16 के काऊन्टर से 100.00 रूपये भुगतान कर आवेदन प्राप्त किये है, और किसी कारणवश आवेदन पत्र जमा नहीं कर पाये हैं ऐसे दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकजन भी पात्रता संबंधी सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ आवेदन पत्र को काउन्टर में जमा कर सकते है।
* विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान शिविर एवं जनसमस्या निवारण शिविर में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकजन जो आवेदन प्राप्त किये है, वे अपना आवेदन पत्रों को दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं वरिष्ठ नागरिकजन प्रमाण पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर निर्धारित तिथि में जमा कर सकते है।
आयुक्त
नगर पालिक निगम भिलाई

शब्द पहेली - 5611

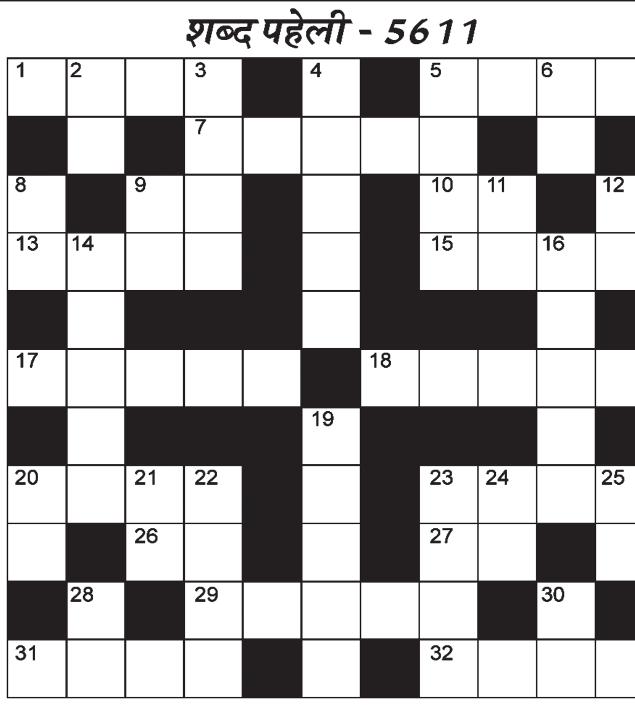

बाएँ से दाए-
1. सफल, उत्तीर्ण-4
5. ओस, रजनीजल-4
7. फरार होना, चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना, मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु, चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट, अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण, सम्राट-4
32. गजानन, गणपति-4

ऊपर से नीचे
2. मां, आई, मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता, रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार, जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन, प्रतिज्ञा -2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ, उपनयन संस्कार-5
19. विलेन, नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम, मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट, अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास, बंधन-2

शब्द पहेली -5610 का हल

सूडोकु नवताल - 5622

मध्यम

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 5621 का हल

हिन्दी भाषा सीख रहे यूक्रेनी छात्रों से मिले भारतीय प्रधानमंत्री

यूक्रेनी छात्रों को लुभा रही हिंदी भाषा, गाया 'वंदे मातरम'

पीएम मोदी ने यूक्रेन की राजधानी कीव में छात्रों से बातचीत की, जो हिंदी भाषा पढ़ रहे हैं। पीएम मोदी से बातचीत करने के बाद यूक्रेन के छात्र काफी खुश नजर आए।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को यूक्रेन दौरे पर रहे। इस दौरान पीएम मोदी ने यूक्रेन की राजधानी कीव में छात्रों से बातचीत की, जो हिंदी भाषा पढ़ रहे हैं। पीएम मोदी से बातचीत करने के बाद यूक्रेन के छात्र काफी खुश नजर आए। इस दौरान एक छात्र ने 'वंदे मातरम' भी गाकर सुनाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कीव में स्कूल ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में हिन्दी भाषा सीख रहे यूक्रेनी छात्रों से मुलाकात और बातचीत की। इस दौरान पीएम मोदी ने छात्रों की मेधाविता और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने में उनके योगदान की सराहना की।

भारतीय संस्कृति और इतिहास के लिए वहां के बच्चों को सराहा

उन्होंने भारतीय संस्कृति और इतिहास को यूक्रेनी लोगों के करीब लाने के उनके प्रयासों की भी सराहना की। तो वहीं, हिंदी भाषा का अध्ययन कर रहे यूक्रेनी छात्रों में से एक ने 'वंदे मातरम' गाया। आपको बता दें कि पीएम मोदी से बातचीत के बाद यूक्रेनी छात्रों में से एक ने कहा कि हम यह भी उम्मीद करते हैं कि भविष्य में हिंदी भाषा सीखने वाले अधिक से अधिक लोग होंगे।

मधुर संबंधों को बल देगी यह यात्रा

छात्रों ने पीएम मोदी से बातचीत के बाद कहा कि यह यूक्रेन के लिए बहुत महत्वपूर्ण बैठक है और इस बैठक के बाद यह साबित हो जाएगा कि भारत और यूक्रेन के बीच अच्छे संबंध हैं। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि भविष्य में हिंदी भाषा सीखने वाले अधिक से अधिक लोग होंगे।

बच्चों में भी दिखाई दिया उत्साह

पीएम मोदी से बातचीत के बाद हिंदी भाषा का अध्ययन कर रहे यूक्रेनी छात्रों में से एक ने कहा कि हम बहुत खुश और उत्साहित हैं। हमने कभी नहीं सोचा था कि हम प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे। हमें उम्मीद है कि इस मुलाकात के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

पाकिस्तान पहुंचा भारत का ड्रोन, सेना ने संदेश भेजकर की वापसी की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना का एक छोटा मानवरहित विमान, ड्रोन शुक्रवार सुबह करीब 9 बजकर 25 मिनट पर सीमापार कर पाकिस्तान के निकियाल सेक्टर के इलाके में पहुंच गया। सेना ने बताया कि प्रशिक्षण उड़ान के दौरान गैर इरादतन तकनीकी खराबी के कारण एक छोटे ड्रोन से नियंत्रण छूट गया था। इसके बाद वह पाकिस्तान जा पहुंचा। पाक सेना ने ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया है। सेना ने हॉटलाइन के माध्यम से संदेश भेजकर पाकिस्तान से इस ड्रोन को वापस भेजने की मांग की है। यहां बता दें कि ड्रोन से पहले वर्ष 2022 में भारत से एक ब्रह्मोस मिसाइल भी गलती से फायर होकर पाकिस्तान की सीमा के अंदर करीब 125 किलोमीटर जाकर गिरी थी। इस दौरान हालांकि जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ था। लेकिन पाकिस्तान ने इस घटना पर कड़ा विरोध जताते हुए संयुक्त राष्ट्र से मामले की जांच की मांग की थी। भारत की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में इस बाबत एक बयान देकर भारत का पक्ष साफ किया था। इसके अलावा मामले पर कार्रवाई करते हुए वायुसेना के दोषी अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया था।

वॉशिंगटन में राजनाथ सिंह ने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की

'छल-कपट' हमारे चरित्र में नहीं, हम धोखा खा सकते हैं, लेकिन दूसरों को धोखा नहीं दे सकते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वॉशिंगटन में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि मौजूदा समय में भारत की सोच क्या है। वहीं दुनिया को लेकर हमारे देश का नजरिए क्या है। उन्होंने भारत और अमेरिका के मजबूत संबंधों का भी जिक्र किया। 26 अगस्त तक राजनाथ सिंह अमेरिकी रक्षामंत्री लॉयड आस्टिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को चार दिवसीय यात्रा पर वॉशिंगटन पहुंचे। यात्रा के दौरान सिंह अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड आस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वह अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से भी मुलाकात करेंगे। यह यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूती देगी। वॉशिंगटन में राजनाथ सिंह ने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की।

साझेदारी में आइसीईटी की निर्णायक भूमिका

इस साल जून में सुलिवन ने भारत का दौरा किया था। नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच कई रणनीतिक, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय मुद्दों पर नियमित चर्चा और उच्च स्तरीय यात्राएं हुई हैं, जिनमें क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलाजीज पहल (आइसीईटी) भी शामिल है। दोनों देशों ने स्वीकार किया है कि जनवरी 2023 में पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा लॉच आइसीईटी दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

विश्व को एक परिवार मानता है भारत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है तथा विश्व में सभी जातियों और धर्मों के लोगों को एक परिवार मानता है। हम वो देश हैं, जिसने पूरी दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश दिया है। हमारे देश में रहने वाले लोग सिर्फ हमारे परिवार के सदस्य नहीं हैं, बल्कि दुनिया के सभी लोग, चाहे उनकी जाति, धर्म या समुदाय कुछ भी हो, एक ही परिवार के सदस्य हैं। 'पूरा विश्व एक परिवार है।

शरद पवार बोले- केंद्र ने जासूसी के लिए जेड+ सुरक्षा दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राकांपा-एसपी के प्रमुख शरद पवार को जेड-प्लस सुरक्षा देने का फैसला किया। जेड-प्लस सुरक्षा मिलने पर शरद पवार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने संदेह जताते हु कहा कि उन्हें दी गई जेड-प्लस सुरक्षा उनके बारे में जानकारी निकालने का प्रयास हो सकता है, क्योंकि महाराष्ट्र में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाला है। केंद्र सरकार ने बुधवार को शरद पवार को जेड-प्लस सुरक्षा प्रदान करने की घोषणा की थी। जेड-प्लस सुरक्षा प्रदान करने को लेकर किए गए सवाल पर राकांपा-एसपी प्रमुख ने कहा कि उन्हें इस कदम के पीछे का कारण नहीं मालूम।

सेनाप्रमुख ने मणिपुर में परखी सेना की रणनीतिक तैयारियां, सीएम से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत मणिपुर पहुंचे। यहां सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें जमीनी सुरक्षा हालात के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सेना ने बताया कि सेनाप्रमुख ने मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह से भी मुलाकात की। इसमें राज्य की आंतरिक सुरक्षा स्थिति और शांति, सुरक्षा की जल्द बहाली के लिए सेना व असम राइफल्स की भूमिका के मुद्दे पर चर्चा की गई। बातचीत के दौरान सेनाप्रमुख ने मणिपुर के लोगों को एक सुरक्षित माहौल प्रदान करने को लेकर भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दोहराया।

गेल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
ITUWTSA NEW DELHI 2024

जन–सूचना

भारत सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के साथ–साथ ऊर्जा सुरक्षा के लिए पूरे देश में राष्ट्रीय गैस ग्रिड का विस्तार करने का निर्णय लिया है। गेल (इंडिया) लिमिटेड, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (MoPNG) के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, नागपुर–(रायपुर)–झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (MNJPL) बिछा रहा है। यह पाइपलाइन राष्ट्रीय गैस ग्रिड के एक हिस्से के रूप में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ (11–जिले) और ओडिशा राज्य के 27 जिलों से होकर गुजर रही है। एमएनजेपीएल परियोजना सरकार की प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टरप्लान पहल के तहत शामिल है। यह भारत की परियोजना महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है, और इसे पूरा करने के लिए MoPNG और PMO द्वारा समीक्षा और निगरानी की जा रही है।

पाइपलाइन स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी और घरों (पीएनजी), परिवहन क्षेत्र (सीएनजी) की मांग को पूरा करेगी और आसपास के औद्योगिक केंद्रों आदि की आवश्यकता को भी पूरा करेगी। यह पर्यावरण में उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह पाइपलाइन भारत सरकार के 2030 तक ऊर्जा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी मौजूदा 6.7% से बढ़ाकर 15% तक बढ़ाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगी। पेट्रोलियम पाइपलाइन पैट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन अधिनियम 1962 के अनुसार बिछाई जाती हैं। अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1. पैट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन अधिनियम 1962 भूमिगत पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि के उपयोगकर्ता के अधिकार (आरओयू) के अधिग्रहण के लिए है। भूमि का स्वामित्व भूस्वामी के पास रहता है।
2. पाइपलाइन बिछाने के लिए पैट्रोलियम एवं खनिज पाईप लाईन अधिनियम 1962 के खंड 3(1) और 6(1) के तहत अधिसूचना के बाद भूमि के उपयोगकर्ता के अधिकार (आरओयू) का अधिग्रहण किया जाता है।
3. पाइपलाइन बिछाने के बाद उचित मरम्मत के बाद भूमि भूमि मालिक को सौंप दी जाती है। पाइपलाइन बिछाने से पहले की तरह कृषि गतिविधियां जारी रखी जा सकती हैं। पी एंड एमपी अधिनियम की धारा–9 के अनुसार प्रतिबंध लागू होंगे।
4. आरओयू, फसल, पेड़, संरचनाओं आदि के लिए मुआवजे का निर्धारण सक्षम प्राधिकारी (भारत सरकार के राजपत्र के माध्यम से एक राज्य सरकार के राजस्व अधिकारी को सक्षम प्राधिकारी घोषित किया गया) द्वारा तैयार किया जाता है।
5. प्राकृतिक गैस पाइपलाइन विश्व स्तरीय और सर्वोत्तम इंजीनियरिंग मानकों और तकनीकों के साथ बिछाई जाती हैं। रखरखाव गतिविधियाँ पैदल और हवाई गश्त और आरओयू में बिना प्रवेश किए तरीकों तक ही सीमित हैं। असाधारण मामलों में, यदि किसी निश्चित क्षेत्र में (पाइपलाइन चालू होने के बाद) खुदाई की आवश्यकता होती है, तो होने वाली क्षति के लिए मुआवजा अधिनियम के अनुसार अलग से देय होगा।

www.gailonline.com #EnergizingPossibilties Follow us on

त्रिपुरा में बाढ़ भूस्खलन से बुरा हाल

सेना ने बचाई 330 लोगों की जान केंद्र ने दी 40 करोड़ रुपए की मदद

एजेंसी ▶▶ त्रिपुरा

त्रिपुरा राज्य इन दिनों भीषण बाढ़ से प्रभावित है। हालात को देखते हुए सेना और एनडीआरएफ के जवानों को राहत और बचाव कार्यों में लगाया गया है। सेना ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि उन्होंने त्रिपुरा में 330 से ज्यादा लोगों को बचाया है। साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में असम राइफल्स के जवानों की तैनाती की गई है। त्रिपुरा में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 22 लोगों की मौत हुई है। कई लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ के चलते 65 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और ये लोग 450 राहत शिविरों में रह रहे हैं।

सेना त्रिपुरा में चला रही ऑपरेशन जल राहत

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में भारतीय सेना ने लिखा कि 'त्रिपुरा में ऑपरेशन जल राहत के तहत राहत और बचाव अभियान के दौरान 330 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। असम राइफल्स के 21 सेक्टर मुख्यालय के तहत आने वाली 18 असम राइफल्स की दो टुकड़ियों को बाढ़ प्रभावित अमरपुर, भामपुर, बिशलगढ़ और रामनगर में तैनात किया गया है।

homefirst We'll take you home
Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जे का नोटिस
संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के अंतर्गत कब्जे का नोटिस

चूंकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम संख्या 54, 2002) के अंतर्गत तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दिए गए संबंधित तिथियों पर जारी किए गए मांग नोटिस के अनुसरण में, आप से/ऋणधारकों से, नीचे नामित, संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। तथापि, आप/उधारकर्ता सभी निर्धारित समय के भीतर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड** ने सरफेसी एक्ट, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, इसके तहत नियमों को पढ़ते हुए, नीचे उल्लिखित सुरक्षित परिसंपत्तियों को अपने **कब्जे** में ले लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारक (ओं)/ सह ऋणधारक (ओं)/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गयी संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रू. में)	कब्जा की तिथि
1.	परमानंद खातरकर-, रक्षा	फ्लैट नंबर बी 304, आरडीए इंद्रप्रस्थ योजना, आरडीए इंद्रप्रस्थ योजना -1, फ्लैट नंबर 304, दूसरी मंजिल, प.ह.नं. 104/57, मौजा-रायपुरा, माधव राव सप्री वार्ड नंबर 68, रा.नि.मं. /तहसील/ जिला-रायपुर , छत्तीसगढ़,492001, फ्लैट नंबर बी-304, दूसरी मंजिल, क्षेत्रफल 290 वर्गफीट, खसरा नंबर 125, 128/1, 128/3 का हिस्सा, स्थिति-श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना के रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) , मौजा रायपुरा, माधव राव सप्रे वार्ड, वार्ड नंबर 68, प.ह. नं.104/57, आर.आई.सी. 1, तहसील एवं जिला, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001 में स्थित है।	03/06/2024	4,97,705	20/08/2024
2.	राजू साहू, शैलेन्द्री साहू	ख नं का भाग. 722/2, नया ख नं. 722/39, प.ह.नं. 05,नया ख नं-722/39, मौजा/ग्राम-अमलेश्वर, रा.नि.मं./तहसील-पाटन, जिला दुर्ग, रायपुर, छत्तीसगढ़-491111	03/06/2024	13,23,846	20/08/2024

ऋणधारक द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, ऋणधारक/जमानतदार और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ उक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऊपर उल्लिखित तिथि को नीचे वर्णित संपत्ति पर कब्जा ले लिया है।
ऋणधारकों/जमानतदारों और आम जनता को एतद्द्वारा आगाह किया जाता है कि वे ऊपर उल्लिखित संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों या उसके किसी भाग के साथ लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो संपत्तियों/प्रतिभूत संपत्तियों के विरुद्ध ऊपर उल्लिखित राशि के लिए है, जो पूर्ण भुगतान होने तक उस पर अतिरिक्त ब्याज के साथ देय है।
ऋणधारक का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

स्थान: रायपुर
दिनांक: 24-08-2024
प्राधिकृत अधिकारी
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

कनिका

महिला सुरक्षा के लिए उठाई आवाज

मशहूर निर्माता और स्क्रिप्ट राइटर कनिका ढिल्लों शक्तिशाली महिला किरदार गढ़ने के लिए जानी जाती है। बता दें कि 24 अगस्त को वह अपना 40वां जन्मदिन मनाएंगी। कनिका ने 'हसीन दिलरुबा' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में तापसी पन्नू के किरदार को लिखा है। उन्होंने 'गिल्टी' में कियारा आडवाणी के साहसिक किरदार की रचना भी की है। उनका काम यह दिखाता है कि उनकी कहानियों में महिलाओं को सशक्त करने की बुलंद आवाज है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों, बदलापुर यौन शोषण मामले और देश भर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अन्य अपराधों के बीच कनिका ढिल्लों ने महिलाओं के लिए उनके काम करने की जगह पर सुरक्षा में सुधार के बारे में अपने विचार साझा किए हैं। कनिका अपने साथ काम करने वालों को जो सलाह देती हैं वह दो चीजों 'लचीलापन' और 'एकजुटता' पर आधारित है। वह कहती हैं, 'मैं अपनी महिला सहकर्मियों से कहती हूं, चाहे कुछ भी हो जाए, आपको अगले दिन काम पर आना ही होगा। काम करने की जगह पर चाहे कितनी भी बाधा या अपमान या पक्षपात क्यों न हो। उन्हें जीतने न दें। और, मेरा मानना है कि जब मजबूत महिलाएं एक साथ आती हैं तो जादू होता है। हमें एक-दूसरे का साथ देना चाहिए।' वह कहती हैं, 'हम जिस माहौल में हैं, उसे देखते हुए, पुरुषों को आगे आकर बहुत ज्यादा जिम्मेदारी लेने की जरूरत है। वह आगे कहती हैं, 'उन्हें अब काम करने की जरूरत है। वह सिर्फ यह कहकर नहीं बैठ सकते कि 'हम आपसे सहमत हैं और महिलाओं के साथ सहानुभूति रखते हैं।' उन्हें महिलाओं के लिए माहौल को ज्यादा सुरक्षित बनाने की जरूरत है।'

शोले का रीमेक बनाना चाहते हैं सलमान

नई दिल्ली। साल 1975 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, अमजद खान, हेमा मालिनी, जया बच्चन और संजीव कुमार की ब्लॉकबस्टर फिल्म शोले फैंस की ही नहीं, सेलेब्स की भी फेवरेट है। वहीं, इस फिल्म का रीमेक बनाने की चर्चा भी होती रहती है। इसी बीच सुपरस्टार सलमान खान ने भी हाल ही में इस फिल्म के रीमेक को बनाने की इच्छा जाहिर की है। इतना ही नहीं, उन्होंने बताया कि वह गब्बर, जय-वीरू और ठाकुर में से किस किरदार को निभाना चाहते हैं। वह कहते हैं, मैं शोले का रीमेक बनाना चाहूंगा। मैं जय और वीरू दोनों का रोल अदा कर सकता हूं। मैं गब्बर का भी रोल कर सकता हूं। इसी प्रोमो में जावेद अख्तर ने कहा, 'अमिताभ बच्चन और संजीव गब्बर की भूमिका निभाना चाहते थे।

'जी ले जरा'-'फैशन 2' की शूटिंग के लिए लौटीं मुंबई

मुंबई। बॉलीवुड देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा बेहद ही स्टाइलिश लुक में शुक्रवार को मुंबई एयरपोर्ट पहुंचीं। उनको वापस भारत में देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं, साथ ही वह यह कयास लगा रहे हैं कि क्या वह फिल्म 'जी ले जरा' या फिर 'फैशन 2' की शूटिंग के लिए मुंबई लौटीं हैं। मुंबई एयरपोर्ट पर प्रियंका चोपड़ा का स्टाइलिश लुक हर किसी को पसंद आया। एयरपोर्ट से बाहर निकलती हुई प्रियंका मुस्कुराती हुई नजर आईं। इन दिनों प्रियंका चोपड़ा अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। हाल ही में प्रियंका ने फिल्म 'द ब्लफ' की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में खत्म की थी। उनके प्रशंसकों का कहना है कि प्रियंका मुंबई इसलिए वापस लौटीं ताकि वह अपनी बॉलीवुड फिल्म 'जी ले जरा' की शूटिंग शुरू कर सकें।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर — सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट। 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर। मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com, त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल। सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ। मो. 9977247553 नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक। सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर) — उपलब्ध विशेषताएं: लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी, जनरल मेडीसीन, ऑर्थोपेडिक्स, जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी, ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल), गायनेकोलॉजी। जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001) फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037। लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेंडिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre, Diabetic Clinic. डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता। Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304। 17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। * आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव * बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर — मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर मो. 9039050422 मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी। दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ। गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029 समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश) स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

छोटे पर्दे पर होगा 'पीछा करती परछाइयां' का प्रीमियर

मुंबई। कुछ साल पहले, जब इला अरुण को थिएटर विशेषज्ञ और लाइटिंग डिजाइनर निसार अल्लाना ने हेनरिक इब्सेन के नाटक को रूपांतरित करने के लिए आमंत्रित किया, तो उसने इस नॉर्वेजियन नाटककार की कहानियों में खुद को डुबो दिया। इला को उनकी रचनाएं इतनी प्रासंगिक लगीं कि वे उन्हें भारतीय संदर्भ में पुनः कल्पित करने लगीं। 2016 में 'पीछा करती परछाइयाँ,' उनके द्वारा इब्सेन के 1882 में लिखे गए नाटक 'घोस्ट्स' का रूपांतरण पहली बार मंच पर प्रदर्शित किया गया और अब इसका टेलीप्ले संस्करण ज़ी थियेटर के माध्यम से छोटे पर्दे पर उपलब्ध होगा। इस नाटक का निर्देशन अभिनेता और निर्देशक के के रैना ने किया है और भारत भर में पचास से अधिक सफल प्रस्तुतियों के बाद, इसका प्रीमियर 25 अगस्त को टाटा प्ले पर होगा। इला ने इब्सेन की कहानी को एक पारम्परिक राजस्थानी घराने में बसाया है, जहां पीढ़ीगत वेदना व्यापित है। इला निभा रही हैं रानी यशोधरा (बाई साहेब) की केंद्रीय भूमिका जो परंपरा और परिवार की इज्जत के कारण अपने दिवंगत पति महाराजा कुंवर विराज भानु प्रताप सिंह के राज़ छिपाने के लिए मजबूर है। पर जब ये विषैले राज़ वर्तमान में प्रकट होते हैं तो उसके युवा पुत्र पर विनाशकारी प्रभाव डालते हैं। ये मार्मिक भूमिका टीवी कलाकार परम सिंह ने निभाई है। के. के . रैना एक पितृसत्तात्मक पुजारी का किरदार निभाते हैं, जबकि प्रियाम्वदा कांत और विजय कश्यप भी महत्वपूर्ण किरदारों में नज़र आएंगे. टेलीप्ले का फिल्मांकन निर्देशक सौरभ श्रीवास्तव ने किया है।

गुमशुदा

गुमशुदा का नाम- संतराम सोनवानी, पिता- श्री लाल जी सोनवानी, उम्र- 38 वर्ष, निवासी ग्राम- अछोटी, भाठापारा, थाना- अण्डा, जिला- दुर्ग, **दिनांक 22.7.2024 के सुबह 7:00 बजे अपने घर ग्राम अछोटी भाटापारा से बिना बताए कहीं चला गया है मानसिक रूप से कमजोर है। गुम इंसान का हुलिया-** ऊंचाई 5 फीट 7 इंच, चेहरा लंबा, रंग गोरा, शारीरिक स्थिति मजबूत बदन, बाल काला, जींस फूल पैंट नीला रंग एवं शर्ट कत्था रंग का पहना हुआ है। गले में रेशम धागा में ताबिज एवं नीला रंग का चप्पल पहना हुआ है। हिन्दी व छत्तीसगढ़ी बोलता है। कक्षा 8वीं तक पढ़ा है। दाढ़ी में पुराना चोट का निशान है। **किसी भी व्यक्ति को पता चलने पर थाना अंडा को सूचित करें- संपर्क नंबर थाना- अंडा 0788-2611483, 9713925213 लालजी सोनवानी (पिता)**

'कहां शुरू कहां खतम' का ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। गायिका ध्वनि भानुशाली गायकी में अपना हुनर पहले ही दिखा चुकी हैं। अब वे अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। वे 'कहां शुरू कहां खतम' फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी। आखिरकार फिल्म का ट्रेलर जारी हो गया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ट्रेलर कॉमेडी ड्रामा का भरपूर डोज दे रहा है। फिल्म की कहानी शादी के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में भानुशाली के साथ आशिम गुलाटी हैं और इसका निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है। शादी की कहानी पर आधारित ट्रेलर में ध्वनि को मंडप से भागी हुई दुल्हन और आशिम गुलाटी को शादी तोड़ने वाले के रूप में दिखाया गया है। कहानी एक दिलचस्प मोड़ लेती है, जब आशिम के घर वाले ध्वनि को बहू मान लेते हैं और उन्हें अरेंज मैरिज के बंधन में बंधकर रहना पड़ता है। इसके बाद उनकी अरेंज्ड एक्सीडेंटल लव स्टोरी शुरू होती है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

Appointment आवश्यकता

आफिस सहायक

आवश्यकता है- ऑफिस सहायक हेतु युवको की आवश्यकता है वेतन 10,000 +कमीशन, बोनस रहना फ्री एक महीने ट्रेनिंग के बाद मैनेजर पद पर नियुक्ति, लगभग वेतन 30,000, अनुभव की आवश्यकता नहीं, 10वी पास या फेल। मो. 6265100904. (RO-2941)

रिसेप्शनिस्ट

आवश्यकता है- क्लिनिक रिसेप्शन संभालने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है 10वीं 12वीं पास, हिसाब करना आना चाहिए, फ्रेशर स्टाफ की आवश्यकता है, **पता - गोवर्धन होम्योपैथी एंड कॉस्मेटोलॉजी क्लिनिक पुराना राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़** +91 7470833033. (RO-398)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है 12th PASS टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट -02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 4, सर्विस टेक्निशियन 2, OFFICE BOY 1 (अनुभव आवश्यक नहीं) **संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर** 9826652461.(RO-2939)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में छोटा हाथी टाटाऐस चलाने हेतु ड्राइवर की एवं काम करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता **संपर्क: दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर** 98271-14645.(RO-2943)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Healthcare
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे। 18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844

आवश्यकता है- थोक रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम हेतु लड़के की अनुभवी/ बगैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा सहित मिलें। **महेश फैब्रिक्स, जैन ज्योति काम्प्लेक्स चिकनी मंदिर के पास गोल बाजार रायपुर मो.** 9752022866, 7415842111 (RO-4445)

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार । **संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड, रायपुर । मोबाइल** 9340273375 (RO-219)

आवश्यकता है- बच्चों के रेडीमेड वस्त्रों (होलसेल) की दुकान मे कार्य करने अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **ज्योति किड्स वेअर** I g v p **पंडरी रायपुर** 9425215272 (RO-4446)

स्टॉफ नर्स/ बार्ड बॉय

आवश्यकता है- स्टाफ नर्स, ट्रेनी नर्स एवं वार्ड बॉय की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध, **संपर्क करें:- बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर** 0771-2425009.(RO-2944)

मार्केटिंग

REQUIRED- We need professionals with 4+ years of experience in architecture, digital marketing, and management for a real estate company. Contact : 9584131350, Email: info@mrlayouts.com (आरो नं -6367)

रिसेप्शनिस्ट/ कुक

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु रिसेप्शनिस्ट-02, कुक इंडियन-02, चायनीज, साऊथ इंडियन -02 की आवश्यकता है **संपर्क करें:- न्यु होटल गौरी स्मृतिनगर भिलाई मो.-** 8827195000 (आरो -6368)

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, बालाजी मंदिर के पीछे गुढियारी एवं केंट इंटरनेशनल स्कूल अमलेश्वर रोड ग्राम झीट में स्कूल बस हेतु (बैचवाले) एवं मैजिक चलाने हेतु ड्राईवर की आवश्यकता है। **संपर्क करें-** 8817444448, 8109077721, 8109077723 (RO-7467)

आवश्यकता है- स्कूल बस हेतु ड्राईवर की आवश्यकता है- 2 पद । आवेदन 03 दिवस के भीतर अग्रसेन पब्लिक हाई स्कूल धनोरा (रिसाली) में जमा करें। **संपर्क-** 9098211113 (आरो न.-564)

आवश्यकता है- हर्ष मीडिया को छत्तीसगढ़ के अलग - अलग जिलों में V- 30 Intra- LED वेन चलाने ड्राइवर की आवश्यकता है। अनुभवी ड्राइवर लाइसेंस, आधार कार्ड व अन्य विवरण सहित **संपर्क करें-** 8225022889, 9827806026 (आरो न.- 6369)

कम्प्युटर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- मेडिकल सीएंडएफ (दवाई के होलसेल डिपो) में बिलिंग कार्य हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर (युवक / युवती) की आवश्यकता है। अनुभवी ही मिले : **नरेंद्र फार्मा डंगनिया** 9425542077, 9669426111.(RO-301)

आवश्यकता है- कोरल ड्रा एवम फोटोशॉप के अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। कुशल, इच्छुक बायोडाटा सहीत **संपर्क करें:-** 8109559555, 9826680137, 7509081111 (RO-324)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- हिंदी-इंग्लिश टाइपिंग कंप्यूटर एक्सपर्ट ग्रेजुएट लड़की एवं फील्ड कार्य हेतु स्वयं का वाहन वाले 12वीं पास लड़के की आवश्यकता है। पेमेंट 5000 । **साईं नगर ऊरला, दुर्ग, सम्पर्क-** 93295 11103 (आरो न.-565)

ठेकेदार/वेल्डर

आवश्यकता है- सपना इण्डस्ट्रीज में ट्रेक्टर ट्राली बनाने हेतु ट्राली ठेकेदार एंव 2 वेल्डर कि आवश्यकता है। **पता भाठागांव चौक के पास रिंग रोड नं.-1 रायपुर छ.ग. संपर्क करें-** 94252-08090.(RO-6462)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड होलसेल कपड़ा दुकान में कार्य हेतु अनुभव/बिना अनुभवी लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है **संपर्क वैभव ट्रेडिंग कंपनी** R-6/7 **होलसेल मार्केट पुलगांव दुर्ग** 8818840800 **संपर्क समय 11से 5 तक** (आरो नं - 270)

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज की दुकान में सामान लाने ले जाने के लिए जरूरतमंद लड़को की आवश्यकता है । **संपर्क करे भाव्या ट्रेडर्स नवभारत प्रेस के सामने शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स रायपुर मो** 88159 95939, 8818833330. (RO-15)

ऑफिस कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- आफिस के सम्पूर्ण कार्य हेतु कुशल अनुभवी युवक/ युवती एवं, कार ड्राईवर की आवश्यकता है। **संपर्क करे- अरिहंत फाइनेंस गणेश राम नगर मालवीय रोड रायपुर** 7974434700 **मिलने का समय 3 से 6** (RO-1744)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- ऑफिस में टेली कॉलिंग तथा ऑफिस कार्य के लिए लड़कियों की आवश्यकता है। कार्य समय 10 से 8, वेतन 7000 -9000 (योग्यता अनुसार)। **सम्पर्क :- स्काई एजेंसी, समवेत शिखर काम्प्लेक्स, प्रथमतल, शॉप नंबर 1, दैनिक भास्कर काम्प्लेक्स के पास, रजबंधा मैदान रायपुर** 7770807779 (RO-373)

अतिशीघ्र आवश्यकता है- ऑफिस एवं टेलीकॉलिंग कार्य हेतु युवक की, योग्यता 10वी, 12वी, स्नातकोत्तर, सैलरी- 10,000/- +कमीशन +बोनस + इन्सेंटिव + रहना फ्री +काम के आधार पर प्रमोशन ट्रेनिंग बाद 15,000/- -20,000/- कमाने का मौका- 9039470547, 8815522974.(RO-2945)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़के चाहिए उम्र 18-28, 10वीं, 12वीं पास, जो रीवा में आकर काम कर सकें। वेतन 10000 कमीशन+ बोनस, रहना+ खाना फ्री, **शीघ्र सम्पर्क करें-** 8982665514, 8349969546 (RO-35147)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट **संपर्क:-** APS **इंटरप्राईजेस, रायपुर-** 7477221345, 9977676447, **बिलासपुर-** 8359913999, 9589288936, **रायगढ़-** 7869755871. (RO-2894)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है - बोरसी, रेल्वे फाटक व मार्केट के नजदीक पंचशील नगर MIG-74 पश्चिम फेंसिंग 1400 sqft, 2BHK अतिशीघ्र बेचना है। 7489361112, 9406242820, (आरो न.- 563)

For Rent किराया

किराए से देना है- तालपुरी ए ब्लॉक में 180 वर्गफ़ीट की दुकान। क्लिनिक, डेलीनीड्स, बुटिक, ब्यूटीपार्लर, मेडिकल स्टोर, लॉड्री हेतु किराए पर उपलब्ध। mo.- 79997-73431 , 94252-38690. (आरो न.-561)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

70 साल बाद भी वयनर में नहीं बना पुल बांस के कच्चे पुल से ग्रामीण करते हैं गुजारा

कांकेर/दुर्गुकोंदल। विकासखण्ड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत परेकोड़ो के आश्रित ग्राम वयनर कच्चे माइंस प्रभावित गाँव होने के चलते सरकार और प्राइवेट कंपनी लोहे की तरह लाल हो गई, परंतु वयनर गाँव के लोगों को आने जाने के लिए पुलिया बनाने के प्रति माइंस प्रबंधन व सरकार सजग नहीं है, इसके अलावा बुनियादी सुविधा सड़क, बिजली, पानी, चिकित्सा एवं अन्य सुविधाओं से वंचित है। बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे ग्रामीणों ने पुल निर्माण की मांग शासन प्रशासन से किया हैं।

विकासखंड दुर्गुकोंदल के ग्राम पंचायत परेकोड़ो के आश्रित ग्राम वयनर के ग्राम पटेल सतूराम मरकाम, बसुराम मरकाम, अर्जुन मानकर ने बताया कि ग्राम वयनर के पटेलपारा एवं आवासपारा में लगभग 40 घर के लोग निवास करते हैं। ग्राम वयनर में बारिश के दिनों में पूरी तरह से बाधित होता है, जिसमें स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को आने जाने में काफी परेशानी होती है।

नहीं बन पाई पुलिया

ग्रामीणों का कहना है कि देश को आजाद हुए 70 साल हो गए और कच्चे माईस को शुरू हुए 15 साल हो गए, परंतु किसी के द्वारा वयनार के दो पारा के ग्रामीणों की सुध आज तक नहीं लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार हर जगह पुलिया बनाने के लिए गुहार कर चुके है, परंतु कोई भी सुध लेने के लिए सामने आज तक नहीं आया है। अंततः हर साल बारिश के पहले ग्रामीण अपनी सुविधा के अनुसार आने-जाने में असुविधा को देखते हुए वैकल्पिक लकड़ी एवं बास से लकड़ी का पुल निर्माण करते है।

घर से जेवर व कार चोरी, दो अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार : राजनांदगांव। घर से सोने-चांदी के जेवर एवं कार चोरी करने वाले दो अंतर्राज्यीय चोर को गिरफ्तार कर पुलिस ने कार्रवाई की है। परिजन राखी त्यौहार में बाहर गए थे कि 17-18 अगस्त के मध्य रात्रि करीब 2 से 4 बजे के मध्य अज्ञात चोर द्वारा प्रार्थी के घर के दरवाजा में लगे ताले को तोड़कर घर के अंदर रखे वीवो कंपनी का मोबाइल, एक कार, आलमारी में रखे सोने के आभूषण चोरी कर लिया था।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

क्रमांक /1343/भवन/2024 रायपुर, दिनांक 23/08/2024

// द्वितीय निविदा आमंत्रण //

कार्यालय छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर (छ.ग.) परिसर स्थित एकीकृत भवन परिसर, पुराना भवन परिसर, पुराने भवन से लगा हुआ नवीन स्ट्रॉंगरूम भवन, नवीन डाटा कक्ष, नवीन परीक्षा कक्ष एवं मेन गेट से अंदर आवासीय परिसर की वार्षिक आधार पर साफ-सफाई कार्य हेतु अनुभवी प्रतिष्ठित फर्म / एजेंसी से सील बंद लिफाफे में दरें निविदा दिनांक 19/09/2024 को अपरान्ह 03:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं। सील बंद लिफाफे दिनांक 19/09/2024 को सायं 04.00 बजे समिति के समक्ष खोले जायेंगे। लिफाफे खोलते समय निविदाकार अथवा उनके द्वारा अधिकृत एक प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं।

निविदा फार्म, मण्डल कार्यालय की भवन शाखा, एकीकृत भवन, प्रथम तल, कक्ष क्रमांक CH-08 से रूपये 1,000/- (रूपये एक हजार मात्र) का चालान या डी.डी. जो सचिव छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर के नाम देय हो, जमा कर दिनांक 19/09/2024 को दोपहर 2.00 बजे तक क्रय किये जा सकते हैं, निविदा फार्म मण्डल की वेबसाईट www.cgbse.nic.in से भी डाऊनलोड कर प्राप्त कर सकते हैं, जिसके शुल्क के रूप में रूपये 1,000/- (रूपये एक हजार मात्र) चालान या डी. डी. जो सचिव छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के नाम देय हो, निविदा फार्म के साथ जमा करना होगा।

किसी भी अथवा समस्त निविदाओं को अमान्य करने का सम्पूर्ण अधिकार, सचिव, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर को होगा।

सचिव
छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल,
रायपुर

S-41232/1

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक–1091 दिनांक–29.07.2024 द्वारा आमंत्रित ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–06/2024-25/RWD/EE/ HAZARIBAG, दिनांक–29.07.2024, जिसका PR No-331393 Rural Work Department (24-25).D से प्रकाशित निविदा के क्रमांक–4 पर अंकित विष्णुगढ़ प्रखण्ड के ग्राम चटकरी से उच्चाघाना भाया रोहनियांटांड तक पथ के SBD में e-Procurement Notice के Class of Contractor - I के स्थान पर II पढ़ा जाय ।

शेष सभी शर्तें यथावत रहेगी ।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhand tenders.gov.in में देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 333559 Rural Work Department(24-25).D

छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर

अपेक्स बैंक (Apex Bank)
मुख्यालय "सहकार भवन", प्लॉट नं.- 74, सेक्टर- 24, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.) - 492002
Website: www.cgapexbank.com,Email:cg.apexbank.ho@gmail.com

छ.ग. / मुख्यालय / नवा रायपुर क्र. 1969 दिनांक 22.08.2024

छ.ग. राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों में सीधी भर्ती के 380 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु दस्तावेजों के सत्यापन एवं काउंसिलिंग तिथि की सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर द्वारा दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञप्ति क्रमांक छ.ग. / मुख्यालय / नवा रायपुर क्रमांक 1974 दिनांक 04.09.2023 के आधार पर छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर तथा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, अंबिकापुर एवं जगदलपुर में सहायक प्रबंधक (फील्ड ऑफिसर), कार्यालय सहायक, सामान्य सहायक एवं समिति प्रबंधक (नवीन संवर्ग) पद पर सीधी भर्ती के कुल 398 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा दिनांक 29.10.2023 को पूर्वान्ह में आयोजित किया गया। उक्त भर्ती परीक्षा का परिणाम छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल,रायपुर द्वारा दिनांक 04.12.2023 को घोषित किया गया। ऐसे अभ्यर्थी जो भाग-1 परीक्षा में न्यूनतम 50% अंक या उससे अधिक अंक अर्जित किये हैं, उन्हें पात्र मानते हुए उनके द्वारा लिखित परीक्षा (भाग-2) में प्राप्त कुल अंकों की मेरिट सूची का प्रकाशन छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, नवा रायपुर के वेबसाईट https://vyapam.cgstate.gov.in पर किया गया है।

माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के प्रकरण क्रमांक WPS No. 3346 of 2020, WPS No. 2343 of 2024, WPS No. 8163 of 2023, WPS No. 8890 of 2023 एवं WPS No. 9042 of 2023 में पारित अंतरिम आदेशों के परिपालन में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बिलासपुर के सामान्य सहायक के 04 पद,समिति प्रबंधक (नवीन संवर्ग) के 10 पद एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, अंबिकापुर के सामान्य सहायक के 04 पद अर्थात् कुल 18 पदों को रिक्त रख कर सीधी भर्ती के शेष 380 पदों पर चयन हेतु अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन की प्रक्रिया दिनांक 23.09.2024 से दिनांक 27.09.2024 तक की जाएगी। दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत पात्र अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग दिनांक 05.11.2024 से 08.11.2024 तक की जाएगी। शेष 18 पदों पर भर्ती की कार्यवाही माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के उपरोक्त प्रचलित प्रकरणों में अंतिम आदेशों के अध्यधीन होगी।

दस्तावेजों के परीक्षण हेतु तिथि, स्थान एवं अन्य आवश्यक निर्देश, सहकारिता विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, की वेबसाईट https://coop.cg.gov.in एवं छ.ग.राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर की वेबसाईट www.cgapexbank.com पर उपलब्ध होंगे।

प्रबंध संचालक

दो हार्डकोर नक्सलियों ने चुना शांति व विकास का मार्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/कोंटा

लंबे समय तक जंगल में रहकर आतंक फैलाने वाले कोंटा क्षेत्र के दो हार्डकोर नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति का मार्ग चुना है। ये दोनों नक्सली कोंटा ब्लॉक के अनेक बड़ी-बड़ी घटनाओं में शामिल थे। सुकमा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग और नक्सल प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में अनेक पुलिस कैम्प खुलने और विकास की रफ्तार तेज होने से नक्सली इस समय बैकफुट पर हैं। अनेक नक्सलियों ने जहां सरेंडर किया है, वहीं कई नक्सलियों को मुठभेड़ में जान गंवानी पड़ी। केंद्र और राज्य सरकार की पहल से समर्पण करने वाले अनेक नक्सली घर बसाकर शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं। सरकार की ओर से उन्हें नौकरी तक मिल रही है साथ ही आवास एवं हर तरह की सुविधाएं दी जा रही है। यही सब देखकर इन दोनों नक्सलियों ने आतंक और हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति का मार्ग चुना है। इसमें पुलिस के संवेदनशील अफसरों की भी सकारात्मक भूमिका रही है।

■ 8-8 लाख के इनामी दो नक्सलियों ने किया सरेंडर

फेसबुक से दोस्ती, 37 लाख की ठगी, जुर्म दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

फेसबुक पर दोस्ती कर महिला के साथ लाखो की ठगी करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खइलाफ जुर्म दर्ज किया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि रायपुर निवासी सरिता सिंह ने शिकायत किया है कि अप्रेल 2024 में फेसबुक पर अज्ञात से दोस्ती हुआ।

अज्ञात ने अपना नाम डॉ नेल्सन जेकित होना बताया। फेसबुक से परिचय होने के बाद धीरे धीरे चैटिंग होने लगी और दोस्ती बढ़ गई। दोनों एक दूसरे को अपना मोबाइल नंबर भी अदान प्रदान किया। फिर वाट्सएप पर चैटिंग होने लगी। डॉ नेल्सन ने महिला को पूरी तरह से अपने बातों में फंसा लिया। इस दौरान नेल्सन ने पीड़िता को बताया कि वह विदेश यात्रा पर ओमान जा रहा है। उसकी फ्लाईट टिकट सरिता सिंह को वाट्सएप किया। इस दौरान उसने कहा कि उसका बैंक एकाउंट मुझसे एक्सेस नहीं हो पा रहा है। सरिजा सिंह को डिटेल भेजकर एक्सेस करने को कहा। इस दौरान नेल्सन ने 6 लाख रुपए का डिमांड किया। सरिता दोस्ती के नाते 6 लाख ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद डॉक्टर ने महिला से लगातार रुपए मांगे और उसने जमा भी करा दिए। डॉक्टर नेल्सन ने महिला से 5 लाख रुपए दो किश्तो में 10 लाख रुपए और 1 लाख 20 हजार रुपए की मांग की। महिला ने इन रुपयों को भी जमा कराया।

न्यायालय - तहसीलदार भखारा जिला धमतरी छ0ग0

// उपस्थिति सूचना //

क्रमांक 537 तह. /2024 भखारा दिनांक 20/8/2024

न्यायालयीन राजस्व प्रकरण क्रमांक 202406132300061 / अ-6 वर्ष 2023-24 पक्षकार अजय कुमार श्रीवास्तव पिता सी.पी. श्रीवास्तव जाति कायस्थ निवासी हाउस नं. 1/38 लोकमान्य गृह निर्माण समिति गोल चौक के पास रोहणी पुरम रायपुर तहसील व जिला रायपुर द्वारा संहिता की धारा 109,110 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि जरवायडीह पटवारी हल्का नं. 03 तहसील भखारा स्थित भूमि खसरा नं. 484, 485, 486/1, 486/2, 487/1, 487/2, 488/1 रकबा क्रमशः 0.06, 0.06, 0.04, 0.04, 0.06, 0.04, 0.06 हे. भूमि को विक्रेता गणेश साहू पिता शंभूराम साहू जाती तेली निवासी मुजगहन के नाम पर दर्ज है उक्त भूमि को विक्रेता गणेश साहू के आम मुख्तियार श्रीमति कानन पाल पति बाबू लाल पाल निवासी सन्यासी पारा खमतराई रायपुर द्वारा पंजीकृत बैनामा से आवेदक के पुत्र अमित रंजन पिता अजय कुमार श्रीवास्तव एवं अजय कुमार पिता सी.पी. श्रीवास्तव के पास विक्रय किया है। क्रेतागण में अमित रंजन पिता अजय कुमार श्रीवास्वत की मृत्यु दिनांक 23/4/2024 को होना बताया है। क्रेता मृतक अमित रंजन के वारिसान पत्नि पूजा रंजन, पुत्री अनन्या, एवं पृशा श्रीवास्तव, व आर्या श्रीवास्तव है। पंजीकृत बैनामा के आधार पर ग्राम जरवायडीह स्थित भूमि पर से विक्रेता का नाम विलोपित कर क्रेता गण मृतक अमित रंजन के वारिसान एवं अजय कुमार पिता सी.पी. श्रीवास्तव का नाम दर्ज किये जाने आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है प्रकरण अनावेदिक गणेश राम के आम मुख्तियार कानन पाल पति श्री बाबूलाल पाल निवासी सन्यासी पारा खमतराई तहसील व जिला रायपुर की उपस्थित हेतु नियत है। प्रकरण में उभय पक्षकारो की उपस्थिति हेतु नियत है जिसकी सुनवाई तिथि 30/8/2024 है।

अतः एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित उपस्थिति सूचना पत्र के आधार पर नियत तिथि को स्वय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय मे उपस्थित कर अपना पक्ष रखे। नियत तिथि तक उपस्थित नही होने पर प्रकरण मे एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए आगे की कार्यवाही की जावेगी।

तहसीलदार
भखारा

जंगल में मिला नर कंकाल जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

मैनपुर। जिले के मैनपुर विकासखण्ड अन्तर्गत जंगल में फिर एक नर कंकाल मिलने से हड़कंप मचा हुआ है। ज्ञात हो कि तीन दिन पूर्व भी मैनपुर क्षेत्र के जंगल में प्रेमी जोड़े का नर कंकाल पुलिस ने बरामद किया था और अब मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र के थाना जुगाड़ अन्तर्गत एक बार फिर नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। थाना जुगाड़ से मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों के माध्यम से सूचना मिला कि एक व्यक्ति की कंकाल पहाड़ी के ऊपर पड़ा हुआ है जिसके आधार पर पुलिस की टीम मौके पर रवाना हुई और मामले की जांच प्रारंभ किया गया है। फॉरेसिक टीम भी मौके पर पहुंची थी, वहीं कपड़े के आधार पर कंकाल की पहचान नकछेड़ा सोरी के रूप में की गई है। मृतक बरगांव का रहने वाला था बताया जा रहा है कि मृतक फरवरी से लापता था।

कैमरे में कैद हुआ तेंदुआ

मैनपुर। उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के मादागिरी क्षेत्र में वनविभाग द्वारा जंगल के अंतर लगाए गए फिर एक बार तेंदुआ की तस्वीर कैद हुई है। यह तस्वीर 22 अगस्त को कैद हुआ है। जिसकी पुष्टी उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के उपनिदेशक वरूण जैन ने किया है। दूसरी ओर ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले एक तेंदुआ फंदे में फंस गया था जिससे तेंदुआ में तार फंसा हुआ था वह तार भी अब निकल चुका है। ज्ञात हो कि वन प्राणियों के शिकार के लिए जंगल में शिकारियों के द्वारा लगाए गये जाल में 5 अगस्त को एक तेंदुआ फंस गया था और तेंदुआ के साथ तार भी लगा हुआ था तेंदुआ ने अपने आप को तार से छुड़ा कर सुरक्षित जंगल की ओर निकल गया था।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला- सुकमा (छ.ग.)

Phone & Fax No.: - 07864-284666,
E-Mail: - actwd.cgsukma@gmail.com

-::: संक्षिप्त मैनुअल जोनल निविदा सूचना :::-

क्रमांक/आ.वि./निर्माण/NIT-01/2024-25/1194 सुकमा, दिनांक 20/08/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित विकासखण्ड सुकमा, कोन्टा एवं छिन्दगढ़ अन्तर्गत विभाग द्वारा संचालित छात्रावास/आश्रम/विशिष्ट संस्थाओं में अनुरक्षण/मरम्मत/जीर्णोद्धार कार्य, लघु निर्माण कार्य, विद्युतिकरण मरम्मत कार्य, बोर खनन कार्य, रनिंग वॉटर सप्लाई इत्यादि कार्य कराये जाने हेतु जोनल निविदा जोनवार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र क्रय की अंतिम तिथि 13.09.2024, जमा करने की अंतिम तिथि- 20.09. 2024 समय अपरान्ह 03:00 बजे तक, एवं खोलने की तिथि- 20.09.2024 समय अपरान्ह 04:00 बजे से है।

क्र.	जोनवार सेक्टर के नाम	अनुमानित लागत राशि
01	जोनल विकासखण्ड कोन्टा अन्तर्गत कुल 02 सेक्टर **सेक्टर क्रमांक-01 कोन्टा-मरईगुड़ा, सेक्टर क्रमांक-02 दोरनापाल-जगरगुण्डा** के विभिन्न छात्रावास/आश्रम/ विशिष्ट संस्थाओं के भवनों के अनुरक्षण/मरम्मत/ जीर्णोद्धार कार्य, लघु निर्माण कार्य, विद्युतिकरण मरम्मत कार्य, बोर खनन कार्य, रनिंग वॉटर सप्लाई इत्यादि कार्य।	प्रत्येक सेक्टर हेतु 40.00 लाख
02	जोनल विकासखण्ड सुकमा अन्तर्गत कुल 02 सेक्टर **सेक्टर क्रमांक-03 गादीरास, क्रमांक-04 सुकमा** के विभिन्न छात्रावास/आश्रम/विशिष्ट संस्थाओं के भवनों के अनुरक्षण/मरम्मत/जीर्णोद्धार कार्य, लघु निर्माण कार्य, विद्युतिकरण मरम्मत कार्य, बोर खनन कार्य, रनिंग वॉटर सप्लाई इत्यादि कार्य।	
03	जोनल विकासखण्ड छिन्दगढ़ अन्तर्गत कुल 02 सेक्टर :- सेक्टर क्रमांक-05 तोंगपाल, सेक्टर क्रमांक-06 छिन्दगढ़-तालनार के विभिन्न छात्रावास/आश्रम/विशिष्ट संस्थाओं के भवनों के अनुरक्षण / मरम्मत/जीर्णोद्धार कार्य, लघु निर्माण कार्य, विद्युतिकरण मरम्मत कार्य, बोर खनन कार्य, रनिंग वॉटर सप्लाई इत्यादि कार्य।	

उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी इस कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती हैं।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास सुकमा

G-242502007/2

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, दुमका

(rdsddumka1@gmail.com)

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या– RDSD/DMK/MMGSY/18/2024-25/RE

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्रम संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	दुमका जिला के रामगढ़ प्रखंड अन्तर्गत कोआम पंचायत के ग्राम बेलातरी एवं करूमटाड़ के बीच नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण।	2,39,41,900	4,79,000	10,000	15 माह
2.	दुमका जिला के अन्तर्गत प्रखंड जरमुण्डी के पंचायत बनवारा ग्राम ऊपरकाटेंजा और गजेंडा के बीच जोरिया पर पुल निर्माण।	1,88,90,000	3,78,000	10,000	15 माह
3.	दुमका जिला अन्तर्गत प्रखंड शिकारीपाड़ा में ग्राम सोनाढाबा से ग्राम धर्मपुर के बीच द्वारका नदी में उच्चस्तरीय पुल निर्माण।	2,19,26,000	4,39,000	10,000	15 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 28.08.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 28.08.2024 से दिनांक 04.09.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जबावदेही आपकी होगी।
6. निविदा खोलने का स्थान :– e-Procurement Cell, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेश प्रमंडल दुमका।
7. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 06.09.2024 अपराह्न 2:00 बजे
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,दुमका |9
9. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष संख्या :– 7091279444
10. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट्ूरींतींिदकजमदकमतेण्हवअण्पद एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, दुमका।

PR.NO.333621 Rural Work Department(24-25):D

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल धमतरी जिला - धमतरी (छ.ग.)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना
फार्म - (अ)
नियम 6 (देखिये)
अर्धवार्षिक निविदा वर्ष 2024 - 2025

संशोधित निविदा विज्ञप्ति क्रं. 02 दिनांक 22.08.2024

जिला जेल धमतरी में परिरूद्ध बंदियों के भोजन व्यवस्था अन्तर्गत सब्जियों की आपूर्ति हेतु विहित फार्म में सील बंद निविदायें दिनांक 13.09.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म रू. 3000.00 (रू. तीन हजार मात्र) जमा कर किसी भी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय अधीक्षक जिला जेल धमतरी से प्राप्त कर सकते है या जेल विभाग की बेबसाईट www.jail.cg.gov.in से भी डाउनलोड कर भरा जा सकता है, बशर्ते निविदा प्रपत्र जमा करने के तिथि के पूर्व आवेदन शुल्क कार्यालय में जमा करना होगा।

निविदा फार्म बिक्री की अंतिम तिथि 12.09.2024 समय संध्या 05:00 बजे तक।
निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 13.09.2024 समय प्रातः 10.00 से 03:00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि 13.09.2024 समय अपरान्ह 04 बजे स्थान जिला जेल धमतरी।

जेल अधीक्षक
जिला जेल धमतरी

G-242501979/2

Notice Inviting Tender

WATER RESOURCE DEPARTMENT, CHHATTISGARH Office of the Deputy Director, Hydrometeorology Division No.4, Raipur, Chhattisgarh
E-mail: ddhyd4-wrd@cg.gov.in

NIT No. 02/SAC/2024-25 Raipur, Dated 22.08.2024

Water Resource Department, Chhattisgarh (WRD-CG) invites online tenders through Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal up to 12th September 2024 by 05:30 PM for the following:

System Tender No.	Details	PAC (Rs. Cr.)	Duration (months)	EMD (Rs. Lakh)	Processing Fee (Rs.)
157899	"Request for Proposal for Selection of Consulting Firm for setting up of Project Management Unit (PMU) for Transaction Advisory Services, Policy Implementation, Technical Assistance in Planning of Water Resources, Enhancement in Water Use Efficiency for the Water Security, Safety and Sustainability"	41.08	36	5.00	311.00

Terms: 1. Details of Tender, TOR & Other Conditions can be viewed and downloaded online directly from the from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from 27/08/2024 / 5:30 PM.
2. The Bid must be delivered online only upto 12/09/2024 by 05:30 PM. No personal, postal or courier delivery will be entertained.

Deputy Director
Hydrometeorology Division
no.4, Raipur, Chhattisgarh

G-242501988/2

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा

ब्लॉक-03, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
फोन- 0771-2636413, फैक्स- 0771-2263412, email-highereducation.cg@gmail.com

राजे श्री वैष्णवदास महंत जी महाराज संस्कृत भाषा सम्मान/ पुरस्कार वर्ष 2024, हेतु प्रविष्टियां आमंत्रित

छत्तीसगढ़ राज्य में संस्कृत भाषा के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति या संस्था को सम्मानित करने हेतु राजे श्री वैष्णवदास महंत जी महाराज संस्कृत भाषा सम्मान/ पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया हैं।

1. **सम्मान का स्वरूप :-** उक्त सम्मान/ पुरस्कार के अंतर्गत किसी एक संस्था या व्यक्ति को रू. 200000/- (दो लाख रूपये) एवं प्रतीक चिन्ह से युक्त पट्टिका प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जावेगा।
2. **आवेदन/ प्रविष्टियां भेजने की समयावधि :-** पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा स्वयं उपस्थित होकर बंद लिफाफे में अथवा डाक द्वारा दिनांक **20.09.2024** सायं 4.00 बजे तक कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, ब्लॉक-3, द्वितीय तल, इंद्रावती भवन नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.) में प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। डाक संबंधी विलंब के लिये यह कार्यालय, उत्तदायी नहीं होगा। पुरस्कार संबंधी नियम की प्रति कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, नवा रायपुर अटल नगर से निःशुल्क कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है अथवा विभाग के वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है।
3. आवेदन पत्र के बंद लिफाफे पर **"राजे श्री वैष्णवदास महंत जी महाराज संस्कृत भाषा सम्मान/ पुरस्कार वर्ष 2024"** अंकित होना चाहिए।
4. **प्रविष्टियां / आवेदन के लिये मापदंड :-** सम्मान पुरस्कार के लिये प्रविष्टियां/ आवेदन निम्नांकित अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए प्रस्तुत किये जा सकते हैं।

1. व्यक्ति अथवा संस्था का पूर्ण परिचय, 02 पास पोर्ट साईज फोटो, मो. नं. एवं पूर्ण पता।
2. सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में अभिनव प्रयत्नों के लिये किये गये कार्यो की सप्रमाण विस्तृत जानकारी (संस्कृत भाषा से संबंधित)
3. यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो, तो उसका विवरण।
4. संस्कृत भाषा से संबंधित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य तथा इसके सैद्धांतिक पक्ष के विषय में प्रकाशित साहित्य की सत्यापित छायाप्रतियां।
5. प्रविष्टि में अंतर-निहित तथ्यों/ जानकारी के अतिरिक्त अन्य पश्चातवर्ती पत्र व्यवहार सम्मान (पुरस्कार) के संबंध में कोई विचार नहीं किया जावेगा।
6. प्रविष्टि में दिये गये तथ्यों/ निष्कर्षों/ प्रमाणों का संपूर्ण उत्तरदायित्व प्रविष्टि प्रस्तुतकर्ता का रहेगा।
7. प्राप्त प्रविष्टियों का परीक्षण गठित जूरी के द्वारा किया जायेगा एवं प्रविष्टियों की गुणवत्ता के आधार पर किसी एक या अधिक प्रविष्टियों को पुरस्कार देने या नहीं देने का जूरी का निर्णय अंतिम होगा। इसके लिए कोई कारण बताया जाना आवश्यक नहीं होगा।

अपर संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

G-242501999/1

छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर

अपेक्स बैंक (Apex Bank)
मुख्यालय "सहकार भवन", प्लॉट नं.- 74, सेक्टर- 24, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.) - 492002
Website: www.cgapexbank.com,Email:cg.apexbank.ho@gmail.com

छ.ग. / मुख्यालय / नवा रायपुर क्र.1971 दिनांक 22.08.2024

छ.ग. राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) में सीधी भर्ती के 09 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु दस्तावेजों के सत्यापन तिथि की सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर द्वारा दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञप्ति क्रमांक छ.ग. / मुख्यालय / नवा रायपुर क्रमांक 1974 दिनांक 04.09.2023 के आधार पर छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक में कनिष्ठ प्रबंधक - (2) के 03 पद, कनिष्ठ प्रबंधक संवर्ग (ट्रेजरी विशेषज्ञ / मुख्य लेखापाल) के 02 पद, उप प्रबंधक के 01 पद एवं सहायक प्रबंधक के 03 पद अर्थात् कुल 09 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा दिनांक 29.10.2023 को अपरान्ह में आयोजित किया गया। उक्त भर्ती परीक्षा का परिणाम छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा दिनांक 04.12.2023 को घोषित किया गया। ऐसे अभ्यर्थी जो भाग-1 परीक्षा में न्यूनतम 50% अंक या उससे अधिक अंक अर्जित किये हैं, उन्हें पात्र मानते हुए उनके द्वारा लिखित परीक्षा (भाग-2 एवं भाग-3) में प्राप्त कुल अंकों की मेरिट सूची का प्रकाशन, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, नवा रायपुर के वेबसाईट https://vyapam. cgstate.gov.in पर किया गया है।

उक्त मेरिट सूची के अनुसार अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन दिनांक 30.09.2024 को रखा गया है। दस्तावेजों के सत्यापन उपरांत पात्र अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जायेगा, जिसकी तिथि पृथक् से घोषित की जायेगी जिसकी सूचना अभ्यर्थियों को पृथक् से दी जाएगी। सहायक प्रबंधक पद पर सीधी भर्ती / चयन हेतु साक्षात्कार नहीं लिया जायेगा।

दस्तावेजों के सत्यापन हेतु तिथि, स्थान एवं अन्य आवश्यक निर्देश, सहकारिता विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, की वेबसाईट https://coop.cg.gov.in एवं छ.ग.राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर की वेबसाईट www.cgapexbank.com पर उपलब्ध होंगे।

प्रबंध संचालक

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी जिला राजनांदगांव

// दावा-आपत्ति //

1. बच्चे का नाम :- नवजात बालिका
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक :-16.08.2024
3. संस्था :- विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी, (सेवा भारती मातृछाया) राजनांदगांव (छ.ग.)
4. रंग :- सांवला
5. उम्र :- 04 दिन (लगभग)

उक्त बालिका को दिनांक 16.08.2024 को बालक कल्याण समिति राजनांदगांव (छ.ग.) के आदेश क्रमांक 333 / बा.क.स. / 24-25 राजनांदगांव दिनांक 16.08.2024 से अस्थाई संरक्षण हेतु विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी (सेवा भारती मातृछाया) राजनांदगांव (छ.ग.) में संरक्षण प्राप्त है। इस बालिका को एक विक्षिप्त महिला श्रीमती उमेश्वरी पता अज्ञात के द्वारा दिनांक 12.08.2024 को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय पेण्ड्री, राजनांदगांव में जन्म दिया गया है। विक्षिप्त महिला तथा इनके नवजात बालिका के वैधानिक पालक / अभिभावक होने का दावा अपत्ति दर्ज कराना चाहते है। प्रकाशन दिनांक से 60 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास, संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन कक्ष क्रमांक 11 कलेक्ट्रेट परिसर जिला राजनांदगांव अथवा विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी (सेवा भारती मातृछाया), पटेल कॉलोनी वार्ड नं. 29 आरा मशीन रोड, राजनांदगांव (छ.ग.) मे दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जायेगी।

यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
जिला बाल संरक्षण इकाई (मबावि)
जिला- राजनांदगांव (छ.ग.)

G-242501994/2

LiFE Lifestyle for Environment

Certificate Course on Waste Optimisation Professional under Green Skill Development Programme of Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India Duration of the Course: 60 Days Only for SC Candidates Number of Seats: 20 (Twenty)

Eligibility: 4-year UG in relevant field with 1 year of relevant experience **or** 3-year UG in relevant field with 2 year of relevant experience **or** 12+2 year of diploma in relevant field with 3 year of relevant experience **or** Previous relevant Qualification of NSQF Level 5.5 with 1.5 years of relevant experience **or** Previous relevant Qualification of NSQF Level 5 with 3 years of relevant experience

In line with the Skill India Mission of Hon'ble Prime Minister, Ministry of Environment, Forest & Climate Change (MoEF&CC) has launched a Green Skill Development Programme (GSDP) under which Certificate Course on **Waste Optimisation Professional** is being offered to skill enthusiasts. The program is being offered by the EIACP, Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) Nava Raipur in collaboration with Kalinga University, Nava Raipur. The program involves theory and practical classes to strengthen the fundamentals, field visits and hands on training in relevant industries for real-life exposure. This course will help candidates to be better prepared for jobs in industries, municipal corporations and pollution control boards.

The certificate course is proposed to start in the end of September. Interested candidates may apply through online Google form available at **https://www.enviscecb.org/** from 22nd August 2024. There is no fee for the course. The outstation candidates will be provided free lodging and boarding. The admission to the course will depend on the selection process that may involve a interview.

Last date for applying: 08 September 2024
Tentative date for interview: 18th September 2024

Chhattisgarh Environment Conservation Board Paryavas Bhavan, North Block, Sector-19, Atal Nagar. Nava Raipur (C.G.) Contact No. : 91091-99713,89035-23719, 98279-36887

S-41238/4

ऑटो सेक्टर में फंसी 7 लाख गाड़ियां, नहीं बिका 73,000 करोड़ रुपए का माल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

यात्री वाहन की बिक्री में आई सुस्ती ने ऑटो डीलर्स को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) के मुताबिक, ऑटो डीलर्स के पास मौजूद गाड़ियों का स्टॉक इस समय अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया है।

- फाडा के मुताबिक मौजूद गाड़ियों का स्टॉक ऑलटाइम हाई पर

करीब 7 लाख से ज्यादा गाड़ियां डीलर्स के पास फंसी हुई हैं, जिनकी कुल कीमत 73,000 करोड़ रुपए है। फाडा का दावा है कि जुलाई की शुरुआत में जो स्टॉक 65-67 दिनों का था, वह अब बढ़कर 70-75 दिनों तक पहुंच गया है। फाडा ने कहा कि सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने यात्री वाहन बनाने वाली कंपनियों से भी अपील किया है वे इनवेंट्री के इस ऊंचे स्तर को देखते हुए संभावित डीलर फेल्योर को लेकर सतर्क रहें।

जुलाई में जो स्टॉक 65-67 दिन का था वह बढ़कर 70-75 दिनों तक पहुंचा

कंपनियां आंकड़ो को रीसेट करे

सिंघानिया ने कहा, कार कंपनियों को चाहिए कि वे अपने उत्पादन को रिटेल बिक्री के आंकड़ों के मुताबिक रीसेट करें। उन्हें डीलर्स को भेजी जाने वाली व्हीकल्स की संख्या घटानी चाहिए। हालांकि यह कमी एक महीने में नहीं हो सकती, लेकिन फिर भी (यात्री वाहन) रिटेल और थोक आंकड़ों के बीच का अंतर 50,000 से 70,000 यूनिट्स होनी चाहिए?

इस माह यात्री वाहनों की बिक्री घटी : बता दें कि फाडा के आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई में भारत में यात्री वाहनों की बिक्री में 10 प्रतिशत की तेजी आई और यह 3,20,129 यूनिट्स तक पहुंच गया। हालांकि इसी महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 2.5 प्रतिशत घटकर 3.41 लाख यूनिट्स रही।

वाहनों की इनवेंट्री 30 दिनों की हो

फाडा प्रेसिडेंट के मुताबिक, ऑटो डीलर्स के पास वाहनों की इनवेंट्री औसतन 30 दिनों की होनी चाहिए और कुछ मामलों में इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'कार कंपनियां आने वाले महीनों में अपने डिस्पैच को कम कर सकती है, लेकिन त्योहारी सीजन को देखते हुए सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में वे इसे फिर से बढ़ा सकती हैं।

कंपनियां प्रमोशनल स्कीम लाए

सिंघानिया ने कहा, अगर कार कंपनियों की सच में दिलचस्पी है तो उन्हें अपने डीलर्स की सेहत का ख्याल रखना चाहिए। उन्हें ऐसे प्रमोशनल स्कीम लाने चाहिए, जिससे वे इन गाड़ियों को मार्केट में निकाल सके। साथ ही उन्हें अतिरिक्त लागत के मोर्च पर भी हमें सपोर्ट करना चाहिए, जो गाड़ियो के स्टॉक को अधिक दिन तक रखने से आ रहा है। अगर वे इस अतिरिक्त लागत को उठाते हैं।

स्टॉक का बोझ डीलर्स पर न पड़े : इस बारे में सियाम के प्रेसिडेंट विनोद अग्रवाल का कहना है कि सभी ऑटो निर्माता अपने डीलर्स की सेहत को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारी से काम करेंगे। उन्हें उम्मीद है कि कंपनियां जल्दी ही आवश्यक कदम उठाएंगी ताकि स्टॉक का बोझ डीलर्स पर ज्यादा न पड़े।

ऋण मंजूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण अनियमितताएं पाई गईं

आरएचएफएल के कोष को खपाने में अनिल अंबानी थे 'मास्टमाइंड' : सेबी

- आरएचएफएल के निदेशक मंडल ने कर्ज को लेकर चेतावनी दी थी
- ऋण मंजूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण अनियमितताएं पाई गईं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अपने आदेश में अनिल अंबानी को कोष को दूसरी कंपनियों में खपाने का 'मास्टमाइंड' बताते हुए कहा है कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के निदेशक मंडल ने अयोग्य लेनदारों को कर्ज देने को लेकर चेतावनी दी थी। इस आदेश के मुताबिक, असल में आरएचएफएल की ऋण मंजूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण अनियमितताएं पाई गईं, जिसमें कंपनी की कर्ज नीति से विचलन और अधूरे दस्तावेज भी शामिल हैं।

कंपनी प्रबंधन ने आदेशों की अनदेखी की

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने आदेश में कहा है कि आरएचएफएल के निदेशक मंडल ने इस तरह ऋण देने के व्यवहार पर लगाम लगाने और कंपनियों को कर्ज देने की नियमित समीक्षा करने के कड़े निर्देश जारी किए थे लेकिन कंपनी प्रबंधन ने उन आदेशों की अनदेखी की।

सर्वाधिक राशि रिलायंस कैपिटल को मिली

सर्वाधिक राशि पाने वाली इकाइयों में रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (2,359.91 करोड़ रुपये) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (2,278.58 करोड़ रुपये) शामिल थीं।

यह एक अजीबोगरीब मामला

सेबी ने आदेश में कहा, "यह एक अजीबोगरीब मामला है, जहां कंपनी के प्रबंधन ने अपने ही निदेशक मंडल के उस आदेश की खुलेआम अवहेलना की है, जिसने सामान्य जरूरतों के लिए कॉरपोरेट कर्ज देने के बारे में चिंता जताई थी। सेबी ने कहा, "धोखाधड़ी की इस योजना के पीछे का मास्टरमाइंड एडीएजी का चेयरमैन अनिल अंबानी होने की संभावना दिखाई देती है।

रिपोर्ट में कई अहम बिंदुओं का उल्लेख

पीडब्ल्यूसी ने अपनी रिपोर्ट में नकारात्मक शुद्ध हैसियत, सीमित राजस्व या लाभ-रहित कर्जदारों, आरएचएफएल से उधार लेने के अलावा कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं, और उठाए गए कर्ज की तुलना में कम इक्विटी पूंजी जैसे कई अहम बिंदुओं का उल्लेख किया है। इसके साथ अप्रैल, 2016 से जून, 2019 तक की गई फॉरेंसिक ऑडिट ने चिंताओं को बढ़ा दिया।

150 ऋण मामलों में 12,573 करोड़ वितरित

मई, 2020 में जारी दूसरी फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट ने खुलासा किया कि आरएचएफएल ने इन संबंधित इकाइयों से जुड़े 150 ऋण मामलों में 12,573.06 करोड़ रुपये वितरित किए। ऑडिट में 43 संबद्ध इकाइयों में धन भेजने का पता लगाया गया, जिसने बाद में उन्हें 19 इकाइयों को हस्तांतरित कर दिया, जिनमें से 14 कथित तौर पर प्रवर्तक समूह से जुड़ी थीं।

- कंपनी प्रबंधन ने सेबी के आदेशों की अनदेखी की थी

आठ कंपनियां रिलायंस पावर व इंफ्रा से संबंधित

इसमें पाया गया कि आरएचएफएल ने इस अवधि में कुल 14,577.68 करोड़ रुपये के कर्ज कंपनियों को दिया था जिनमें से 12,487.56 करोड़ रुपये 47 इकाइयां संभावित अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी थीं। इनमें से आठ कंपनियां रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित थीं।

ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट को आधार बनाया गया

सेबी आरएचएफएल के कोष को दूसरी कंपनियों में भेजने के निष्कर्ष तक दो महत्वपूर्ण रिपोर्टों के आधार पर पहुंचा है। आरएचएफएल के वैधानिक ऑडिटर पीडब्ल्यूसी और आरएचएफएल के कर्जदाताओं के समूह के अगुवा बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा की तरफ से नियुक्त फॉरेंसिक ऑडिटर ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट को आधार बनाया गया है।

कॉरपोरेट कर्ज उत्पाद में तेजी आई

पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि आरएचएफएल के सामान्य उद्देश्य वाले कॉरपोरेट कर्ज उत्पाद के तहत वितरित ऋणों में तेजी से वृद्धि हुई है। वितरित राशि 31 मार्च, 2018 को लगभग 900 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च, 2019 तक लगभग 7,900 करोड़ रुपये हो गई।

बिजली की अधिकतम मांग 15 गीगावाट सालाना की दर से बढ़ेगी : अधिकारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

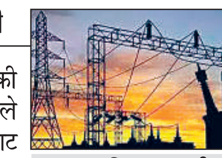

- एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी जानकारी
- अगले छह वर्षों में 15 गीगावाट सालाना की दर से बढ़ेगी

देश में बिजली की अधिकतम मांग अगले छह वर्षों में 15 गीगावाट सालाना की दर से बढ़ेगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले एक दशक में बिजली की मांग सालाना 11 गीगावाट की दर से बढ़ी है। भारतीय बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता संघ (आईईईएमए) द्वारा आयोजित एक उद्योग सम्मेलन में बिजली विभाग के अतिरिक्त सचिव श्रीकांत नागुलापल्ली ने कहा कि 2030 तक सौर ऊर्जा घंटों के दौरान लगभग 85 गीगावाट अतिरिक्त मांग बढ़ जाएगी और गैर सौर ऊर्जा घंटों के दौरान अधिकतम मांग में 90 गीगावाट से अधिक की वृद्धि होगी। सालाना बढ़ोतरी इन संख्याओं को सही रूप से प्रतिबिंबित नहीं कर सकती है, लेकिन यदि आप पूर्ण संख्या देखें तो यह एक बड़ी छलांग है और इस वृद्धि को पूरा करने के लिए हमारी कोयला क्षमता के साथ-साथ सौर, पवन, भंडारण और पारेषण का भी पर्याप्त विस्तार किया जा रहा है।' "पिछले 10 वर्षों में भारत की अधिकतम मांग औसतन 11 गीगावाट की दर से बढ़ी है और अगले छह साल में हम उम्मीद करते हैं कि मांग औसतन 15 गीगावाट सालाना की दर से बढ़ेगी।"

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों को प्राथमिकता

क्षमता संवर्धन के बारे में उन्होंने कहा कि इस योजना में राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश आदि के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि वहां सौर ऊर्जा की संभावनाओं वाली बड़ी भूमि उपलब्ध है।

खबर संक्षेप

रेप्को बैंक ने गृहमंत्री को लाभांश चेक सौंपा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सरकारी उद्यम रेप्को बैंक से लाभांश के रूप में 19.08 करोड़ रुपये का चेक प्राप्त किया। यह बैंक गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है। शाह ने वित्त वर्ष 2023-24 में 11 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर दर्ज करने पर रेप्को बैंक को बधाई दी।

जेएसडब्ल्यू नियो को मिला एनटीपीसी से ठेका

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को 300 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने के लिए एनटीपीसी से ठेका मिला है। इससे कंपनी की कुल 'लॉक-इन' उत्पादन क्षमता बढ़कर 16.7 गीगावाट हो गई है, जिसमें 2.6 गीगावाट की कुल 'लॉक-इन' हाइब्रिड क्षमता भी शामिल है।

बीएसई, एनएसई ने आरसीएफ पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड पर निदेशक मंडल संरचना के नियमों का पालन नहीं करने पर शेयर बाजार बीएसई और एनएसई दोनों ने 9.66-9.66 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है, क्योंकि निदेशकों की नियुक्ति का अधिकार सरकार के पास है।

हिंडाल्को भारत और अमेरिका में विस्तार पर करेगी निवेश

नई दिल्ली। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज निकट भविष्य में भारत और अमेरिका में चल रही और नियोजित विस्तार परियोजनाओं में 10 अरब डॉलर (करीब 83,900 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। इन परियोजनाओं में आदित्य फ्लैट रोल्ड प्रोडक्ट्स संयंत्र का विस्तार, ओडिशा के रायगढ़ में नई एल्युमिना रिफाइनरी और नोवेलिस इंक की बे मिनेट परियोजना शामिल है।

जोमैटो ने अंतर-नगरीय सेवा लीजेंड्स बंद की

नई दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर पर खान-पान के उत्पाद पहुंचाने वाली कंपनी जोमैटो ने अपनी अंतर-नगरीय सेवा 'लीजेंड्स'' को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। लीजेंड्स सेवा के तहत जोमैटो कुछ चुनिंदा शहरों के मशहूर उत्पादों को दूसरे शहरों में आपूर्ति करती थी। सीईओ ने पर कहा, "जोमैटो लीजेंड्स के संबंध में कुछ सूचना।

पहली छमाही में अमेरिका रहा सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

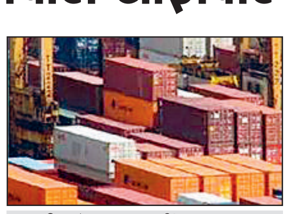

- चीन के साथ सर्वाधिक व्यापार घाटा : रिपोर्ट
- भारत ने चीन के साथ 41.6 अरब डॉलर का घाटा दर्ज किया

चालू कैलेंडर साल के पहले छह महीनों (जनवरी-जून) में अमेरिका भारत का शीर्ष कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है जबकि देश ने इस अवधि में चीन के साथ 41.6 अरब डॉलर का अपना अधिकतम व्यापार घाटा दर्ज किया है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि जनवरी-जून, 2024 के दौरान देश का व्यापारिक निर्यात 5.41 प्रतिशत बढ़कर 230.51 अरब डॉलर हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन 41.6 अरब डॉलर के बड़े व्यापार घाटे के साथ सूची में सबसे ऊपर है, क्योंकि चीन को निर्यात 8.5 अरब डॉलर था, जबकि जनवरी-जून 2024 के दौरान आयात 50.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि भारत 239 देशों को उत्पादों का निर्यात करता है और इनमें से 126 देशों ने निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दिखाई है। इन देशों का भारत के कुल निर्यात में 75.3 प्रतिशत हिस्सा है। निर्यात में वृद्धि वाले प्रमुख देशों में अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, सिंगापुर और चीन शामिल हैं।

हालांकि, 98 देशों को निर्यात में गिरावट आई है जिनमें इटली, बेल्जियम, नेपाल और हांगकांग प्रमुख हैं।

व्यापारिक साझेदार के रूप में चीन दूसरे नंबर पर

चीन दूसरे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में दूसरे स्थान पर रहा, जिसका कुल व्यापार 54.4 अरब डॉलर से 7.7 प्रतिशत बढ़कर 58.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। माल के निर्यात में वृद्धि को लौह अयस्क, दवा, कीमती पत्थर, बासमती चावल, रसायन और स्मार्टफोन जैसे क्षेत्रों द्वारा बढ़ावा दिया गया।

सेंसेक्स, निफ्टी मामूली बढ़त के साथ हुए बंद

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के चेयरमैन जेरोम पावेल के अहम संबोधन से पहले मिले-जुले वैश्विक रुझानों के बीच शुक्रवार को आईसीआई सीआई बैंक और भारती एयरटेल जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 33.02 अंक बढ़कर 81,086.21 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त पर रहा। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 11.65 अंक बढ़कर 24,823.15 अंक पर बंद हुआ। भारतीय

- पावेल के संबोधन से वैश्विक बाजार में मिलाजुला रुख

टाटा मोटर्स रही लाभ में
सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, सन फार्मास्युटिकल, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू स्टील लाभ में रहीं।
एसबीआई के शेयरों में गिरावट
दूसरी तरफ टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, टाइटन, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

सूचकांक सपाट स्तर के आसपास झूलते रहे और मिश्रित वैश्विक बाजार धारणा ने इस परिदृश्य को और अधिक तेजी दी।''

सोना 350 रुपए टूटा, चांदी 200 रुपए कमजोर

नई दिल्ली। स्थानीय सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने का भाव 350 रुपये की गिरावट के साथ 73,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोने का भाव 74,150 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो का हुआ भव्य शुभारंभ

रायपुर। 'भरोसा आपका साथ है...क्योंकि ये घर की बात है' के नारे के साथ छत्तीसगढ़ में क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को इंडोर स्टेडियम में हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वित्त व आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी और विशिष्ट अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल व पूर्व विधायक विजय अग्रवाल थे। इस अवसर पर क्रेडाई अध्यक्ष संजय रहेजा, सचिव पंकज लाहोटी, प्रोग्राम चेयरमेन ऋषभ जैन, को-चेयरमेन नवनीत अग्रवाल और आनंद सिंघानिया उपस्थित थे।

- 40 से ज्यादा डेवलपर्स 200 प्रोजेक्ट्स के साथ रहेंगे मौजूद

इस तीन दिवसीय एक्सपो में 40 डेवलपर्स 200 प्रोजेक्ट्स के साथ भाग लेंगे। जहां हर बजट-हर लोकेशन का सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ वैधानिक प्रॉपर्टी उपलब्ध कराएंगे। एक्सपो में फाइनेंस के लिए बैंकों के स्टॉल होंगे और रेरा का स्टॉल

भी पहली बार शामिल किया गया है। जिससे वैधानिकता की जांच की जा सकेगी। स्पॉट बुकिंग पर आकर्षक ऑफर्स और उपहार भी दिए जाएंगे। जिसमें पिछले साल की तरह दोपहिया वाहन, एसी, वाशिंग मशीन और अन्य उपहार शामिल रहेंगे। इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य फेस्टिव सीजन में लोगों को प्रॉपर्टी निवेश के अवसर प्रदान करना है। ताकि फ्लैट, बंगला, मकान, विला, प्लाट या कमर्शियल स्पेश खरीदने का सपना पूरा हो सके। इस बार के स्पांसर एसबीआई, आईसीआईसीआई, जगुआर, मैजिक पेंट्स, एमकेजी और नेचर टच हैं।

रामकृष्ण केयर अस्पताल में सफल पीडियाट्रिक कैडेवर लीवर प्रत्यारोपण

रायपुर। रामकृष्ण केयर अस्पताल ने छत्तीसगढ़ में पहली बार एक 11 वर्षीय बच्चे के लिए पीडियाट्रिक कैडेवर लीवर प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया। मण्डला का यह बच्चा पिछले 6 वर्षों से लिवर सिरोसिस से पीड़ित था, जिससे उसके पेट में पानी भरने और कमजोरी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो गई थीं। परिवार के पास कोई डोनर उपलब्ध न होने के कारण, बच्चे का इलाज कई बड़े शहरों में किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः बच्चा रामकृष्ण केयर अस्पताल में भर्ती हुआ और कैडेवरिक लिवर प्रत्यारोपण के लिए सोटो छत्तीसगढ़ की वेटिंग लिस्ट में नाम दर्ज कराया गया।

छत्तीसगढ़ में एक ब्रेनडेड मरीज का अंगदान करने के निर्णय के बाद अस्पताल प्रशासन ने सोटो छत्तीसगढ़ को सूचित किया। यह लिवर जो एक बड़े उम्र के मरीज का था, बच्चे को सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया। आज बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है और अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट चुका है। इस सफल प्रत्यारोपण के लिए डॉ. संदीप दवे, मेडिकल और मैनेजिंग डायरेक्टर और डॉ.

एस.एन. मढ़रिया ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। रामकृष्ण केयर अस्पताल की लीवर प्रत्यारोपण टीम में डॉ. मो. अब्दुन नईम, डॉ. अजीत मिश्रा, डॉ. युक्तांश पांडे, डॉ. राजकुमार, डॉ. धीरज प्रेमचंदानी और डॉ. पारधासार्दी शामिल थे।

मेडिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी टीम में डॉ. संदीप पांडे और डॉ. ललित निहाल, क्रिटिकल केयर में डॉ. विशाल कुमार, आपातकालीन और ट्रामा विभाग में डॉ. संतोष सिंह, शिशु और बाल्य रोग विभाग में डॉ. पवन जैन, और एनेस्थेसिया विभाग में डॉ. सर्वेश लाल ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ओटी, नर्सिंग और प्रत्यारोपण सहायक टीम के सहयोग से यह सफल प्रत्यारोपण किया गया।

दो साल में ही ब्रिटिश पार्टनर क्लार्क्स के साथ साझेदारी हुई खत्म

ब्रिटिश पार्टनर ने छोड़ा ईशा अंबानी की रिलायंस रिटेल का साथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी ने बीते कुछ सालों में कई विदेशों कंपनियों के साथ साझेदारी की है। खासकर रिटेल सेक्टर में कंपनी लगातार अपने पैर पसार रही हैं। रिलायंस रिटेल की कमान संभाल रही ईशा अंबानी चीन, अमेरिका, ब्रिटेन की कंपनियों को भारत लेकर आई हैं, लेकिन अब एक बड़ी कंपनी ने रिलायंस रिटेल के साथ साझेदारी तोड़ ली है।

- एक के बाद एक कर बंद होने लगी है दुकानें

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल और ब्रिटिश पार्टनर क्लार्क्स के बीच साझेदारी खत्म हो गई है। ब्रिटेन के पॉपुलर फुटवियर ब्रांड क्लार्क्स ने रिलायंस रिटेल के साथ अपनी डील तोड़ दी है। दोनों ने ज्वाइंट वेंचर बनाया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब ये डील मतभेदों के चलते टूट गई है।

क्या हुई थी डील

रिलायंस और ब्रिटिश फुटवेयर ब्रांड के बीच क्लार्क्स भारत में 30 स्टोर खोलने को लेकर साझेदारी हुई थी। इस डील के तहत रिलायंस रिटेल क्लार्क्स के स्टोर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता और हैदराबाद जैसे शहरों में खोल रही थी। बता दें कि देशभर में रिलायंस रिटेल के 18 हजार से ज्यादा स्टोर्स है। कंपनी के पास बड़ा यूजर बेस है। रिलायंस का नाम और सेफ निवेश है। ऐसे में भारत में कारोबार करने वाली विदेशी ब्रांड की पहली पसंद रिलायंस रिटेल है।

मतभेदों के चलते टूटी डील

रिपोर्ट के मुताबिक साझेदारी की शर्तों को लेकर दोनों कंपनियों के बीच मतभेद शुरू हो गया। जिसके बाद दोनों ही कंपनियां ज्वाइंट वेंचर के तौर पर काम नहीं कर पा रही थी। इस विवाद को बढ़ाने के बजाए दोनों ने पार्टनरशिप को खत्म करने का फैसला किया। हालांकि पार्टनरशिप टूटने को लेकर रिलायंस और क्लार्क्स की ओर से कोई बयान नहीं दिया गया है।

बंद हो रहे हैं स्टोर्स

रिलायंस के साथ साझेदारी खत्म होने के बाद क्लार्क्स ने भारत में अपने स्टोर बंद करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने भारत से अपना कारोबार समेटना शुरू कर दिया है। हाल ही में ब्रिटिश फुटवियर ब्रांड ने इनऑर्बिट मॉल में अपने स्टोर बंद लिए। डीएलएफ मॉल में भी क्लार्क्स के स्टोर बंद हो गए।

भारत में एक दशक से कारोबार
ब्रिटिश कंपनी क्लार्क्स ने रिलायंस रिटेल से पहले साल 2011 में फ्यूचर ग्रुप के साथ साझेदारी की थी, लेकिन फ्यूचर ग्रुप के दिवालिया होने के बाद कंपनी को नए पार्टनर की जरूरत थी।

डॉ शर्मा ने मेटल एलर्जी से पीड़ित मरीज का किया सफल गोल्ड नी इम्प्लांट

रायपुर। श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुशील शर्मा, जो छत्तीसगढ़ और आस-पास के क्षेत्रों में हड्डी रोग और ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हैं, उन्होंने हाल ही में एक सफल जोड़प्रत्यारोपण किया।

बलांगिर, ओडिशा की निवासी रिना मेंहर ने पिछले कई वर्षों से घुटनों में तेज दर्द की समस्या का सामना किया था, जो उनके दैनिक जीवन की गतिविधियों में काफी कठिनाई पैदा कर रहा था। साथ ही रिना को आर्टिफिशियल मेटल गहनों से एलर्जी भी थी जो उनके उपचार की प्रक्रिया को और जटिल बना रही थी। स्थिति बिगड़ने पर रिना ने डॉ. सुशील शर्मा के पास

इलाज के लिए श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल में दाखिला लिया।

डॉ. शर्मा ने जांच के बाद पाया कि दोनों घुटनों की स्थिति बहुत खराब हो चुकी थी और ऑपरेशन की जरूरत थी। सामान्य मेटल इम्प्लांट्स में मेटल एलर्जी और मेटालॉसिस जैसे साइड इफेक्ट्स के जोखिम को देखते हुए, डॉ. शर्मा ने गोल्ड नी इम्प्लांट्स का उपयोग करने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया में कंप्यूटर नेविगेशन मशीन और नवीनतम तकनीकों का उपयोग किया गया। ऑपरेशन के बाद रिना मेंहर की स्थिति में तेज सुधार हुआ। ऑपरेशन के अगले दिन ही उन्होंने चलना शुरू कर दिया और तीसरे दिन स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो गईं।

लुसाने डायमंड लीग : नीरज ने 89.49 मीटर भाला फेंक हासिल किया दूसरा स्थान

एजेंसी ▸▸ लुसाने

भाला फेंक के स्टार भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फिटनेस संबंधी चिंताओं के बावजूद यहां डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपने आखिरी प्रयास में 89.49 मीटर का सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरे स्थान पर रहे। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी चौथे दौर तक चौथे स्थान पर चल रहा था। उन्होंने पांचवें प्रयास में 85.58 मीटर भाला फेंका। नीरज ने हालांकि अपना सर्वश्रेष्ठ आखिरी प्रयास के लिए बचा रखा था। गुरुवार को खेली गई इस पर प्रतियोगिता में नीरज ने अंतिम प्रयास में 89.49 मीटर भाला फेंका जो पेरिस ओलंपिक के 89.45 मीटर से थोड़ा बेहतर है।

आखिर तक हार नहीं मानी

'शुरू में अच्छा महसूस नहीं हो रहा था लेकिन मैं अपने थ्रो से खुश हूं, खासकर अपने आखिरी प्रयास में दूसरा (करियर का) सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके। शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन मैं वापसी करने में सफल रहा। मुझे खुशी है कि मैंने आखिर तक हार नहीं मानी। भले ही मेरा शुरुआती थ्रो 80-83 मीटर के आसपास था लेकिन आखिरी दो प्रयासों में दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहा। इस तरह की शीर्ष प्रतियोगिता में मानसिक रूप से मजबूत रहना और अपना जज्बा बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है।'

– नीरज चोपड़ा

पीटर्स शीर्ष पर

दो बार के विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स दूसरे दौर में 90.61 मीटर के प्रयास के साथ पहले स्थान पर रहे। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 87.08 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीटर्स ने फेंकी 90 मीटर की दूरी

पिछले साल से फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रयासरत पीटर्स यहां शुरू से लेकर आखिर तक पहले स्थान पर बने रहे। उन्होंने 90 मीटर की दूरी पार करके अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर दिया था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था।

15 अंक से संयुक्त तीसरे स्थान पर

चोपड़ा यहां दूसरे स्थान पर रहने के बाद डायमंड लीग की तालिका में 15 अंक लेकर वेबर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। पीटर्स 21 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। गुरुवार को यहां 82.03 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहने वाले चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज्च 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

खबर संक्षेप

शाकिब के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

नई दिल्ली। बांग्लादेश के स्टार आलराउंडर शाकिब अल हसन को हाल में बांग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शन और हिंसा के दौरान कथित हत्या के मामले में एक आरोपी के तौर पर दर्ज किया गया है। इस हिंसा के दौरान सैकड़ों लोग मारे गए थे।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार में पूर्व सांसद और 37 वर्षीय बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन उन 147 लोगों में शामिल हैं जिनके खिलाफ अगस्त के शुरू में विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित हत्या के लिए आरोप दायर किए गए हैं।

डी गुकेश और प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप में खेला ड्रॉ

सेंट लुइस। विश्व चैम्पियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश यहां सिंकफील्ड कप के चौथे दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ अच्छी स्थिति पर पहुंचने के बावजूद जीत दर्ज नहीं कर सके और उन्हें अंक बांटकर संतोष करना पड़ा। चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ नवंबर में विश्व चैम्पियनशिप मैच खेलने के लिए तैयार गुकेश ने फिरोजा को कड़ी चुनौती दी।

स्मिथ ने चौथे ही मैच में ठोका पहला शतक, तोड़ा 94 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी ▸▸ मेनचेस्टर

अपने करियर का चौथा टेस्ट मैच खेल रहे जेमी स्मिथ ने इंग्लैंड की ओर से 75 की स्ट्राइक रेट से 148 गेंदों पर 111 रन बनाए। श्रीलंका के खिलाफ अपनी इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 1 छक्का लगाया। प्रभात जयसूर्या ने उनका विकेट चटकाया। इसके साथ ही जेमी स्मिथ टेस्ट शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के इंग्लैंड के विकेटकीपर बन गए हैं। उन्होंने 24 साल और 42 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। उन्होंने लेस एम्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। विकेटकीपर लेस ने 1930 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ 24 साल और 63 दिन की उम्र में टेस्ट शतक लगाया था।

इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच इन दिनों 3 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। पहले टेस्ट के तीसरे दिन शुक्रवार को श्रीलंका ने स्टपं तक तक दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 204 रन बना लिए हैं। इस तरह श्रीलंका ने इंग्लैंड पर 82 रन की लीड बना ली है। इससे पहले श्रीलंका टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 236 रन पर सिमट गई थी। जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में ऑलआउट होकर 358 रन बनाए।

श्रीलंका-न्यूजीलैंड के पहले टेस्ट में होगा विश्राम दिवस

दुबई। अगले महीने गॉल में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका का शुरुआती टेस्ट मैच छह दिन का होगा, जिसमें इस द्वीपीय देश में राष्ट्रपति चुनाव के कारण एक दिन विश्राम का प्रावधान है। आईसीसी ने शुक्रवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि 18 सितंबर को शुरू होने वाले टेस्ट में 'डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ श्रीलंका' के राष्ट्रपति चुनाव के कारण' 21 सितंबर को विश्राम का दिन होगा।

जुलाई में किया था डेब्यू

जेमी स्मिथ दिसंबर 2022 के बाद शतक बनाने वाले इंग्लैंड के पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज भी बने। ओली पोप ने 18 महीने पहले रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ शतक बनाया था। जेमी स्मिथ ने इसी साल जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने पारंपरिक क्रिकेट शॉट्स खेले और विकेटों के बीच भागकर भी रन बटोरे। समय-समय पर उन्होंने बाउंड्री भी लगाईं। इंग्लैंड ने एक समय 187 के स्कोर पर 5 विकेट खो दिए थे। इसके बाद जेमी स्मिथ ने क्रिस वोक्स और गस एटकिंसन के साथ पारी को संभाला और टीम का स्कोर 350 के पार पहुंचा दिया।

सिसोदिया बने छत्तीसगढ़ बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ बैडमिंटन संघ ने शुक्रवार को आईस्पोर्ट्ज बैडमिंटन एरिना, मोवा रायपुर में संघ की विशेष आमसभा का आयोजन किया। आमसभा में विक्रम सिंह सिसोदिया को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ बैडमिंटन संघ के वर्तमान अध्यक्ष अनवर ढेबर अपरिहार्य कारणों से उक्त पद पर अपनी सेवाएं देने में असमर्थ हैं। संघ के सचिव संजय मिश्रा ने बताया कि श्री सिसोदिया संघ के आगामी चुनाव होने तक बचे हुए समय के लिए अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

बांग्लादेश के पांच विकेट पर 316 रन

रावलपिंडी। सलामी बल्लेबाज शादमन इस्लाम (93 रन) के वापसी में शतक से चूकने के बावजूद बांग्लादेश ने शुक्रवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक पहली पारी में पांच विकेट पर 316 रन बना लिए।

चंद्रयान-3 के रोवर ने किया बड़ा खुलासा चांद पर कभी था मैग्मा का महासागर

एजेंसी ⏭ न्यूयार्क

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रयान-3 मिशन के आंकड़ों ने हाल ही में बड़ा खुलासा किया है। इसरो के इस मिशन के आंकड़ों से इस सिद्धांत को बल मिलता है कि चंद्रमा पर किसी समय में मैग्मा का महासागर हुआ करता था। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि यह विश्लेषण चंद्रमा पर मिट्टी की माप पर आधारित है। इसे प्रज्ञान रोवर द्वारा 100 मीटर की दूरी तय करते हुए कई बिंदुओं पर रिकॉर्ड किया गया है। चंद्रयान-3 के लैंडर ने 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' की थी, जिसे बेंगलुरु द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। शोधकर्ताओं ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से मिले प्रज्ञान के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पाया कि, चंद्रमा की मिट्टी एक ही प्रकार की चट्टान फेरोअन एनोर्थोसाइट (एफएएन) से बनी हुई है। इस अध्ययन में अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के लेखक भी शामिल थे।

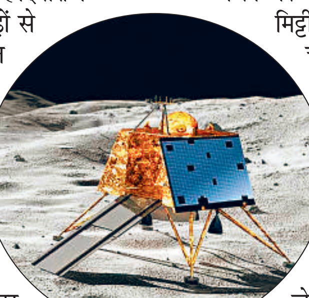

इनका कहना है कि नासा के अपोलो और सोवियत संघ के लूना जैसे मिशन मुख्य रूप से चंद्रमा की भूमध्यरेखीय और मध्य-अक्षांश क्षेत्रों से ली गई मिट्टी के नमूनों पर निर्भर रहते हैं।

चंद्रमा की सतह का निर्माण

एक सिद्धांत के अनुसार, चंद्रमा का निर्माण दो प्रोटोप्लैनेट (ग्रह निर्माण से पहले का चरण) के बीच टकराव से हुए था। ऐसे में बड़ा ग्रह पृथ्वी के रूप में सामने आया और छोटा ग्रह चंद्रमा बन गया। इसके परिणामस्वरूप चंद्रमा बहुत गर्म हो उठा और उसका पूरा आवरण पिघलकर 'मैग्मा महासागर' में रूप में बदल गया। अध्ययन में बताया गया है कि जब चंद्रमा का निर्माण हुआ, तब वह ठंडा हुआ और इसकी सतह पर कम घनत्व वाले एफएएन तैरने लगे। वहीं, भारी खनिज नीचे डूब गए और 'मेंटल' में बदल गए।

सिंहभूम क्षेत्र के बलुआ पत्थरों का किया गया विश्लेषण

धरती की पहली जमीन, जो निकली समुंदर से बाहर, वो जगह सिंहभूम क्षेत्र में है स्थित

एक समय था जब पूरी पृथ्वी पर धरती केवल समुंदर के ही अंदर थी यानी सतह पर केवल पानी ही पानी था। उसके बाद धरती के कुछ उससे सबसे पहले समुंदर से बाहर निकले, लेकिन वो इलाका कौन सा था जो सबसे पहले बाहर निकला था? हाल ही में वैज्ञानिकों ने इसका जवाब खोज निकाला है और हैरानी की बात ये है कि जो इलाका समुद्र से सबसे पहले बाहर निकला था, वह भारत में है और आज भी समुंदर से बाहर है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इस सप्ताह, वैज्ञानिकों ने दो रोचक खोज कीं। पहली, पृथ्वी के सबसे शुरुआती महाद्वीप उनके अनुमान से 70 करोड़ साल पहले समुद्र से उभरे थे। दूसरी, लगभग 3.2 अरब साल पहले समुद्र से ऊपर उठने वाली पहली भूमि भारत में थी। इस सोमवार को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज की कार्यवाही में प्रकाशित, भारत, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन में पाया गया कि पृथ्वी के वायुमंडल के संपर्क में आने वाली सबसे प्रारंभिक पपड़ी

कौन सी थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह खोज कैसे की? इसके लिए उन्होंने झारखंड के सिंहभूम क्षेत्र के बलुआ पत्थरों का विश्लेषण किया। इसमें प्राचीन नदी चैनलों, ज्वार के मैदानों और समुद्र तटों के भूवैज्ञानिक संकेत पाए गए जो 3 अरब साल से अधिक पुराने हैं।

गर्म मैग्मा ने भूभाग के कुछ हिस्सों को कर दिया था मोटा

अध्ययन के दौरान, शोधकर्ताओं ने यह भी समझने का प्रयास किया कि सिंहभूम के भूभाग को समुद्र के बाहर जाने के लिए किसने मजबूर किया। चौधरी ने कहा, 'बलुआ पत्थर हमें बताते हैं कि 'कब' और ग्रेनाइट हमें बताता है कि 'कैसे।' दिलचस्प बात यह है कि इस संबंध में निष्कर्ष भी चौंकाने वाले थे। 'लगभग 3.5 से 3.2 अरब साल पहले, पृथ्वी की पर्पटी के नीचे कुछ गर्म मैग्मा ने भूभाग के कुछ हिस्सों को मोटा कर दिया था। इससे सिलिका और क्वाट्र्ज जैसी, हल्की सामग्री भरपूर हो गई। लाइवसाइंस की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस प्रक्रिया ने क्रेटन को उसके आस-पास की सघन चट्टान की तुलना में 'शारीरिक रूप से मोटा और रासायनिक रूप से हल्का' बना दिया, और इस तरह भूभाग को पानी से ऊपर और बाहर उछाल दिया। समय के साथ, इसकी परत लगभग 50 किलोमीटर तक मोटी हो गई जिससे यह पानी के ऊपर तैरती रहती है, जैसे पानी पर तैरता हुआ एक हिमखंड।'

अमेरिकी स्पेस एक्सपर्ट ने दी चेतावनीः *न्यूयार्क। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने साथी बैरी विल्मोर के साथ दो महीने से अधिक समय से अंतरिक्ष में फंसी हुई हैं। रिडोल्फी का कहना है कि अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए स्टारलाइनर के सर्विस मॉड्यूल को कैप्सूल को सही कोण पर रखना होगा। अगर इसमें जरा सी भी चूक होती है, परिणाम भयावह हो सकते हैं।

Ajay Advt.

यहां दी जाती थी मगरमच्छों की बलि, हजारों साल पुरानी ममी से वैज्ञानिकों ने खोले अनोखे रहस्य

एजेंसी ⏭ मिस्र

हाल ही में वैज्ञानिकों ने प्राचीन मिस्र के मगरमच्छ की ममियों के रहस्यों का खुलासा करने का दावा किया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि 3 हजार साल पुरानी ममी की मदद से वैज्ञानिकों ने इन रहस्यों से पर्दा उठा है। इस अहम जानकारी को हासिल करने में हजारों साल लग गए कि किस तरह इन जानवरों को उनके प्राकृतिक वातावरण से बाहर करके उनकी बलि दी जाती थी। इतना ही नहीं 3 हजार साल पुराने इस मगरमच्छ की ममी ने प्राचीन मिस्र में मगरमच्छ पंथों से जुड़े मिथकों के कई सही जवाब सामने रखे हैं। इसने प्राचीन धार्मिक पंथों के रहस्यों को भी सुलझाने में मदद की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मैनचेस्टर

विश्वविद्यालय के पुरातत्वविद और मिस्र के वैज्ञानिक लिडिजा मैकनाइट द्वारा लिखे गए इस रिसर्च में कई खुलासे हुए हैं। प्राचीन मिस्र में मगरमच्छों को सोबेक देवता के अवतार के रूप में पूजा जाता था, जो ये मगरमच्छ नील नदी में रहते थे। शोधकर्ताओं ने बताया कि मिस्र में बहुत सारे ममीकृत मगरमच्छ मिले हैं, जिनमें से कुछ की 19.7 फीट तक लंबे हैं। ये मगरमच्छों को लेकर पूजा पाठ जैसी गतिविधि की ओर संकेत करते हैं। यह बताता है कि कभी मगरमच्छों को बलि देकर ममी के रूप में संरक्षित किया जाता था। मैकनाइट और उनके सहयोगियों का कहना है कि प्राचीन मिस्र के लोगों ने अपने धार्मिक अनुष्ठानों के लिए इतने विशाल आकार से मगरमच्छ कैसे प्राप्त किए, यह सवाल आज भी बरकरार है और हैरान करता है।

Ajay 9827144371

भारत का वो रेलवे स्टेशन, जिसका 28 अक्षरों से बना है नाम

नई दिल्ली। भारत में रेलवे का अनुभव हर किसी के लिए बेहद खास होता है। यहां रेलवे सिर्फ एक साधन मात्र नहीं है, बल्कि हर इंसान के लिए लाइफलाइन की तरह है, जो अमीर-गरीब को अपने गणतव्य तक पहुंचाने के काम आता है। ट्रेन से सफर करते वक्त कई रेलवे स्टेशन बीच में पड़ते हैं। कुछ छोटे, कुछ बड़े, जिनका नाम लोगों को याद हो जाता है। पर भारत में एक ऐसा रेलवे स्टेशन भी है, जिसका नाम याद करने में आपको बहुत वक्त लग जाएगा। अगर आप इस स्टेशन पर नए हैं, पहली बार नाम पढ़ रहे हैं, तो यकीन मानिए, इसका पूरा और सही-सही नाम पढ़ने में आपको इतना वक्त लग जाएगा कि आपकी ट्रेन ही छूट जाएगी। वो इसलिए क्योंकि इस स्टेशन का नाम 28 अक्षरों से मिलकर बना है। अंग्रेजी में 26 अक्षर होते हैं, पर आपको हैरानी होगी कि इस रेलवे स्टेशन के नाम में 28 अक्षर हैं। ये रेलवे स्टेशन आंध्र प्रदेश में जो तमिलनाडु के बॉर्डर के बिल्कुल करीब है। ये स्टेशन दक्षिण रेलवे ज़ोन में आता है। इस रेलवे स्टेशन का नाम है वेंकटनरसिम्हाराजुवरिपेटा (**Venkatanarasimharajuvaripeta**)। इस स्टेशन का नाम पढ़ पाना काफी टेढ़ी खीर होता है।

खाने को मिला पॉपकॉर्न, तो 'संस्कारी' बंदर ने हाथ मिलाकर किया -'थैंक यू'

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर आपको बहुत से कंटेंट रोज़ाना देखने को मिल जाते हैं। इनमें से कुछ ऐसे होते हैं, जिन्हें देखने को बाद आपको हंसी आ जाती है तो कुछ ऐसे भी होते हैं, जो आपका दिन बना देते हैं। जब भी हम किसी चिड़ियाघर में जाते हैं या फिर हमें जानवर दिखते हैं, तो कई बार अपने हाथों से जानवरों को खिलाने या उन्हें कुछ खाने को हाथ में देते हैं।हालांकि आज हम आपको जिस बंदर से मिलवाने जा रहे हैं, वो इस काम के लिए शुक्रिया कहता है। वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बंदर बैठा हुआ है। इसी बीच एक लड़की आकर उसे हाथ में पॉपकॉर्न का एक पैकेट दे देती है। बंदर उस पैकेट को अपने हाथ में लेता है और बाकायदा हाथ मिलाकर लड़की को थैंक्यू कहता है और फिर अपनी जगह पर बैठकर पैकेट से पॉपकॉर्न निकालकर खाना शुरू कर देता है। ये वीडियो काफी प्यारा है।

लोग बोले- 'कितना संस्कारी है'

वीडियो पर 94 मिलियन यानी 9.4 करोड़ से भी ज्यादा व्यूज़ आ चुके हैं, जबकि इसे लाखों लोगों ने पसंद भी किया है। वीडियो पर कमेंट करते हुए लोगों ने लिखा है कि बंदर वाकई बहुत विनम्र और संस्कारी है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com